वूमेन एक्सप्रेस

www.womenexpress.in

Email: thewomenexpress@gmail.com

Women Express tv

● वर्ष 8 ● अंक 216 ● हिन्दी दैनिक ● नई दिल्ली शुक्रवार 23 अक्टूबर 2020 ● पृष्ठ 8 ● मूल्य 1 रूपया ● डाक पंजीयन DL (E)-20/5448/2017-19

देश में महिलाओं के सशक्तिकरण का अभियान तेज गति से जारी

मां दुर्गा का आह्वान कर पीएम मोदी ने महिला सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता दोहराई

(विशेष संवाददाता)

कोलकाता, 22 अक्टूबर । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बृहस्पतिवार को मां दुर्गा का आह्वान कर महिला सशक्तिकरण के प्रति अपनी सरकार की कटिबद्धता को दोहराया और कहा कि आत्मनिर्भर भारत अभियान में नारी शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है। पश्चिम बंगाल के सबसे बड़े त्योहार दुर्गा पूजा के अवसर पर राज्य के लोगों से वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से संवाद स्थापित करते हुए प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन के दौरान राज्य की महान विभूतियों को भी याद किया और कहा कि चेतना हो या आध्यात्म, विज्ञान हो या कला और संस्कृति हर क्षेत्र में बंगाल ने देश को प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाया है। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण राज्य की सभी 294 विधानसभा सीटों में किया गया। इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद थीं।

प्रधानमंत्री का स्वागत भी महिलाओं ने शंख बजाकर बंगाली परंपरा के अनुसार किया । मोदी ने मां दुर्गा को दारिद्र्य दुःख भय हारिणि और दुर्गतिनाशिनी'' बताया और कहा कि देश में आज महिलाओं के सशक्तिकरण का भी अभियान तेज गति से जारी है। उन्होंने कहा, चाहे जनधन योजना के तहत 22 करोड़ महिलाओं के बैंक खाते खोलना हो या फिर मुद्रा योजना के तहत करोड़ों महिलाओं को आसान ऋण देना, चाहे बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' अभियान हो या फिर तीन तलाक के खिलाफ कानून।'' उन्होंने कहा कि बलात्कार की सजा से जुड़े कानूनों को बहुत सख्त किया गया है और दुराचार करने वालों को मृत्युदंड तक का प्रावधान हुआ है। उन्होंने कहा, चाहे गहरी खदानों में भी काम करने की स्वीकृति हो या फिर सेना में परमानेंट कमीशन, देश की नारी शक्ति को सशक्त करने के लिए निरंतर काम किया जा रहा है।'' प्रधानमंत्री ने महिला सशक्तिकरण को लेकर ये बातें ऐसे समय में कही हैं जब उत्तर प्रदेश के हाथरस में एक दलित युवती के कथित बलात्कार की घटना सहित कुछ अन्य घटनाओं को लेकर महिलाओं की सुरक्षा पर सवाल उठ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने कहा, महिलाओं

की सुरक्षा को लेकर सरकार सजग है।'' उन्होंने कहा कि दुर्गा पूजा, भारत की एकता का ही नहीं बल्कि भारत की पूर्णता का भी पर्व है। बंगाल की दुर्गा पूजा भारत की इस पूर्णता को एक नई चमक देती है, नएनए श्रृंगार देती है। उन्होंने कहा, यह बंगाल की जागरूक चेतना, बंगाल की आध्यात्मिकता का और बंगाल की ऐतिहासिकता का ही प्रभाव है कि बंगाल की पुण्य भूमि से निकले महान व्यक्तियों ने जब ,जैसी आवश्यकता पड़ी शस्त्र और शास्त्र, त्याग और तपस्या से मां भारती की सेवा की है। इस कड़ी में उन्होंने रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद, चैतन्य महाप्रभु, रवींद्रनाथ टैगोर, बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय, काजी नज़रुल इस्लाम, सुभाष चंद्र बोस, राजाराम मोहन राय, ईश्वर चंद्र विद्यासागर और श्यामा प्रसाद मुखर्जी जैसी विभूतियों के योगदान को याद किया। उन्होंने कहा, आज के भारत को गढ़ने में बंगाल का इतना बड़ा योगदान है, इतने नाम हैं कि सुबह से शाम हो जाएगी लेकिन नाम नहीं खत्म होंगे।'' उन्होंने कहा कि बंगाल के लोगों में ऐसी आत्मशक्ति है जिसके कारण वह हर क्षेत्र में आगे बढ़कर उपलब्धि हासिल करते हैं।

बंगाल ने देश को प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ाया है, आज भी बढ़ा रहे हैं और मेरा विश्वास है भविष्य में भी बंगाल के लोग देश का गौरव इसी तरह बढ़ाते रहेंगे।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत ने आत्मनिर्भरता का जो नया संकल्प लिया है, उस अभियान में भी नारी शक्ति की बहुत बड़ी भूमिका है। उन्होंने कहा, महिषासुर का वध करने के लिए माता का एक अंश ही पर्याप्त था, लेकिन इस कार्य के लिए सभी दैवीय शक्तियां संगठित हो गई थीं। वैसे ही नारी शक्ति हमेशा से सभी चुनौतियों को परास्त करने की ताकत रखती है। ऐसे में ये सभी का दायित्व है कि संगठित रूप से सभी उनके साथ खड़े हों।'' मोदी ने कहा कि इस बार कोरोना के संकट के बीच दुर्गा पूजा का उत्सव मनाया जा रहा है। भक्त, पंडालों के आयोजकों सहित सभी ने इस बार अद्भुत संयम'' दिखाया है।

उन्होंने कहा, संख्या पर भले असर पड़ा हो, लेकिन भव्यता वही है, दिव्यता वही है। आयोजन भले ही सीमित है, लेकिन उत्सव का रंग, उल्लासआनंद असीमित है। यही तो बंगाल की पहचान है, यही तो बंगाल की चेतना है। यही तो असली बंगाल है।'' पश्चिम बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं।

इलेक्ट्रॉनिक, पर्यटक और मेडिकल श्रेणियों को छोड़ कर सभी वीजा बहाल

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर । केंद्र सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक, पर्यटक और मेडिकल श्रेणियों को छोड़ कर सभी मौजूदा वीजा को तत्काल प्रभाव से बहाल करने का बृहस्पतिवार को फैसला किया। कोरोना वायरस महामारी फैलने और इसके बाद राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू होने के आठ महीने बाद चुनिंदा श्रेणियों को छोड़ सभी प्रकार के वीजा को बहाल करने का फैसला किया गया है।

उल्लेखनीय है कि महामारी की रोकथाम के लिये देश भर में लागू किये गये लॉकडाउन के चलते सरकार ने सभी प्रकार के वीजा को निलंबित कर दिया था। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने इसकी घोषणा करते हुए कहा कि इलेक्ट्रॉनिक वीजा, पर्यटक वीजा और चिकित्सा वीजा को छोड़ शेष सभी प्रकार के वीजा को तत्काल प्रभाव से बहाल किया जा रहा है। नागरिक अब किसी भी उद्देश्य से भारत की यात्रा कर सकते हैं। यह कदम विदेशी नागरिकों को कारोबार, सम्मेलन, रोजगार, अध्ययन और शोध के लिये भारत आने में सक्षम बनाएगा। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि कोविड19 महामारी के कारण उत्पन्न स्थिति के मद्देनजर मंत्रालय ने कहा कि निषिद्ध श्रेणियों को छोड़ भारत के विदेशी नागरिक (ओसीआई) और भारतीय मूल के व्यक्ति (पीआईओ) कार्ड रखने वाले सभी लोगों समेत सभी विदेशी विदेशी नागरिकों और भारतीय नागरिकों की अधिक श्रेणियों के लिये वीजा तथा यात्रा प्रतिबंधों में क्रमिक छूट देने का निर्णय लिया है। इस क्रमिक छूट के तहत सरकार ने इलेक्ट्रॉनिक वीजा, पर्यटक वीजा और चिकित्सा वीजा को छोड़कर सभी मौजूदा वीजा को तत्काल प्रभाव से बहाल करने का फैसला किया है। यदि इस तरह के वीजा की वैधता समाप्त हो गयी है, तो उपयुक्त श्रेणियों के नये वीजा भारतीय मिशन से प्राप्त किये जा सकते हैं। उपचार के लिये भारत आने के इच्छुक विदेशी नागरिक अपने चिकित्सा परिचारकों सहित चिकित्सा वीजा के लिये नए सिरे से आवेदन कर सकते हैं।

सरकार ने फरवरी 2020 से अंतरराष्ट्रीय यात्रियों की आवाजाही को रोकने के लिये कई कदम उठाये थे। सरकार ने अब भारत में प्रवेश करने या यहां से बाहर जाने के इच्छुक

भारत के गलत मानचित्र को लेकर सरकार की ट्विटर को कड़ी चेतावनी

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर । भारत सरकार ने देश का गलत मानचित्र पेश करने और लेह की भौगोलिक स्थिति चीन में दिखाने को लेकर ट्विटर को सख्त चेतावनी दी है। सरकार ने कहा है कि देश की संप्रभुता और अखंडता का अनादर कतई स्वीकार्य नहीं है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के सचिव अजय साहनी ने इस बारे में ट्विटर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) जैक डोर्सी को कड़े शब्दों में एक पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने देश की संवेदनाओं का सम्मान करने को कहा है। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में लेह स्थित युद्ध स्मारक हॉल ऑफ फेम से सीधा प्रसारण में लोकेशन के साथ ट्वीट में (जियोटैड्क्षगग विशेषता) में इसे जम्मू कश्मीर, पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना का हिस्सा बता दिया गया था। इसके बाद ट्विटर को सोशल मीडिया का उपयोग करने वालों से तीखी प्रतिक्रिया और आलोचना का सामना करना पड़ा। सोशल मीडिया का उपयोग करने वाले नागरिकों ने ट्विटर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई किये जाने की मांग की। इस सप्ताह की शुरूआत में ट्विटर ने इसे तकनीकी मसला बताया और कहा कि इसका समाधान कर दिया गया है। सूत्रों के अनुसार साहनी ने बुधवार शाम ट्विटर को भेजे पत्र में कहा कि भारत की संप्रभुता और अखंडता का अनादर करने का इस तरह का कोई भी प्रयास न सिर्फ ट्विटर की प्रतिष्ठा को कम करता है, बल्कि यह एक मंच होने के नाते ट्विटर की निष्पक्षता को भी संदिग्ध बनाता है। सचिव ने अपने पत्र में ट्विटर को याद दिलाया है कि लेह केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख का मुख्यालय है। लद्दाख और जम्मू कश्मीर दोनों भारत के अभिन्न व अविभाज्य अंग हैं तथा भारत के संविधान से प्रशासित हैं। सरकार ने ट्विटर को भारतीय नागरिकों की संवेदनशीलता का सम्मान करने को कहा है। सरकार ने यह भी साफ कहा है कि भारत की संप्रभुता व अखंडता का अनादर करने का ट्विटर का कोई भी प्रयास पूरी तरह से गैरकानूनी और अस्वीकार्य है।

दिल्ली की वायु हुई जहरीली, बेहद खराब

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर । दिल्ली में बृहस्पतिवार की शाम प्रदूषण का स्तर बेहद खराब'' श्रेणी में पहुंच गया और आगामी दो दिनों में इसके और खराब होने की संभावना है। यह जानकारी सरकारी एजेंसियों ने दी । दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 302 रिकॉर्ड किया गया जो बेहद खराब' श्रेणी में है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अनुमान जताया है कि पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) 10 और पीएम 2.5 में बढ़ोतरी के साथ वायु गुणवत्ता और खराब होगी।

उल्लेखनीय है कि 0 और 50 के बीच एक्यूआई को अछा, 51 और 100 के बीच संतोषजनक, 101 और 200 के बीच मध्यम, 201 और 300 के बीच खराब , 301 और 400 के बीच बेहद खराब' और 401 और 500 गंभीर'माना जाता है। आईएमडी के अतिरिक्त महानिदेशक आनंद शर्मा ने पीटीआईभाषा' से कहा, वायु गुणवत्ता आगामी दो दिनों में यानी 24 अक्टूबर तक और खराब होगी। पराली जलाने के अलावा अन्य कारक भी हैं, जिससे वायु गुणवत्ता खराब हो रही है। इनमें वाहन प्रदूषण और अपशिष्टों को जलाना भी शामिल है।'' उन्होंने कहा, 24 अक्टूबर तक पीएम 2.5 में बढ़ोतरी होगी और पीएम 10 जो अभी खराब' श्रेणी में है वह काफी खराब' श्रेणी में चली जाएगी।'' पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में वायु गुणवत्ता पर नजर रखने वाली एजेंसी सफर' ने कहा कि हरियाणा, पंजाब और पड़ोसी क्षेत्रों में पराली जलाने की घटनाओं में बढ़ोतरी दर्ज की गई है। बुधवार को यह संख्या 1428 थी। हालांकि, केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और अन्य एजेंसियों ने बृहस्पतिवार को वायु गुणवत्ता में सुधार का अनुमान जताया था, लेकिन यह बुधवार से भी खराब रही। सीपीसीबी के मुताबिक दिल्ली का एक्यूआई बृहस्पतिवार की सुबह 254 के साथ खराब' श्रेणी में था लेकिन शाम तक यह 302 के साथ बेहद खराब' श्रेणी में पहुंच गया। बुधवार को यह 256 था। दिल्ली का 24 घंटे का औसत एक्यूआई मंगलवार को 223 और सोमवार को 244 रहा था। ये आंकड़े महानगर के 34 निगरानी केंद्रों से जुटाए गए डाटा पर आधारित हैं।

यूपी में दाढ़ी रखने पर दरोगा निलंबित, अनुमति नहीं लेने पर की गई कार्रवाई- SP ने 3 बार दी थी हिदायत

(विशेष संवाददाता)

बागपत । उत्तर प्रदेश के बागपत जनपद के रामाला थाने में तैनात सब इंस्पेक्टर इंतसार अली को बिना अनुमति लंबी दाढ़ी रखने के आरोप में पुलिस अधीक्षक ने निलंबित करते हुए पुलिस लाइन भेज दिया। बताया जा रहा है कि पुलिस अधीक्षक ने दरोगा इंतसार अली को तीन बार दाढ़ी कटवाने की चेतावनी दी थी। साथ ही उन्हें दाढ़ी रखने के लिए विभाग से अनुमति लेने को भी कहा था, लेकिन पिछले कई महीनों से दरोगा इंतसार अली आदेशों की अनदेखी करते हुए दाढ़ी रख रहे थे। सहारनपुर निवासी इंतसार अली यूपी पुलिस में एसआई के पद पर भर्ती हुए थे और पिछले तीन साल से वह

बागपत जिले में कार्यरत हैं। लॉकडाउन से पहले उन्हें रमाला थाने में तैनाती दी गई थी। वह पुलिस विभाग के नियमों के विपरीत लंबी दाढ़ी रखने को लेकर चर्चा में आए थे।एसपी अभिषेक सिंह ने मीडिया को बताया कि पुलिस मैनुअल के अनुसार पुलिस बल में तैनात रहते हुए सिख समुदाय के पुलिसकर्मियों को छोड़कर कोई भी अन्य अधिकारी या कर्मचारी दाढ़ी नहीं रख सकता और अगर कोई रखना चाहता है तो उसे प्रशासन से अनुमति लेनी होगी। दारोगा इंतसार अली बिना अनुमति के ही दाढ़ी रख रहे थे, काफी समझाने और नोटिस देने के बावजूद भी उन्होंने दाढ़ी नहीं कटवाकर अनुसाशनहीनता दिखाई है जिस पर दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

बेटियों की सुरक्षा के लिए बेटों की काउंसलिंग जरूरी

(विशेष संवाददाता)

मथुरा, 22 अक्टूबर । आगरा जोन के अपर पुलिस महानिदेशक अजय आनंद ने कहा कि बेटियों की सुरक्षा के लिए बेटों की काउंसड्क्षलग बेहद जरूरी है। इसलिए उन्हें बचपन से ही स्त्रियों का सम्मान करने की शिक्षा दी जानी चाहिए। वृन्दावन थाना कोतवाली में मिशन शक्ति अभियान की शुरुआत करने बुधवार पहुंचे आनंद ने इस अवसर पर थाने में महिला हेल्प डेस्क का लोकार्पण भी किया। उन्होंने कहा, हमें इस अभियान की शुरुआत अपने घर से ही करनी होगी। घर की महिलाओं और बेटियों को जब भी जरूरत पड़े वे अभियान के तहत दिए गए नंबरों पर कॉल करें। वहां महिला कांस्टेबल ही उनसे बात करेंगी और जरूरत पडऩे पर उनकी हरसंभव मदद करेंगी। कॉल करने वाली महिला अथवा युवती के नाम पूरी तरीके से गुप्त रखे जाएंगे। इस मौके पर आगरा रेंज के पुलिस महानिरीक्षक ए. सतीश गणेश ने कहा, मिशन शक्ति अभियान की सफलता के लिए समाज का सहयोग बेहद जरूरी है। समाज में चेतना के साथ सोच बदलने से ही प्रभावशाली परिणाम मिल सकते हैं। जिलाधिकारी सर्वग्य राम मिश्र ने कहा, लड़कियों और महिलाओं को छेडऩे वाले शोहदे समाज के लिए अभिशाप है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डा. गौरव ग्रोवर ने बताया कि यह अभियान 17 अक्टूबर से शुरू हुआ है और नवरात्र के अंत तक तक चलेगा।

समुद्री अभियानों को अंजाम देने के लिए नौसेना की तीन महिला पायलटों का पहला बैच तैयार

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । वायु सेना के बाद अब नौसेना भी महिला पायलटों के हाथ में विमानों की कमान सौंपने जा रही है। दक्षिणी नौसेना कमान में टोही विमान डॉर्नियर को उडाने के लिए महिला पायलटों के पहले बैच का प्रशिक्षण पूरा हो गया है। इस बैच की तीन पायलट उन छह महिला पायलटों में शामिल हैं जिन्होंनें 27वें डॉर्नियर आपरेशनल फ्लाइंग ट्रेनिंग कोर्स को पूरा किया है। आज कोच्चि स्थित नौसैनिक अड्डे आईएनएस गरूड में हुई पासिंग आउट परेड में इन्हें समुद्री टोही विमान के पायलट का दर्जा दिया गया। समुद्री मिशन के लिए भारतीय नौसेना की महिला पायलटों का पहला बैच तैयार,

देखें वीडियो पहले बैच की तीन महिला पायलटों में दिल्ली की लेफ्टिनेंट दिव्या शर्मा, उत्तर प्रदेश की लेफ्टिनेंट शुभांगी स्वरूप और बिहार की लेफ्टिनेंट शिवांगी शामिल हैं। इन अधिकारियों को शुरू में वायु सेना तथा बाद में नौसेना उडान प्रशिक्षण दिया गया। इन्हें एक महीने की ग्राउंड ट्रेनिंग और आठ महीने की फ्लाइंग ट्रेनिंग दी गई थी। तीनों पायलटों में लेफ्टिनेंट दिव्या शर्मा नई दिल्ली के मालवीय नगर से हैं। लेफ्टिनेंट शुभांगी स्वरूप उत्तर प्रदेश के तिलहर से हैं और लेफ्टिनेंट शिवांगी बिहार के मुजफ्फरपुर की रहने वाली हैं। इन्होंने आंशिक रूप से वायुसेना के साथ और डीओएफटी कोर्स से पहले आंशिक रूप से नौसेना के साथ उड़ान प्रशिक्षण लिया था।

दिल्ली दंगे बंटवारे के बाद राजधानी में सबसे भयानक सांप्रदायिक दंगे

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । दिल्ली की एक अदालत ने गुरुवार को कहा कि इस साल फरवरी में नॉर्थ ईस्ट दिल्ली में हुए दंगे राष्ट्रीय राजधानी में विभाजन के बाद सबसे भयानक सांप्रदायिक दंगे थे। कोर्ट ने कहा कि यह प्रमुख वैश्विक शक्ति बनने की हसरत रखने वाले राष्ट्र की अंतरात्मा में एक घाव है। कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन के 3 मामलों में जमानत याचिकाओं को खारिज करते हुए यह टिप्पणियां की। हुसैन पर सांप्रदायिक हिंसा के भड़काने के लिए कथित तौर पर अपने राजनीतिक दबदबे का दुरुपयोग करने का आरोप है। अदालत ने कहा, यह सामान्य जानकारी है कि 24 फरवरी, 2020 के दिन उत्तर पूर्वी दिल्ली के कई हिस्सें सांप्रदायिक उन्माद की चपेट में आ गए, जिसने विभाजन के दिनों में हुए

नरसंहार की याद दिला दी। दंगे जल्द ही जंगल की आग की तरह राजधानी के नए भागों में फैल गए और अधिक से अधिक बेगुनाह लोग इसकी चपेट में आ गए। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव ने कहा, दिल्ली दंगे 2020 एक प्रमुख वैश्विक शक्ति बनने की आकांक्षा रखने वाले राष्ट्र की अंतरात्मा पर एक घाव है और दिल्ली में हुए ये दंगे विभाजन के बाद सबसे भयानक सांप्रदायिक दंगे थे।

अदालत ने कहा कि इतने कम समय में इतने बड़े पैमाने पर दंगे फैलाना पूर्व नियोजित साजिश के बिना संभव नहीं है। पहला मामला दयालपुर इलाके में हुए दंगों के दौरान हुसैन के घर की छत पर पेट्रोल बम के साथ 100 लोगों की कथित मौजूदगी और उन्हें दूसरे समुदाय से जुड़े लोगों पर बम फेंकने से जुड़ा है। दूसरा मामला क्षेत्र में एक दुकान में लूटपाट से जुड़ा है जिसकी वजह से दुकान के मालिक को करीब 20 लाख रुपये का नुकसान हुआ जबकि तीसरा मामला एक दुकान में लूटपाट और जलाने से संबंधित है जिसमें दुकान के मालिक को 17 से 18 लाख रुपये का नुकसान हुआ। न्यायाधीश ने कहा कि यह मानने के लिए रिकॉर्ड में पर्याप्त सामग्री है कि हुसैन अपराध के स्थान पर मौजूद थे और एक विशेष समुदाय के दंगाइयों को उकसा रहे थे। न्यायाधीश ने कहा कि हुसैन के खिलाफ गंभीर प्रकृति के आरोप है। अदालत ने कहा कि तीनों मामलों में सरकारी गवाह उसी क्षेत्र के निवासी हैं और यदि उसे जमानत पर रिहा किया गया तो हुसैन की तरफ से इन गवाहों को धमकी देने या डराने की आशंका को खारिज नहीं किया जा सकता है।

24 घंटों में 55 हजार से अधिक नये मामले

देश ने पार किया 10 करोड़ कोरोना जांच का आंकड़ा, 68 लाख से ज्यादा रिकवर

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली । देश में कोरोना वायरस के नए मामलों में पिछले कुछ दिनों से कमी आ रही है। जहां पहले 90 हजार से ज्यादा मामले रोज सामने आ रहे थे, वहीं अब यह मामले घटकर 60 हजार से नीचे हो गए हैं। इस बीच, देश में कोरोना की टेस्टिंग में भी तेजी आई है। देश में गुरुवार को दस करोड़ कोरोना जांच का आंकड़ा पूरा कर लिया है। वहीं, रिकवरी रेट भी तेजी से बढ़ रहा है। अब तक 68 लाख से ज्यादा मरीज संक्रमण को मात देकर ठीक हो चुके हैं। कोरोना के बढ़ते मामलों के बीच भारत में अब तक दस करोड़ से ज्यादा जांच हो चुकी है। पिछली एक करोड़ कोरोना की जांच के लिए महज नौ दिन का समय लगा है। वहीं, 89 करोड़ कोरोना जांच में आठ दिन का समय लगा था। आंकड़ों के अनुसार, देश में 6 जुलाई को एक करोड़ कोरोना की जांच हो चुकी थीं।

इसके बाद, 2 अगस्त को दो करोड़ कोरोना टेस्टिंग का आंकड़ा पूरा हो गया। वहीं, 16 अगस्त को तीन करोड़ लोगों की कोरोना जांच हो चुकी थी, जबकि 28 अगस्त को चार करोड़ कोरोना जांच पूरी हुईं। 7 सितंबर को पांच करोड़ कोरोना जांच हुईं। वहीं, पांच अक्टूबर को आठ करोड़ जांचें पूरी हो गई थीं। भारत में कोविड19 के रोजाना नए मामलों की संख्या लगातार चौथे दिन 60,000 से नीचे रही। पिछले 24 घंटों में 55,839 नये मामले सामने आने से देश में संक्रमण के कुल मामले 77 लाख से अधिक हो गए, जबकि ठीक होने वाले लोगों की संख्या 68 लाख के पार हो गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी किए गए आंकड़ों के अनुसार, कोविड19 के 55,839 नए मामले सामने आने के साथ देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 77,06,946 तक पहुंच गयी, जबकि 702 और मौतें होने से देश में इस महामारी में मरने वालों की संख्या 1,16,616 तक पहुंच गई। देश में कुल 68,74,518 लोग अब तक इस बीमारी से ठीक हो चुके हैं, जिससे मरीजों के ठीक होने की राष्ट्रीय दर बढ़कर 89.20 प्रतिशत हो गई है, जबकि इस मामले में मृत्यु दर 1.51 प्रतिशत है। कोरोना वायरस संक्रमण के उपचाराधीन मरीजों की संख्या लगातार छठे दिन आठ लाख से नीचे रही। देश में कोविड19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 7,15,812 है, जो कुल मामलों का 9.29 प्रतिशत है।

एक नजर

स्त्री अकाली दल दिल्ली इकाई की अहम बैठक

नई दिल्ली, 22 अक्टूबरः शिरोमणि अकाली दल दिल्ली इकाई स्त्री विंग की अध्यक्ष बीबी रणजीत कौर द्वारा स्त्री अकाली दल के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से एक अहम बैठक पार्टी के गुरुद्वारा रकाब गंज स्थित कार्यालय में बुलाई गई थी जिसमें दिल्ली के अलगअलग क्षेत्रों से महिलाओं ने भाग लिया। पार्टी की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष हरमीत सिंह कालका एवं दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने विशेष तौर पर पहुंचकर महिलाओं का मार्ग दर्शन किया। बीबी रणजीत कौर ने बताया कि उनके द्वारा चुनावों को देखते हुए स्त्री अकाली दल के संगठनात्मक ढांचे में विस्तार करते हुए अहम जिम्मेवारियां महिलाओं को सौंपी जा रही हैं साथ ही हर सीट पर प्रभारी की नियुक्ति की जा रही है ताकि ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को कार्यभार सौंपा जा सके। उन्होंने बताया कि चुनावों के लिए वोट बनाने की प्रक्रिया सरकार द्वारा शुरु कर दी गई है उसके लिए भी सभी सदस्यों को निर्देश दिए गए हैं कि जो लोग 18 वर्ष के हो चुके हैं उनकी वोट अवश्य बनवाई जाए और विपक्षी पार्टियों के लोग जाली वोट न बनवा सकें ।

कोसी-सीमांचल क्षेत्र में युवा हल्ला बोल का बोल बिहारी मुहिम

नई दिल्ली । आज बिहार चुनाव का सबसे ज़रूरी नारा होना चाहिए, पढ़ाई, कमाई और दवाई, हर बिहारी के हक़ की लड़ाई! ऐसा कहना है युवा हल्ला बोल के राष्ट्रीय संयोजक अनुपम का जो बोल बिहारी मुहिम के तहत आज कोसीसीमांचल क्षेत्र में हैं। युवा हल्ला बोल केंद्रीय टीम की यात्रा में पढ़ाई, कमाई और दवाई सबसे अहम मुद्दे बनकर उभरे हैं। उम्मीद है कि शिक्षा, रोज़गार और स्वास्थ्य की बेहतर व्यवस्था का सपना लेकर वोट देगी बिहार की जनता। बोल बिहारी यात्रा नवगछिया, पूर्णिया से होते हुए फ़ारबिसगंज पहुँची जहाँ प्रख्यात साहित्यकार फणीश्वरनाथ रेणु के गृह क्षेत्र में जनसंवाद किया। स्थानीय नागरिकों ने कहा कि पूरे इलाके में दमकल की एक गाड़ी तक नहीं है, साक्षरता का स्तर बहुत नीचे है, अनुमंडल अस्पताल जाने वाला रास्ता जो सीताधार नहर से होते हुए गुज़रता है वह भी हर साल बाढ़ से कट जाता है।

जिगोलो बनाने का झांसा देकर 80 बेरोजगार युवकों को ठगा

नई दिल्ली । बेरोजगार युवकों से ठगी का एक नया तरीका सामने आया है। पश्चिमी दिल्ली जिला पुलिस की साइबर सेल ने उत्तम नगर से एक ऐसे बदमाश को गिरफ्तार किया है, जो युवाओं को जिगोलो बनाने का झांसा देकर उनसे ठगी करता था। आरोपी ने इसके लिए बकायदा वेबसाइट बनाई हुई थी। अब तक 80 से ज्यादा युवाओं से ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के पांच बैंक खातों में मौजूद 23 लाख रुपए की राशि सीज करवाई है। पुलिस उपायुक्त दीपक पुरोहित ने बताया कि राकेश नाम के युवक ने जनकपुरी थाना पुलिस को शिकायत दी थी। अपनी शिकायत में उसने बताया कि वह नौकरी की तलाश कर रहा था। इसी दौरान उसने एक वेबसाइट देखी, जिस पर जिगोलो क्लब में शामिल कर नौकरी देने की बात कही गई थी। वेबसाइट पर दिए गए नंबरों पर बात करने पर जिगोलो क्लब में एंट्री फीस के नाम पर 11 हजार रुपए मांगे गए। पीड़ित ने रुपये बताए गए बैंक खाते में भेज दिए। इसके बाद आरोपियों ने उसे जनकपुरी बुलाया। वहां पहुंचने पर पीड़ित ने आरोपियों से संपर्क की कोशिश की तो उन्होंने उसका नंबर ब्लॉक कर दिया था। ठगी का अहसास होने पर पीड़ित ने जनकपुरी थाना पुलिस को शिकायत दी।

दिल्ली सरकार ने अपने कर्मचारियों को दिया तोहफो का पैकेज

छुट्टी यात्रा भत्ता के बदले नगद भुगतान और विशेष अग्रिम त्योहार पैकेज देने का किया ऐलान

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। दिल्ली उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के अधीन वित्त विभाग ने दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को मेगा त्योहार पैकेज देने का निर्णय किया है। दिल्ली सरकार ने कोविड महामारी के कारण कर्मचारियों को हो रही कठिनाइयों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। पहला, खपत खर्च को बढ़ावा देने और कर्मचारियों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से दिल्ली सरकार ने ब्लॉक 201821 के दौरान दिल्ली सरकार के कर्मचारियों को छुट्टीयात्रा किराए भत्ते (एलटीसी) के बदले विशेष नकद पैकेज की देने की घोषणा की है। साथ ही, दिल्ली सरकार ने अपने कर्मचारियों को त्योहार को देखते हुए विशेष अग्रिम पैकेज देने का फैसला किया है। दिल्ली सरकार अपने कर्मचारियों के प्रति हमेशा से बहुत गंभीर और सहानुभूति रखती रही है। कोविड 19 महामारी के समय में दिल्ली सरकार के कर्मचारियों ने असाधारण कार्य का प्रदर्शन किया है और सबसे आगे खड़े होकर काम करने का बड़ा साहस दिखाया है। अपने कर्मचारियों की सेवा और उनके अथक प्रयासों को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार ने इन प्रोत्साहनों को देने का फैसला किया है। दिल्ली सरकार को उम्मीद है कि इन कदमों से कर्मचारियों को काफी मदद मिलेगी और वे अपने परिवार के साथ

आने वाले त्योहार को खुशी से मना सकेंगे। कोविड19 महामारी और देशव्यापी लॉकडाउन के मद्देनजर परिवहन और हास्पिटलिटी सेक्टर में पैदा हुए व्यवधान को देखते हुए दिल्ली सरकार ने महसूस किया है कि ब्लॉक 2018-21 के दौरान बड़ी संख्या में कर्मचारी भारत के किसी स्थान पर जाने या अपने घर जाने के लिए छुट्टी यात्रा भत्ते का लाभ उठाने की स्थिति में नहीं हैं। कर्मचारियों की क्षतिपूर्ति और खपत खर्च को प्रोत्साहित करने को लेकर दिल्ली सरकार ने फैसला किया है कि एलटीसी के बराबर नकद राशि दी जाएगी। कर्मचारियों को ब्लॉक 2018-21 के दौरान बकाया एलटीसी के लिए इसे अपनाने पर यह लाभ दिया जाएगा।

दिल्ली सरकार ने फैसला किया है कि जो कर्मचारी बिजनेस क्लास से हवाई यात्रा किराए के हकदार हैं, उन्हें 36,000 रुपए दिए जाएंगे। इसके अलावा, इकोनॉमी क्लास से हवाई यात्रा किराए के हकदार कर्मचारी को 20 हजार रुपए मिलेंगे, जबकि रेल यात्रा किराए के हकदार कर्मचारी को एलटीसी के तहत 6 हजार रुपए नगद दिए जाएंगे। दूसरी तरफ, दिल्ली सरकार की ओर से त्योहारों से संबंधित खर्च और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए खरीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने विशेष अग्रिम पैकेज का ऐलान किया है।

इस घोषणा के तहत दिल्ली सरकार का कोई भी कर्मचारी 31 मार्च 2021 तक किसी भी त्योहार से पहले अग्रिम 10 हजार रुपए ले सकता है और यह राशि ब्याज मुक्त होगी। इस राशि का भुगतान सरकार की ओर से अग्रिम राशि के तौर पर किया जाएगा। इससे पहले यह प्रावधान सिर्फ अराजपत्रित कर्मचारियों के लिए था, लेकिन अब यह अराजपत्रित के साथ राजपत्रित कर्मचारियों पर भी लागू होगा। कर्मचारियों को अग्रिम राशि के लिए प्रीलोडेड रुपे कार्ड दिया जाएगा। रुपे कार्ड के माध्यम से डिजिटल भुगतान प्रणाली को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, राजस्व और ईमानदारी से व्यवसाय करने को प्रोत्साहन मिलेगा। महामारी के पहले दिन से दिल्ली सरकार के कर्मचारी फ्रंटलाइन पर खड़े होकर दिल्ली के लोगों के लिए कार्य कर रहे हैं। दिल्ली सरकार ने हमेशा कर्मचारियों की सेवा और उनके अथक प्रयासों को प्राथमिकता दी है।

भाजपा दिल्ली के स्थानीय कामगारों को प्रोत्साहन देने के लिए दृढ़ संकल्पित

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । दिवाली का त्योहार आने वाला है इसलिए दिल्ली के कुम्हारों ने दिए बनाना शुरू कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत अभियान के संकल्प के तहत वॉकल फॉर लोकल को प्रोत्साहित देने के लिए प्रदेश कार्यालय में प्रजापति समाज द्वारा आयोजित कार्यक्रम में दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने दिल्ली के कुम्हारों को मिट्टी के दिए एवं मिट्टी के बर्तन बनाने की मशीन विद्युतचाक वितरित किया।

इस अवसर पर प्रदेश मीडिया प्रमुख नवीन कुमार, प्रदेश सोशल मीडिया एवं आईटी सेल प्रमुख पुनीत अग्रवाल, प्रजापति राजनीति मंच अध्यक्ष प्रणब टेकचंद, हरिकिशन, कार्यक्रम संयोजक राकेश प्रजापति, कृष्ण सरवारा, रेखा गोला, विनीता गोला, सुनीता गोला सहित प्रजापति समाज के अन्य गणमान्य लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में दर्शन कुमार प्रजापति, रामनिवास, महेश कुमार, प्रबोध पंडित, घनश्याम, विनोद कुमार, बंगाली प्रजापति, पिंकी, रमेश चंद्र सहित अन्य को विद्युत चॉक वितरित की गई। लाभार्थियों ने प्रधानमंत्री मोदी और दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता का आभार प्रकट किया।

इस अवसर पर दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश को 'आत्मनिर्भर भारत' का मंत्र उस समय दिया जब पूरा विश्व महामारी कोरोना से जूझ रहा था। भारत को विकास पथ पर अग्रसर करने और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने के लिए देशवासियों से 'वोकल फॉर लोकल' बनने की अपील की जो सिर्फ एक नारा ही नहीं बल्कि कई लोगों के लिए प्रेरणा बना। जिसके तहत देने आत्मनिर्भर अभियान पैकेज के माध्यम से सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योगों को 3 लाख करोड़ का पैकेज देने का प्रावधान किया गया।

भारतीय जनता पार्टी ने यह संकल्प लिया है की सभी त्योहारों में हम ज्यादा से ज्यादा लोकल उत्पादों का उपयोग करेंगे, उसका प्रचार प्रसार करेंगे और लोगों को स्थानीय कामगारों को सशक्त बनाने के लिए लोकल उत्पादों के उपयोग के लिए जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि इस साल दिवाली में घर चाइनीस लाइटों से नहीं बल्कि कुम्हारों द्वारा बनाए गए मिट्टी के दीयों से जगमग होंगे। आदेश गुप्ता ने कहा कि ऐसे कई समाज है जो अपनी विधाओं के माध्यम से देशवासियों को लाभान्वित करते हैं।

टैंक रोधी मिसाइल नाग के सभी परीक्षण पूरे

नई दिल्ली। तीसरी पीढ़ी के टैंकरोधी निर्देशित प्रक्षेपास्त्र नाग का आज पोखरण परीक्षण रेंज पर प्रयोक्ता द्वारा अंतिम परीक्षण किया गया जो पूरी तरह सफल रहा। प्रक्षेपास्त्र वास्तविक मुखास्त्र से लैस था और परीक्षण के लिए निर्धारित दूरी पर एक टैंक को लक्ष्य के तौर पर रखा गया था। प्रक्षेपास्त्र को नाग प्रक्षेपण वाहन एनएएमआईसीए द्वारा दागा गया। प्रक्षेपास्त्र ने लक्ष्य पर सटीक निशाना लगाते हुए उसे सफलतापूवर्क भेद दिया। नाग को रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा अत्यधिक सुदृढ़ बनाया गया है और यह दिन तथा रात दोनों समय में दुश्मन टैंकों को निशाना बनाने में सक्षम है। प्रक्षेपास्त्र, समग्र और प्रतिक्रियाशील कवच से लैस सभी टैंकों को नष्ट करने के लिए एक ' पैसिव होमिंग गाइडेंस' उपकरण के साथसाथ 'दागो और भूल जाओ' तथा 'उच्च हमले' की क्षमताओं से लैस है। नाग प्रक्षेपास्त्र वाहक एनएएमआईसीए एक बीएमपीप्प् आधारित प्रणाली है जो पानी और जमीन दोनों पर चलने में सक्षम है। इस अंतिम प्रयोक्ता परीक्षण के बाद, अब नाग उत्पादन के चरण में प्रवेश करेगा।

दिल्ली दंगे के आरोपी उमर खालिद ने कहा, मुझे एकांतवास में रखा गया

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर । जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व छात्र नेता और फरवरी में उत्तर पूर्वी दिल्ली में हुए दंगे के सिलसिले में कठोर गैरकानूनी गतिविधि (निषेध) अधिनियम के तहत गिरफ्तार उमर खालिद ने बृहस्पतिवार को यहां अदालत को बताया कि उसे जेल में अपनी कोठरी से भी बाहर नहीं निकलने दिया जाता है और उसे एक तरह से एकांतवास में रखा गया है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अमिताभ रावत ने इसके बाद तिहाड़ जेल के अधीक्षक को निर्देश दिया कि वह शुक्रवार को मामले की सुनवाई के दौरान उपस्थित रहें।

न्यायिक हिरासत की अवधि पूरी होने के बाद जब वीडियो कांफ्रेंस के जरिये खालिद को अदालत के समक्ष पेश किया गया तो उसने सीधे अदालत के सामने अपनी बात रखी। अदालत ने तिहाड़ जेल के सहायक अधीक्षक को तब माइक नहीं खोलने पर फटकार लगाई जब खालिद ने उनसे कहा कि वह न्यायाधीश से बात करना चाहता है। खालिद ने कहा कि अधिकारी ने उसे बताया कि न्यायाधीश द्वारा अनुमति दिए जाने के

बाद माइक को चालू) किया जाएगा। न्यायाधीश ने जेल अधिकारी से कहा, अगर विचाराधीन कुछ कहना चाहता है तो उसके माइक को चालू कर दीजिए और उसे बोलने दीजिए या आप बताएं कि वह कुछ कहना चाहता है।'' न्यायाधीश की अनुमति मिलने पर खालिद ने कहा, मुझे कोठरी से निकलने की बिल्कुल अनुमति नहीं दी जाती है। मैं अपनी कोठरी में अकेला हूं। किसी को भी मुझसे मिलने की अनुमति नहीं दी जाती। व्यवहारिक तौर पर मुझे एकांत में जैसे कैद कर दिया गया है। मेरी तबीयत पिछले तीन दिन से ठीक नहीं है। मैं असहज महसूस कर रहा हूं। यह सजा की तरह है। मुझे क्यों यह सजा दी जा रही है? मैं दोहराता हूं कि मुझे सुरक्षा की जरूरत है ड्क्षकतु यह पूरे दिन मुझे कोठरी में रखकर नहीं हो सकती।'' उसने कहा कि बुधवार को उसे जेल संख्या दो के अतिरिक्त अधीक्षक प्रदीप शर्मा द्वारा जारी आदेश दिखाया गया जिसमें कहा गया है कि खालिद को अपनी कोठरी से बाहर रहने की अनुमति नहीं है। खालिद ने कहा, मैं इस आदेश को वापस लेने का अनुरोध करता हूं। जेल अधीक्षक सुबह आएं और जेल किर्मयों को कहा कि मुझे बाहर निकलने की अनुमति दी जाए। मैंने करीब 10 मिनट बाहर बिताया और उसके बाद वह वापस चले गए। तब से मुझे बाहर निकलने की अनुमति नहीं दी गई है।''

दिल्ली में 16 वर्षीय किशोरी से पड़ोसी ने किया रेप, 3 साल से दोनों के बीच थी दोस्ती

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (वेबवार्ता)। सराय काले खां थाना क्षेत्र में 16 साल की नाबालिग के साथ दुष्कर्म की वारदात सामने आई है। वारदात बुधवार शाम की है। पुलिस को मामले की सूचना गुरुवार को तब मिली जब पीड़िता की तबीयत बिगड़ने पर उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया।

आईसीयू में पीड़िता की स्थिति स्थिर बताई जा रही है। पुलिस ने नाबालिग की मेडिकल जांच कराने के बाद उसके बयान पर केस दर्ज कर आरोपी को हिरासत में ले लिया है। पुलिस फिलहाल इस बात की जांच कर रही है कि आरोपी भी नाबालिग है या नहीं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़िता परिवार के साथ सराय काले खां इलाके में रहती है। आरोपी पीड़िता के पड़ोस में ही रहता है। दोनों के बीच तीन साल से जान पहचान है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बुधवार को आरोपी ने उसे मिलने के लिए बुलाया था।

आरोपी पीड़िता को एक कमरे में बात करने के बहाने लेकर गया और उसके साथ दुष्कर्म की वारदात को अंजाम दिया। वारदात के बाद आरोपी ने किसी को बताने पर जान से मारने की धमकी दी और फरार हो गया। पीड़िता किसी तरह घर पहुंची। कई घंटों बाद पीड़िता की तबीयत बिगड़ी तो उसने परिजनों को वारदात की जानकारी दी। परिजनों ने तुरंत उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया और पुलिस को सूचना दी।

सिखों ने की पुरी से मुलाकात, नांदेड के लिए हवाई सेवा शुरू करने की माँग

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । दिल्ली के सिखों का एक दल आज यहां केंद्रीय नगर विमानन राज्य मंत्री सरदार हरदीप सिंह पुरी से मुलाकात करके बंद पड़ी नांदेड़ साहिब की हवाई सेवा को फिर से शुरू करने की माँग की है। इस संबंधी सिखों ने एक ज्ञापन भी केंद्रीय मंत्री को दिया। इस पत्र में हजूर साहिब तख्त के जत्थेदार बाबा कुलवंत सिंह और कारसेवा वाले बाबा बलविंदर सिंह की ओर से विशेष मांग की गई थी। इसकी अगुवाई जागो पार्टी के अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने की। इस मौके

पर केंद्रीय मंत्री पुरी ने जल्द इसे शुरू करने का भरोसा दिया। मुलाकात के बाद जीके ने बताया कि लॉकडाउन के समय से दिल्ली, चंडीगढ़ और अमृतसर से नांदेड़ जाने वाली सभी उड़ाने बंद हैं। इस वजह से संगतों को भारी असुविधा हो रही हैं। कोविड के समय कहीं ना कहीं हवाई यात्रा सुरक्षित समझी जाती हैं। इसलिए उत्तर भारत से तख्त हजूर साहिब जाने की इच्छुक संगत तंग हो रही है। जीके ने बताया कि सारी स्थिति को समझने के बाद पुरी ने तुरंत एअर इंडिया के उच्च अधिकारियों को सारी उड़ानें बहाल करने का आदेश दिया। इसलिए उम्मीद है कि संगतों को हो रहीं असुविधा जल्द खत्म होंगी।

भाजपा सांसद ने केजरीवाल को लिखा पत्र 12 कॉलेजों का अनुदान जारी करने की मांग

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा ने दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध 12 कॉलेजों का अनुदान अविलंब जारी करने की मांग को लेकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को पत्र लिखा है। भाजपा सांसद राकेश सिन्हा ने केजरीवाल को भेजे पत्र में अनुदान रोके जाने को उच्च शिक्षा पर हमला करार देते हुए लिखा है कि दिल्ली सरकार की तानाशाहीपूर्ण, अदूरदर्शी और घोर राजनीतिक स्वार्थपूर्ण नीतियों के कारण दिल्ली विश्वविद्यालय के 12 कॉलेज कई महीनों से अप्रत्याशित संकट से गुजर रहे हैं। इन कॉलेजों को दिल्ली सरकार से मिलने वाली अनुदान रकम को मई माह से अकारण रोक रखा है। इन कॉलेजों में स्थायी, अस्थायी, तदर्थ और संविदा के रूप में कार्यरत लगभग 1200 से अधिक शिक्षक और सैकड़ों कर्मचारियों को मई से वेतन नहीं मिल रहा है। उन्होंने कॉलेजों के वेतन के लिए स्टूडेंट्स सोसायटी फंड के उपयोग करने संबंधी निर्देश पर आपत्ति जताते हुए पत्र में लिखा है कि यह फंड छात्रों के योगदान से बना है। इसका उपयोग पुस्तकालय, प्रयोगशाला और छात्रों की गतिविधियों के लिए ही किया जा सकता है। सिन्हा ने लिखा है कि शिक्षा दलीय राजनीति का विषय नहीं होना चाहिए। सरकारें आतीजाती हैं लेकिन शिक्षण संस्थाएं अपनी स्वायत्ता एवं निरंतरता के साथ काम करती रहती हैं।

दिल्ली के सभी विधानसभाओं में चलेगा 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' महाअभियान

प्रमुख चौराहों पर लाल बत्ती होने पर गाड़ी बंद करने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। पर्यावरण मंत्री गोपाल राय और दिल्ली के सभी विधायकों ने आज तिलक मार्ग पर रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ अभियान में भाग लिया और लोगों से लाल बत्ती होने पर अपने वाहनों को बंद करने का आग्रह किया।

मंत्री गोपाल राय ने कहा कि 26 अक्टूबर से दिल्ली के सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' महा अभियान चलाया जाएगा। इस दौरान पूरे दिल्ली में प्रमुख चौराहों पर लाल बत्ती होने पर लोगों से अपनी गाड़ी बंद करने के लिए जागरूक किया जाएगा। इस अभियान में लोगों के हिस्सा लेने पर उन्होंने खुशी जताई और 26 अक्टूबर से पूरे दिल्ली में शुरू हो रहे महाअभियान में सभी लोगों को बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेने की अपील की।

दिल्ली के पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने आज तिलक मार्ग स्थित भगवान दास क्रॉसिंग पर 'रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान में हिस्सा लिया।

इस दौरान दिल्ली के सभी विधायक भी उपस्थित रहे और उन्होंने वाहन चालकों को लाल बत्ती होने पर अपनी गाड़ी को बंद करने की अपील की। इस दौरान पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार ने लोगों के साथ मिलकर कल से दिल्ली के अंदर प्रदूषण के खिलाफ 'रेड लाइट

ऑन, गाड़ी ऑफ' अभियान शुरू किया है। दिल्ली के अलगअलग चौराहों पर लोगों को 15 नवंबर तक जागरूक किया जाएगा। दिल्ली में अभियान के तहत रेड लाइट पर गाड़ी का इंजन बंद करते हैं, तो 15 से 20 फीसदी तक वाहन प्रदूषण को कम किया जा सकता है। इस अभियान को आगे बढ़ाने के लिए आज दिल्ली के विधायक भी लोगों को जागरूक करके इसमें हिस्सेदारी कर रहे हैं। बाराखंबा रेड लाइट पर कल दिल्ली के सभी पार्षद इस अभियान में शामिल होंगे।

पर्यावरण मंत्री ने कहा कि इस जन अभियान बनाने के लिए 26 अक्टूबर से दिल्ली की 70 विधानसभा क्षेत्रों में लोगों को जागरूक किया जाएगा। यह अभियान सुबह 9 बजे से 11 बजे तक चलेगा। सभी 70 विधानसभा क्षेत्रों में लोग वहां की रेड लाइट पर खड़ा होकर वाहन चालकों को जागरूक करेंगे और 26 अक्टूबर से इसे हम पूरी दिल्ली के अंदर एक महा अभियान के रूप में पेश करेंगे, ताकि दिल्ली के लोगों को जागरूक किया जा सके।

पर्यावरण मंत्री गोपाल राय ने कहा कि दिल्ली सरकार धूल प्रदूषण के खिलाफ अभियान चला रही है। पराली जलने से रोकने के लिए बायो डीकंपोजर के घोल के छिड़काव का अभियान चला रही है।

दिल्ली के अंदर खेतों में बायो डीकंपोजर घोल का छिड़काव हो रहा है। इसके अलावा, वाहन प्रदूषण को कम करने के लिए रेड लाइट ऑन, गाड़ी ऑफ का यह महा अभियान शुरू हुआ है। हमें अच्छा लग रहा है कि दिल्ली के निवासी इसमें जागरूकता के साथ हिस्सेदारी कर रहे हैं।

दिल्ली के लोगों से निवेदन है कि 26 अक्टूबर से 70 विधानसभा में शुरू होने वाले महा अभियान में भी सभी लोग बढ़चढ़कर हिस्सा लें। उन्होंने कहा कि प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली सरकार चौतरफा काम कर रही है। दिल्ली के अंदर का जो प्रदूषण है, उसे हम नियंत्रित करेंगे, लेकिन दिल्ली के बाहर जो पराली जलने की घटनाएं बढ़ रही हैं और उसकी वजह से जो प्रदूषण बढ़ रहा है, उसके लिए हम केंद्र सरकार और राज्यों से भी निवेदन कर रहे हैं कि जिसमें वे लोग सहयोग करें।

महिला हेल्पलाईन न.

डीएमआरसी–155370
सीआईएसएफ–22185555
दिल्ली पुलिस–1091
दिल्ली सरकार–181
कहीं भी–कभी भी–1090

समाचार एजेंसी
वेब वार्ता
पल-पल की खबर हर पल
समाचार एजेंसी का सदस्य बनने के लिए संपर्क करें
9650061234

एक नजर

पति के जुआ खेलने से परेशानी पत्नी ने जान दी

नई दिल्ली। बिंदापुर इलाके में पति की जुआ खेलने व शराब पीकर घर में झगड़ा करने की आदतों से परेशानी पत्नी ने शनिवार शाम आत्महत्या कर ली। बिंदापुर थाना पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। साथ ही मृतका गुंजन गुप्ता के पिता की शिकायत पर प्राथमिक जांच के बाद उसके पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने की धाराओं में केस दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि गुंजन पति योगेश कुमार और दो बच्चों के साथ गुलाब पार्क उत्तम नगर में रहती थी। गुंजन के पिता ने बिंदापुर थाना पुलिस को शिकायत में बताया कि दोनों की शादी 2009 में हुई थी। योगेश को शराब पीने और जुआ खेलने की लत है। इसके चलते शादी के बाद से ही झगड़े शुरू हो गए। योगेश अक्सर शराब पीने के बाद गुंजन और उसके बच्चों के साथ मारपीट करता था। 2014 में तो हालात इतने खराब हो गए कि गुंजन ने योगेश पर दहेज का केस किया और मायके आ गई। लेकिन योगेश घर आया और समझौता कर दोनों बच्चों और गुंजन को वापस अपने घर ले गया। शराब और जुआ खेलने के चलते पिछले ढ़ाई साल से योगेश पर काफी कर्ज हो गया था। ऐसे में उसने गुंजन की सारी ज्वेलरी, घर में रखी भगवान की चांदी की मूर्ति, चांदी के सिक्के आदि सब बेच दिए।

नशीले पदार्थों की तस्करी में दो को दस साल जेल

नई दिल्ली । दिल्ली में नशीले पदार्थों की तस्करी में लिप्त दो दोषियों को अदालत ने दसदस साल की जेल की सजा सुनाई है। इसके अलावा अदालत ने इन पर दोदो लाख रुपये का जुर्माना भी किया है। जुर्माने की रकम ना भरने पर दोषियों को अतिरिक्त जेल की सजा काटनी होगी। पटियाला हाउस स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश अजय कुमार जैन की अदालत ने विनोद और मूसा कोया केपी को नशीले पदार्थों की तस्करी का दोषी पाया है। इस मामले के दो आरोपी फरार हैं, जिन्हें अदालत ने भगोड़ा करार दिया है। अदालत ने फैसले में कहा है कि राजधानी नशे का अड्डा बन गई है। देशविदेश से तमाम तरह के नशे का सामान पहले दिल्ली लाया जाता है, इसके बाद देश के अलगअलग हिस्सों में पहुंचाया जाता है। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के रिकॉर्ड को देखें तो प्रतिदिन किलो के हिसाब से अलगअलग तरह के नशीले पदार्थ जब्त किए जाते हैं। अदालत ने कहा कि ऐसे आरोपियों के प्रति किसी भी हाल में नरमी नहीं बरती जाएगी क्योंकि नशीले पदार्थों का सीधा प्रभाव युवा पीढ़ी पर पड़ रहा है। यहां तक कि स्कूलों में भी नशीला पदार्थ तस्करों द्वारा पहुंचाया जा रहा है। दोनों अभियुक्तों को वर्ष 2013 में हेरोइन के साथ पकड़ा गया था। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने इन आरोपियों की गिरफ्तारी की थी। इन्होंने अपने दो साथियों के नाम का खुलासा किया था, जिसे हेरोइन सौंपी जानी थी। लेकिन वे दोनों अभी गिरफ्त में नहीं आ पाए हैं। अदालत ने उन्हें भगोड़ा करार दिया है।

एनईपी लागू होने के बाद दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाएं बंद की जाएं

एनसीईआरटी की बैठक में मनीष सिसोदिया ने दिए महत्वपूर्ण सुझाव

(लोकेश निरवाल)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर। उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने मौजूदा वर्षवार कक्षाओं और दसवीं बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के बजाय बहुवर्षीय स्टेज अनुसार कक्षाओं और हर स्टेज के अंत में एक्सटर्नल एसेसमेंट की प्रणाली शुरू करने का सुझाव दिया है। सिसोदिया ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री के वक्तव्य पर सहमति जताते हुए कहा कि देश में शिक्षा के क्षेत्र में आधारभूत परिवर्तन में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की बड़ी भूमिका होगी। लेकिन यह परिवर्तन टुकड़ों में नहीं, बल्कि समग्र होना चाहिए। सिसोदिया ने आज एनसीईआरटी जनरल काउंसिल की 57 वीं बैठक में कई महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस ऑनलाइन बैठक में मौजूद केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने अधिकारियों को सिसोदिया के सुझावों पर विचार का निर्देश दिया। बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के शिक्षा मंत्रियों एवं वरीय अधिकारियों ने हिस्सा लिया। सिसोदिया ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से सहमति जताते हुए उनकी कहा कि देश की शिक्षा व्यवस्था में नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की बड़ी भूमिका होगी। हमें इस परिवर्तन को टुकड़े में नहीं बल्कि व्यापक रूप में करना होगा।

नई शिक्षा नीति में प्रस्तावित चार स्टेज यानी 5+3+3+4 को सही मायने में लागू करना चाहिए। इसके तहत एक साल एक क्लास का सिस्टम खत्म करके बहुवर्षीय स्टेज

सिस्टम लागू करना चाहिए। इससे बच्चे अपनी गति से विभिन्न विषयों में अपनी जरूरत के अनुसार आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि एक स्टेज से दूसरे स्टेज में जाने के बाद अगर कुछ बच्चे उस लेवल के अनुरूप लर्निंग आउटकम प्राप्त नहीं कर पाए हों, तो उसे पूरा करने के लिए कुछ महीनों की रेमेडियल क्लासेज भी लगाई जा सकती है। सिसोदिया ने कहा कि 5+3+3+4 के चार स्टेज में सिर्फ चौथे स्टेज में बोर्ड परीक्षाएं होने से पहले के तीनों स्टेज का महत्व कम होने की आशंका रहेगी। इसलिए कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा समाप्त की जानी चाहिए और उसकी जगह हर स्टेज के अंत में एक्सटर्नल असेसमेंट होना चाहिए।

चूंकि उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए प्रवेश परीक्षा नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) द्वारा कराने का प्रावधान हैं इसलिए बारहवीं बोर्ड की परीक्षाओं के अंक का कोई महत्व नहीं रह जाता है। इस आलोक में सिसोदिया ने बारहवीं की परीक्षाओं में अंक सिस्टम तथा सिंगल हाई स्टेक परीक्षा के दायरे से बाहर निकालने का सुझाव दिया।

वर्तमान शैक्षिक सत्र के बारे में बोलते हुए सिसोदिया ने कहा कि एनसीईआरटी नें इस साल कोरोना के कारण सिलेबस एक तिहाई कर दिया है। लेकिन जब स्कूल अब तक बंद होने की वजह से सिलेबस को इस साल की लिए आधा करना चाहिए। सिसोदिया ने बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं तथा विभिन्न प्रवेश परीक्षाओं में आधे सिलेबस को आधार बनाने का सुझाव दिया। उन्होंने कहा कि अगले साल जेईई, नीट जैसी प्रवेश परीक्षाएं कम सिलेबस पर आधारित होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि बोर्ड परीक्षाएं सामान्यतः फरवरी मार्च में होती है, लेकिन कोरोना संकट के कारण 2021 में मई माह से पहले परीक्षाएं न कराई जाएं ताकि बच्चों को तैयारी का अवसर मिल सके।

सिसोदिया ने कोरोना संकट में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए देश भर के शिक्षकों के प्रति आभार प्रकट किया। उन्होंने कहा कि कोरोना काल में भारत के असली हीरो शिक्षक हैं। दिल्ली में हमारे शिक्षकों ने राहत कार्यों का नेतृत्व किया और सेमी ऑनलाइन शिक्षा हेतु छात्रों को तलाश कर उनको शिक्षा से जोड़े रखा। सिसोदिया ने ऐसे शिक्षकों की भूरी भूरी प्रशंसा की जिनके कारण बच्चों की शिक्षा का नुकसान कम करना संभव हो सका।

कमेटी चुनाव में संगत के पास सिखनीति और राजनीति में चयन का मौका: जीके

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के आम चुनाव के लिए वोटर बनाने का काम शुरू होने पर जागो पार्टी ने खुशी जताई हैं। पार्टी के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष मनजीत सिंह जीके ने टैगोर गार्डन में 'संगत दर्शन' कार्यक्रम में बोलते हुए 2021 के कमेटी चुनाव को सिखनीति और राजनीति के बीच चयन का चुनाव बताया है। संगत द्वारा सिखनीति को चुनने की आशा जताते हुए जीके ने कहा कि मेरे परिवार ने पंथ के लिए अपना सब कुछ दाँव पर लगाया हैं।

गुरु तेग बहादर साहिब को शहीद करने से पहले औरंगजेब द्वारा गुरुद्वारा शीशगंज के साथ लगती कोतवाली में गुरु साहिब को कैद करने का हवाला देते हुए जीके ने कहा कि गुरुद्वारा शीशगंज साहिब में कोतवाली का विलय करना आसान नहीं था। क्योंकि मुस्लिम समुदाय को लगता था कि कोतवाली के बाद सिख सुनहरी मस्जिद पर भी दावा कर सकते हैं, क्योंकि गुरु साहिब को शहीद करवाने में मस्जिद के लोगों का भी हाथ था। पर मेरे पिता जत्थेदार संतोख सिंह ने सूझबूझ से सभी सियासी व धार्मिक नेताओं को कोतवाली गुरुद्वारा साहिब को दिलवाने के लिए राजी किया था। बेशक इसके लिए उन्हें कोतवाली ना मिलने पर आत्मदाह करने तक की धमकी भी देनी पड़ी थी। जीके ने मौजूदा कमेटी नेताओं की नाकामीयाँ गिनाते हुए गुरु ग्रंथ साहिब के गायब स्वरूपों, गुरु हरिक्रिशन पब्लिक स्कूलों की बदहाली सहित कमेटी के सियासी इस्तेमाल का विवरण भी दिया। जीके ने कहा कि इस बार के कमेटी चुनाव संगत के लिए सिखनीति को चुनने के लिए बेहतर मौका है। इस मौके क्षेत्र के प्रमुख सिखों और नौजवानों को जीके ने सिरोपा देकर दल में शामिल करवाया। इसमें कुलदीप सिंह बॉबी, जतिंदर सिंह मुखी, तजिंदर सिंह, सतिंदर सिंह लवली, भूपिंदर सिंह, सुखविंदर सिंह बग्गा, मन्नी सिंह जग्गी, जगमोहन सिंह, सुरजीत सिंह, जसप्रीत सिंह सन्नी, अमरजीत सिंह, सिमरनजीत सिंह, जसप्रीत सिंह तथा जसकरण सिंह आदि शामिल थे।

जागो के प्रदेश अध्यक्ष चमन सिंह शाहपुरा तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष नत्था सिंह ने इस मौके अपने विचार रखें, जबकि जागो के प्रधान महासचिव परमिंदर पाल सिंह ने मंच संचालन किया।

लोगों से अपील: दिल्ली को प्रदूषण मुक्त तथा स्वच्छ बनाने मे अपना योगदान दें

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । दिल्ली में तीव्र गति से बढ़ रहे प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए आज सामाजिक संस्था सम्पूर्णा द्वारा अपने रोहिणी स्थित महाराणा प्रताप सामुदायिक भवन के प्रांगण में सब्जी मंडी से निकलने वाले हरे कूड़े से हो रहे प्रदूषण के निस्तारण लिए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष भाजपा दिल्ली एवं लोकप्रिय विधायक विजेन्द्र गुप्ता ने हरे कूड़े से खाद् बनाने वाली युनिट का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर गुप्ता ने कहा कि वैसे तो रोहिणी की अलग अलग सोसायटियां अपने स्तर पर कूड़े का निस्तारण कर रही हैं तथा उत्तरी दिल्ली नगर निगम भी प्रतिदिन लगभग 2000 मीट्रिक टन कूड़ा इक्ट्ठा करती है। जिससे बवाना में बिजली बनाई जाती है। माननीय केंद्रीय परिवहन एवं सड़क मंत्री नितिन गडकरी जी ने भी सड़कें बनाने के लिए कूड़े का उपयोग करने को है। गुप्ता ने कहा कि दिल्ली जैसे घनी आबादी वाले शहर में नये एसएलएफ फील्ड बनाना इतना आसान नहीं है क्योंकि इनके लिए

उपयुक्त जमीन उपलब्ध नहीं है। पूर्व में देखा गया है कि भलस्वा एसएलएफ ने एक पहाड़ का रूप ले लिया जिससे आसपास के क्षेत्रों में प्रदूषण के साथ साथ लोगों में अनेकों बीमारियां भी फैलती हैं।

गुप्ता ने सामाजिक संस्था संपूर्णा द्वारा इस तरह के चलाये जा रहे जनोपयोगी प्रकल्पों की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए लोगों को इन प्रकल्पों का लाभ उठाने को कहा। उन्होंने लोगों से अपील की कि कूड़े के निपटान के लिए उपलब्ध सभी विधियों व तकनीकों का उपयोग कर कूड़े के निपटान में अपना योगदान कर दिल्ली को प्रदूषण मुक्त तथा स्वच्छ बनाने मे अपना योगदान दें। उन्होंने संपूर्णा द्वारा चलाए जा रहे प्लास्टिक मुक्त दिल्ली अभियान का जिक्र करते हुए कहा कि संस्था कपड़े के थैलों को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। सम्पूर्णा के स्वयंसेवकों ने कोरोना काल में कपड़े के फेस मास्क बना कर आम लोगों में बांट कर संक्रमण के फैलाव को रोकने में भी काबिले तारीफ काम किया है। जिसे लोगों द्वारा सराहा गया है। सभी उपस्थित लोगों को स्वच्छ रोहिणी, हरित रोहिणी बनाने हेतु शपथ भी दिलवई गयी।

इस कार्यक्रम में उपस्थित जन समूह को निदेशक ओसा कॉम्पोस्टिंग द्वारा हरे कूड़े के सदुपयोग कर खाद बनाने की विधि लोगों के सामने खाद बना कर समझाई गयी जिसे सभी ने सराहा तथा इस अपर अमल करने का भरोसा दिलाया।

इस अवसर पर कार्यक्रम में गणमान्य निवासियो के साथ साथ उत्तरी नगर निगम के रोहिणी क्षेत्र के चेयरमैन आलोक शर्मा एवं क्षेत्रीय निगम पार्षदा चित्रा अग्रवाल भी उपस्थित रहे। सम्पूर्णा के स्वयंसेवकों ने भी बढ़चढ़ कर भाग लिया।

अदालतों में सुरक्षाकर्मी सफाईकर्मी बढ़ाए जाएंगे

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (वेबवार्ता)। दिल्ली में कोरोना वायरस का प्रभाव कम होने का नाम नहीं ले रहा। इसे ध्यान में रखते हुए जिला अदालतों में गहन सफाई और अधिक लोगों के प्रवेश को रोकने के लिए सुरक्षा और सफाईकर्मियों की संख्या बढ़ाने की कवायद शुरू की गई है। प्रत्येक जिला अदालत में न्यायिक अधिकारियों की एक समिति गठित की गई है। यह पहले अदालत में कितने सुरक्षाकर्मी और सफाईकर्मी बढ़ाए इसका खाका तैयार करेगी। इसके बाद जरुरत के अनुसार इनकी नियुक्ति की जाएगी। इसके लिए बाकायदा एक सर्कुलर निकाला गया है। सर्कुलर में कहा गया है कि दरअसल अदालतों में भी कोरोना का संक्रमण बढ़ता जा रहा है। न्यायिक अधिकारी और कर्मचारी पॉजिटीव पाए जा रहे हैं। ऐसे में वर्तमान में जितने सफाईकर्मी हैं वह पर्याप्त नहीं हैं। प्रत्येक अदालत कक्ष की गहन सफाई की जरूरत पड़ती है। दूसरी तरफ अदालतों में एक मुकदमे की सुनवाई पर कई लोगों के आने का

चलन पुराना है। पहले क्योंकि इससे कोई परेशानी की बात नहीं थी तो उन्हें रोका नहीं जाता था, लेकिन अब हालात विपरीत हैं। इन हालात में कम से कम लोगों के अदालत आने पर प्रशासनिक विभाग को ध्यान देना होगा। लोगों को उनके समन या अन्य दस्तावेज देखकर ही प्रवेश दिया जाए इसके लिए अदालत के सभी प्रवेश द्वारों पर अतिरिक्त सुरक्षा गार्डों की भी आवश्यकता है।

तीन अलग-अलग मामलों में ताहिर हुसैन की जमानत याचिकाएं खारिज

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । दिल्ली दंगों के कई मामलों में आरोपी आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को जमानत देने से अदालत ने इनकार कर दिया। गुरुवार को अदालत ने तीन मामलों में उसकी जमानत याचिकाएं खारिज कर दी। बता दें कि ताहिर हुसैन को उत्तरपूर्वी दिल्ली में भड़के दंगों में मुख्य आरोपी माना जा रहा है।

कड़कड़डूमा स्थित अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विनोद यादव की अदालत ने आरोपी ताहिर हुसैन की जमानत याचिकाएं खारिज करते हुए कहा कि जो लोग सरकारी गवाह बने हैं, वे उसी इलाके में रहते हैं, जहां ताहिर हुसैन का घर है। ताहिर हुसैन निगम पार्षद रह चुका है और उसका इलाके में प्रभाव है। वह गवाहों और साक्ष्यों को प्रभावित कर सकता है। अदालत ने यह भी कहा कि इस मामले में ताहिर हुसैन को दंगों का

साजिशकर्ता माना जा रहा है। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने अलग से आरोपपत्र दाखिल कर ताहिर हुसैन को दंगे भड़काने के लिए उकसाने वाला बताया है। जांच में पता चला है कि उसने अपनी राजनीतिक शक्ति का इस्तेमाल स्थानीय लोगों को भड़काने के लिए किया। अदालत ने जमानत याचिकाओं पर जिरह के दौरान पाया कि आरोपी पर उत्तरपूर्वी दिल्ली में दंगे भड़काने के कुल 11 मामले दर्ज हैं। इसलिए अदालत ने कहा कि आरोपी को जमानत नहीं दी जा सकती। अदालत ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा है कि चैकाने वाली बात है कि ताहिर हुसैन ने बड़ी चालाकी से अपने हाथों को दंगों से सीधे तौर पर बचाए रखा लेकिन इलाके के लोगों को दंगाई बनाकर उन्हें मानव हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया। कथित तौर पर ताहिर के उकसाने पर ही इंटेलिजेंस ब्यूरो के अधिकारी अंकित शर्मा की हत्या की गई।

पराली जलाने पर रोक के लिए केंद्र व राज्यों को उठाना है समुचित कदम: कोर्ट

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (वेबवार्ता)। उच्च न्यायालय ने गुरुवार को कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने पहले ही पंजाब, हरियाणा सहित सभी पड़ोसी राज्यों को पराली जलाने पर रोक के लिए समुचित आदेश दिया है। अब केंद्र और राज्य सरकारों को अपना काम करना है। न्यायालय ने पंजाब और हरियाणा में पराली जलाने पर रोक लगाने के लिए समुचित कदम उठाने का आदेश देने की मांग पर विचार करने से इनकार करते हुए यह टिप्पणी की है। याचिका में कहा गया था कि पराली जलाने से कोरोना को फैलने में मदद मिलेगी।

मुख्य न्यायाधीश धीरूभाई नारायण भाई पटेल और न्यायमूर्ति प्रतीक जालान की पीठ ने कहा कि सर्वोच्च न्यायालय ने 16 अक्तूबर को अपने पूर्व न्यायाधीश जस्टिस मदन बी. लोकुर की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया ताकि इन राज्यों द्वारा पराली को जलाने से रोकने के लिए उठाए गए कदमों की निगरानी की जा सके। पीठ ने कहा कि अगर वह भी इसी मुद्दे को सुनता है तो विरोधाभासी आदेश पारित होने का खतरा बना रहेगा। इसके साथ ही पीठ ने अधिवक्ता सुधीर मिश्रा की ओर से दाखिल अर्जी का निपटारा कर दिया। अर्जी में मिश्रा ने कहा था कि पंजाब और हरियाणा के किसानों द्वारा पराली जलाने से राजधानी में प्रदूषण के साथ साथ कोरोना मरीजों की परेशानी बढ़ेगी और महामारी तेजी से फैलेगा। उन्होंने यह अर्जी उच्च न्यायालय में 2015 से पराली जलाने पर रोक से संबंधित पहले से लंबित जनहित याचिका के जवाब में दिया है। हालांकि, पीठ ने मिश्रा को इस बात की छूट दी है यदि कभी लगता है कि मामले में तत्काल हस्तक्षेप की जरूरत है तो वह दोबारा से अर्जी दाखिल कर सकते हैं।

रामलीला में मुस्लिम कलाकार भी निभा रहे अहम किरदार

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (वेबवार्ता)। रामलीला मंचन के आयोजन में हिंदू ही नहीं मुस्लिम कलाकार भी अपनी प्रतिभा के दम पर अहम किरदार निभा रहे हैं। पिछले बार की अपेक्षा इस बार कलाकारों की संख्या कम है। उत्तरपूर्वी दिल्ली में फरवरी महीने में हुए दंगे के बाद से रामलीला का हिस्सा बनेंगे या नहीं उसको लेकर कलाकारों के मन में आशंका थी।

शास्त्री पार्क में आयोजित रामलीला में मेघनाद से लेकर हनुमान के बेटे मकरध्वज का किरदार निभाने वाले 24 वर्षीय मोहम्मद कबीर खान ने बताया कि वह पिछले सात साल से रामलीला में अलगअलग पात्र कर रहे हैं। इस बार खुशी है कि दोबारा से श्रीरामलीला का हिस्सा बनने का मौका मिला है। परिवार के सदस्य भी किसी तरह का विरोध नहीं करते हैं। कलाकार सिर्फ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करता है। दंगे अपनी जगह थे। रामलीला में संगीत वाद्य यंत्र बजाने वाले 60 वर्षीय रियासत अली ने भगवान का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इस बार उन्हें उम्मीद नहीं थी कि वह रामलीला का हिस्सा बनेंगे। क्योंकि दंगे होने के बाद से मन में यही आशंका थी कि क्या दोबारा से रामलीला या दूसरे धार्मिक कार्यक्रमों में काम करने का मौका मिलेगा। लेकिन ऊपर वाले की कृपा से सब ठीक हो गया। रामलीला मंचन के निदेशक सोनू शर्मा बताते हैं कि पिछले बार की अपेक्षा इस बार मुस्लिम कलाकारों की टीम में संख्या कम है। पिछले वर्ष तीनचार कलाकार लीला से जुड़े हुए थे। लेकिन इस बार एक कलाकार ही लीला का मंचन कर रहा है। इसका एक कारण लीला मंचन के लिए असमंजस की स्थिति बने रहना भी है। नोएडा से भी एक मुस्लिम कलाकार सीता का किरदार निभाने के लिए आगे आई थी। लेकिन उसे आखिर में मना करना पड़ा है।

गौतमपुरी स्थित रामलीला मैदान में नव सनातन धर्म रामलीला कमेटी के प्रधान संदीप जैन ने बताया कि इस बार उनके यहां कोई मुस्लिम कलाकार लीला का मंचन नहीं कर रहा है। वहीं, श्रीरामलीला कमेटी इंद्रप्रस्थ द्वारा आईपेक्स भवन में शुक्रवार से आयोजित तीन दिवसीय संपूर्ण रामलीला में मुस्लिम कलाकार भी लीला का मंचन करेंगे।

BUSINET

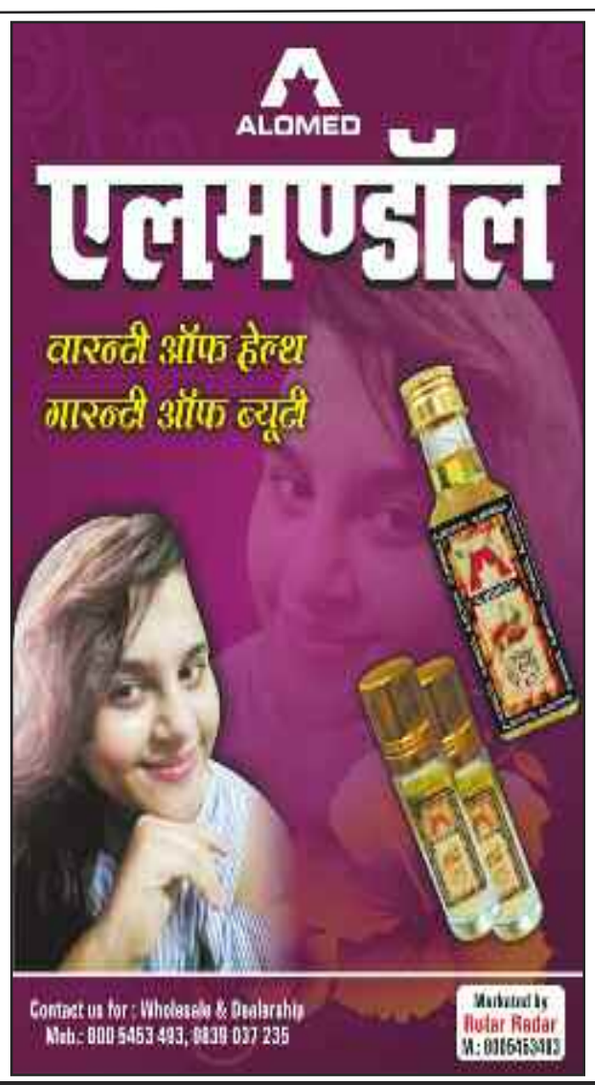

संपादकीय

उत्तर प्रदेश विधानसभा उपचुनावों में प्रतीकों की राजनीति कर रहे अखिलेश यादव

राजनीति में प्रतीकों का बेहद महत्व होता है। मौसम चुनावी हो तो फिर प्रतीकों की राजनीति 'सोने पर सुहागे' जैसी हो जाती है। वोट बैंक की सियासत के चलते परलोक गमन कर चुके गए नेताओं तक को सियासी 'धरती' पर उतार दिया जाता है। प्रतीकों की राजनीति में सबसे बड़ा नाम महात्मा गांधी का है। कांग्रेस गांधी की मौत के दशकों बाद तक उनके (महात्मा गांधी) नाम पर वोट बटोरती रही। यहां तक कि नेहरू खानदान ने अपना सरनेम तक गांधी रख लिया। इसी तरह से कांग्रेस के दिग्गज दिवंगत नेता और देश के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू से लेकर पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, राजीव गांधी तक अपनी मृत्यु के बाद वर्षों तक कांग्रेस के लिए वोट बैंक बढ़ानेहथियाने का माध्यम बने रहे तो दूसरी तरफ भारतीय जनता पार्टी बीते लोकसभा चुनाव तक पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी का नाम चुनावी जंग में भुनाती रही, जबकि अटलजी ने मृत्यु से वर्षों पूर्व 2005 में राजनीति से संन्यास ले लिया था। अटलजी के सहारे भाजपा ब्राह्मणों को लम्बे समय तक लुभाती रही है। बसपा, दलित चिंतक मान्यवर कांशीराम के नाम के सहारे आज भी चुनावी जंग जीतने का प्रयास करते दिख जाती है। इसी प्रकार समाजवादी नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर, फिल्म अभिनेता से नेता बने एनटी रामाराव, तमिलनाडु की पूर्व मुख्यमंत्री और अपने समय की दिग्गज अभिनेत्री जयललिता आदि अपनी मौत के वर्षों बाद तक वोट बैंक की सियासत की धुरी बने हुए हैं। अब इस सूची में मुलायम सिंह का नाम जुड़ गया है, जो अस्वथ चल रहे हैं।

समाजवादी पार्टी ने 03 नवंबर को उत्तर प्रदेश विधानसभा की सात रिक्त सीटों के लिए होने वाले उपचुनाव के लिए राजनीति से संन्यास ले चुके और लम्बे समय से अस्वस्थ चल रहे मुलायम सिंह को अपना स्टार प्रचारक बनाकर सबको चौंका दिया है। इतना ही नहीं जेल में बंद आजम खान भी समाजवादी पार्टी के स्टार प्रचारक होंगे। यानि सपा को लगता है कि हफ्ते दस दिन में आजम जेल से बाहर आ जाएंगे और चुनाव प्रचार करने लगेंगें। मुलायम और आजम की तरह जया बच्चन को भी अखिलेश ने अपना स्टार प्रचारक बनाया है। सपा मुलायम सिंह के सहारे यादवोंपिछड़ों और आजम के नाम पर मुसलमानों को अपने पाले में लाना चाहती है।

समाजवादी पार्टी ने 7 विधानसभा सीटों पर 3 नवंबर को होने वाले उपचुनाव के लिए स्टार प्रचारकों के नाम तय कर दिए हैं। सपा मुखिया अखिलेश यादव, पार्टी संरक्षक और मैनपुरी से सांसद मुलायम सिंह यादव सपा सांसद और फिल्म अभिनेत्री जया बच्चन स्टार प्रचारक की सूची में शामिल हैं। इतना ही नहीं जेल में बंद रामपुर के सांसद आजम खान का नाम भी पार्टी ने स्टार प्रचारकों की सूची में शामिल किया है। कहा जा रहा है कि आजम खान का नाम स्टार प्रचारकों में शामिल करके पार्टी वोटरों को संदेश देना चाहती है। यह संदेश है कि पार्टी आजम के साथ हर स्थिति में है। स्टार प्रचारकों की सूची में राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष किरनमय नंदा, इंद्रजीत सरोज, नेता प्रतिपक्ष विधानसभा रामगोविंद चौधरी व प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल का भी नाम है। पार्टी ने माता प्रसाद पांडेय, धर्मेंद्र यादव, महबूब अली, शैलेंद्र यादव ललई, संजय गर्ग, जगदीश सोनकर, इकबाल महमूद, शाहिद मंजूर, कमाल अख्तर, रामआसरे विश्वकर्मा, जावेद अली खां, राज नारायन बिंद को भी स्टार प्रचारक बनाया है। एमएलसी रामसुंदर दास निषाद, सुनील यादव, लीलावती कुशवाहा, राजपाल कश्यप, श्यामलाल पाल, जुगल किशोर बाल्मीकि के साथ युवा प्रकोष्ठों के अध्यक्ष भी उपचुनाव में स्टार प्रचारक होंगे। उत्तर प्रदेश की नौगवां सादात, बुलंदशहर, टूंडला, बांगरमऊ, घाटमपुर, देवरिया और मल्हनी विधानसभा सीटों के उपचुनाव की अधिसूचना जारी हो गई है।

महिला हेल्पाइन

डीएमआरसी	155370
सीआईएसएफ	22185555
दिल्ली पुलिस	1091
दिल्ली सरकार	181
कहीं भी कभी भी	1090

हिंदी दैनिक वूमेन एक्सप्रेस

खबर एवं विज्ञापनों के लिए संपर्क करें
चेम्बर नंबर-302, वधवा बिजनेस सेंटर, डी-288-89/10,
नियर लक्ष्मी नगर मेट्रो स्टैशन गेट नंबर -1,
विकास मार्ग, नई दिल्ली - 110092
मोबाइल : 07042999974/ 09013518518
प्रधान संपादक : खुशबू पाण्डेय
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा
राजनीतिक संपादक : नीता बुधौलिया
विज्ञापन प्रबंधक : रिजवाना नसीम
कानूनी सलाहकार : लख़मी चन्द
www.womenexpress.in
Email : thewomenexpress@gmail.com

इंदौर कार्यालय

102 , राजानी भवन , हाई कोर्ट के सामने,एम् ,जी रोड , इंदौर (मध्यप्रदेश)
रजनी खेतान (ब्यूरो चीफ)
मोबाइल : 08770587699, 09826024018

प्रयागराज कार्यालय

17/33, महात्मा गांधी मार्ग
(माया बाजार) सिविल लाइन्स।
फोन : 05322560285
09415215390
प्रबंध संपादक : विनोद मिश्रा

क्यों भय के दुष्चक्र में है भारत की निर्भयाएं ?

महिलाओं को हिंसा, उत्पीड़न और भेदभाव से मुक्त होने का अधिकार ज्यादा मजबूत होना चाहिए ताकि वो असुरक्षित वातावरण की बाधाओं को दूर कर सभी प्रकार के कार्य, समुदायों और अर्थव्यवस्थाओं में योगदानकर्ताओं के रूप में अपनी क्षमता का पूरा प्रदर्श कर सके। ऐसा विश्व स्तर पर होना चाहिए. मगर देखे तो 2018 में, थॉमसन रॉयटर्स फाउंडेशन के एक जनमत सर्वेक्षण के आधार पर भारत को महिलाओं के लिए सबसे खतरनाक देश घोषित किया है। भारत में महिलाओं के खिलाफ हिंसा से संबंधित मामलों के निपटान, महिला सुरक्षा उपायों और हैंडलिंग के लिए दुनिया भर में आलोचना की जा रही है। 2012 के दिल्ली गैंगरेप मामले में काफी हंगामे के बाद भी, हमने कठुआ मामले, हैदराबाद केस, उन्नाव केस और हाथरस केस की हिंसा को देखा है। यह सूची आज भी अंतहीन है और महिलाओं के खिलाफ हिंसा का दुष्चक्र अटूट है।

देश में महिला सुरक्षा पर गहरा खेद है, नेशनल फैमिली हेल्थ सर्वे सुझाव देता है कि 1549 आयु वर्ग में भारत में 30 प्रतिशत महिलाओं ने 15 वर्ष की आयु से ही शारीरिक हिंसा का दंश झेला है। रिपोर्ट में आगे ये भी भयानक खुलासा हुआ है कि एक ही आयु वर्ग में 6 प्रतिशत महिलाओं ने अपने जीवनकाल में कम से कम एक बार यौन हिंसा का अनुभव किया है। लगभग 31 प्रतिशत विवाहित महिलाओं ने अपने पति द्वारा शारीरिक, यौन या भावनात्मक हिंसा का अनुभव किया है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो 2019 के अनुसार, लगभग दस दलित महिलाओं का हर दिन बलात्कार होता है। ये स्थिति जातिगत तौर पर गंभीर होना बेहद चिंता का विषय है. हमारे देश में महिला सुरक्षा में कमी के सैंकड़ों कारण है. पहला तो सेक्सिस्ट, पितृसत्तात्मक और यौन शत्रुतापूर्ण व्यवहार के साथ महिलाओं का पुरुषों के साथ समझौता। जिसने ये मान लिया है कि पुरुष जो चाहे वो कर सकता है, जो इसका प्राकृतिक अधिकार बनकर रह गया है. दूसरा लिंग और कामुकता के संबंध में हमारे सामाजिक मानदंड, जो टूटने का नाम नहीं ले रहे. इसके अलावा रिश्तों और परिवारों में पुरुषप्रधान शक्ति

संबंध, सेक्सिस्ट और हिंसासमर्थक संस्कृतियां, हिंसा से संबंधित सामाजिक मानदंड और व्यवहार, घरेलू हिंसा के संसाधनों और सहायता की कमी, अंतरंग साथी हिंसा का बचपन का अनुभव, निम्न सामाजिक आर्थिक स्थिति, गरीबी और बेरोजगारी, सामाजिक कनेक्शन और सामाजिक पूंजी का अभाव,अत्यधिक भोग, जाति श्रेष्ठता की भावना और महिलाओं के ऑब्जेक्टिफिकेशन की झूठी धारणा जैसे व्यक्तित्व लक्षण इस घाव को नासूर बना रहे हैं. अब इस महामारी ने इस मुद्दे को बदतर बना दिया है। कोविद 19संबंधित लॉकडाउन के पहले चार चरणों के दौरान, भारतीय महिलाओं ने पिछले 10 वर्षों में समान अवधि में दर्ज की गई तुलना में अधिक घरेलू हिंसा की शिकायतें दर्ज कीं। लेकिन इस असामान्य उछाल का कारन ये भी है कि घरेलू हिंसा का अनुभव करने वाली 86% महिलाएं भारत में मदद नहीं मांगती हैं। जिन महिलाओं को हिंसा का अनुभव होता है, उनमें अवांछित गर्भधारण, मातृ और शिशु मृत्यु दर और एचआईवी सहित यौन संचारित संक्रमणों का खतरा अधिक होता है। इस तरह की हिंसा प्रत्यक्ष और दीर्घकालिक शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य परिणाम पैदा कर सकती है। हिंसा कारण महिलाओं में गंभीर चोटें, पुराने दर्द, जठरांत्र संबंधी बीमारी, स्त्री रोग संबंधी समस्याएं, अवसाद और मादक द्रव्यों के सेवन शामिल हैं। मानसिक स्वास्थ्य परिणामों में महिलाओं में अवसाद का खतरा, पोस्टट्रॉमैटिक स्ट्रेस डिसऑर्डर और मादक द्रव्यों के सेवन आदि का जोखिम बढ़ जाता है। कई समाजों में, जिन महिलाओं के साथ बलात्कार या यौन दुर्व्यवहार किया जाता है, उन्हें कलंकित और अलगथलग कर दिया जाता है, जो न केवल उनकी भलाई, बल्कि उनकी सामाजिक भागीदारी, अवसरों और जीवन की गुणवत्ता को प्रभावित करता है। यह हमारे व्यक्तिगत दृष्टिकोण और विश्वासों की जांच करने और हमारी वास्तविकताओं 'पर सवाल उठाने में मदद करता है। आज स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को शारीरिक और शारीरिक गतिविधियों के बारे में गलतफहमी से छुटकारा पाने के लिए संवेदनशीलता का अनुभव करना अनिवार्य हो गया है। हमें निर्णय लेने में महिलाओं और पुरुषों की समान भागीदारी सुनिश्चित करने में सक्षम होना चाहिए; समान रूप से सुविधा प्रदान करने के लिए; संसाधनों पर समान रूप से पहुंच और नियंत्रण; विकास के समान लाभ प्राप्त करने के लिए; रोजगार में समान अवसर प्राप्त करने के लिए; आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक और सामाजिक क्षेत्र और उनके जीवन और आजीविका के अन्य सभी पहलुओं में समान सम्मान प्राप्त कर सकते हैं ताकि दोनों लिंग बिना किसी बाधा के अपने मानव अधिकारों का आनंद ले सकें. हम शिक्षा की मदद से, शिक्षण संस्थानों में लैंगिक संवेदनशीलता बच्चों, अभिभावकों और समुदाय के अन्य सदस्यों के बीच भविष्य में उनकी भूमिका के बारे में जागरूकता पैदा कर सकते है, जैसा कि समाज में पुरुष और महिलाएं करते हैं।

प्रियंका सौरभ
www.womenexpress.in

कांग्रेस, भाजपा को राजनीति के हर मोर्चे पर चुनौती देने प्रयासरत

मध्यप्रदेश में आगामी 03 नवम्बर को होने वाले विधानसभा के 28 सीटों के उपचुनाव के मतदान की तारीख जैसे जैसे निकट आ रही है राजनीति का तापमान भी उसी रफ्तार से बढ़ रहा है। 88 विधायकों वाली कांग्रेस पार्टी 107 विधायक वाली भाजपा को राजनीति के हर मोर्चे पर चुनौती देने के लिये प्रयासरत है। पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के नेतृत्व में विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में होने वाली आमसभाओं में जनता की तरफ से जो प्रतिसाद मिल रहा है। उसको देखकर कांग्रेस कार्यकर्ता उत्साहित है। जबकि भाजपा की तरफ से शिवराज सिंह चैहान, ज्योतिरादित्य सिंधिया, नरेन्द्र तोमर, वी.डी. शर्मा सहित अन्य नेता मोर्चा संभाले हुए है। 2018 में 25 सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवार इस बार 2020 उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार के रूप में मैदान में है। ये एक ऐसा मोड़ है जो कहीं न कहीं कांग्रेस के उम्मीदवारों को मजबूती दे रहा है। हालांकि भाजपा का अपना संगठन और एक रोड मैप है। किंतु इस उपचुनाव में भाजपा का आत्मविश्वास भी लड़खड़ाया हुआ दिखता है। इस कारण उसके नेता दिशा से भटक कर बदजुबानी करके राजनीति के माहौल को अलग दिशा में ले जाने के लिये प्रयासरत है। वैसे बडबोल के माध्यम में कांग्रेस के नेता भी पटरी छोड रहे है पर भाजपा से कम।

इस चुनाव में पूर्ण बहुमत के लिये भाजपा को मात्र 9 सीटे चाहिये जिसके लिये उन्होने 19 मंत्री, 25 सांसद, और 95 विधायकों की टीम मैदान में उतारी है वहीं कांग्रेस ने भी अपने 25 से ज्यादा विधायक को अलग अलग क्षेत्रों में पदस्थ किया है और पहली बार कांग्रेस बूथ लेबल पर अपनी मजबूत पकड़ बनाये रखने पर जोर दे रही है। जानकारी के अनुसार देढ़ लाख कार्यकर्ता बूथ स्तर पर बैठक लेकर लोगों को बता रहे है कि किस तरह से सरकार गिराई गई, पन्ना प्रमुख की तर्ज पर प्रत्येक 20 वोटर पर एक कार्यकर्ता की तैनाती की है। ऐसे ढाई लाख के करीब पन्ना प्रमुख है जिनकी जिम्मेदारी है कि मतदान केन्द्र तक मतदाता को ले जाकर अपने पक्ष में वोट कराये। 19 सीटों में काम रहे नेताओं में से 87 को प्रदेश कांग्रेस में उपाध्यक्ष और महासचिव बनाया गया है। जिला एवं ब्लाक स्तर पर भी 1000 नियुक्तियां होगी। वहीं प्रत्येक सीट के लिये केन्द्रीय पर्यवेक्षकों की टीम तैनात की गई है जो जनता से फीडबैक लेकर पार्टी को बता रहे है कि जहां का उम्मीदवार कमजोर है उसे कैसे मजबूत किया जा सकता है। कांग्रेस का प्रयास है कि 28 में से 28 जीते। पर 20 या 22 भी जीत जाते है तो वह अन्य दल व निर्दलीय के सहारे पुनः सरकार में वापिस आ सकते है। यह सर्वविदित है कि आज की राजनीति में जातिगत समीकरण बड़ा महत्व रखता है। इसी बात का ध्यान में रखते हुए 8 सीटों पर दोनों दलों में एक ही जाति के उम्मीदवार को मैदान में उतारा है। वहीं 9 सीटों पर दोनों दलों से सबसे ज्यादा वोट वाली जातियों को टिकट दिया है। उदाहरण के तौर पर डबरा एससी सीट में जाटव मतदान 40 हजार है। इसलिये दोनों ही दलों से जाटव समाज के उम्मीदवार को उतारा है। सांची सीट एससी ने अहिर मतदाता 28 हजार है इसलिये यहां पर भी इसी जाति के दोनों उम्मीदवार है। मुरैना सीट में गुर्जर मतदाता की संख्या 50 हजार है इसलिये दोनों ही दलों के उम्मीदवार गुर्जर समाज के है। बड़ा मल्हरा में 37000 लोधी मतदाता है इसलिये दोनों दलों ने लोधी समाज के चेहरों को ही मतदान में उतारा है। करैरा सीट में जाटव मतदाता 36 हजार, गोहद सीट पर जाटव मतदाता 65 हजार, अनुपपुर अजजा सीट पर गौंड आदिवासी मतदाता 50 हजार, नेपानगर अजजा सीट पर कोरकु आदिवासी मतदाता 75 हजार है इसलिये कांग्रेस भाजपा ने उसी समाज के लोगों को चुनावी मतदान में उतारा है। उसी प्रकार से सुमावली सीट पर गुर्जर व कुशवाह वोट सबसे ज्यादा है एवं बदनावर सीट पर राजपूत और गुजराती राजपूत एवं ग्वालियर में ब्राम्हण और ठाकुर एवं मेहगांव सीट पर ब्राम्हण और ठाकुर, दिमनी सीट पर क्षत्रीय व ब्राम्हण मतदाता ब्यावरा सीट पर दागी और सौंधिया मतदान एवं मुंगावली में यादव और लोधी, मान्धाता सीट में राजपूत और गुर्जर मतदाता एवं ग्वालियर पूर्व वैश्य और क्षत्रीय मतदाता की संख्या अधिक होने के कारण इन सीटों पर इसी समाज से जुड़े नेताओं पर पार्टी ने दांव लगाया है। जहां पर सिंधिया के पूर्व व वर्तमान खास माने जाने वाले नेता एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे है। जैसे मुरैना सीट पर रघुराज कंसाना भाजपा, राकेश मावई कांग्रेस, दिमनी सीट पर गिर्राज दंडोतिया भाजपा, रविन्द्र सिंह तोमर कांग्रेस, ग्वालियर सीट पर प्रद्युम्न सिंह तोमर भाजपा एवं सुनील शर्मा कांग्रेस, पोहरी सीट सुरेश राज खेड़ा भाजपा हरिवल्लभ शुक्ला कांग्रेस, मुंगावली सीट पर ब्रजेन्द्र सिंह यादव भाजपा, कन्हैया राम लोधी कांग्रेस, अशोक नगर सीट पर जजपाल सिंह जज्जी भाजपा, आशा दोहरे कांग्रेस, बम्होरी सीट पर महेन्द्र सिसोदिया भाजपा, कन्हैया लाल अग्रवाल, मेहगांव सीट पर ओपीएस भदौरिया भाजपा एवं हेमंत कटारे कांग्रेस, संयोग की बात है कि ये 8 सीटों पर दोनों ही दलों के उम्मीदवार सिंधिया से जुड़े रहे है।

रहीम खान
भरवेली (बालाघाट)।
www.womenexpress.in

यूं रहा तो शब्दकोश ही बदलकर रख देंगे ये...

हमारे एक जानकार हैं। नाम है वागेश्वर। नाम के अनुरूप ही उनका अनुपम व्यक्तित्व है। धीरगम्भीर, हर बात को बोलने से पहले तोलना कोई उनसे सीखे। न कोई दिखावा न कोई ढोंग। सीधेसपाट। मुंहफट कहे तो भी चल सकता है। मोहल्ले में सब उनकी खूबियों से परिचित हैं। ऐसे में हर कोई उनसे बात करते समय सौ बार सोचता है। उम्र भले ही हमसे डेढ़ी हो पर हमारे साथ उनका सम्बन्ध मित्रवत ही है। खुद कहते हैं कि आप मेरी लाइन के बन्दे हैं। खैर आप उनके प्रशंसा पुराण को छोड़ें। आप तो बात सुनें और आनन्द लें।

आज सुबह पार्क में उनके साथ मुलाकात हो गई। रामाश्यामी तो स्वभाविक ही थी। देखकर बोले आओ, मित्र सुंदरसुगन्धित, हरीभरी शीतलस्निग्ध छाया में कुछ क्षण विश्राम कर लें। कुछ अपनी सुनाएं, कुछ आपकी सुनें। उनका इस तरह वार्तालाप करना मेरे लिए भी नया अनुभव था। दो टूक बात कह समय की कीमत समझाने वाले इस व्यक्तित्व के पास आज वार्तालाप का समय जान मैं भी हैरान था। उनके निमंत्रण को स्वीकार कर हंसते हुए मैने कहाक्या बात साहब। आज ये सूरज पश्चिम की तरफ से क्यों निकल रहा है।

बोलेकुछ खास नहीं। वैसे ही आज गप्प लड़ाने का मूड हो रहा था। सबके अपने दर्द होते हैं ऐसे में हर किसी से बात करना जोखिमभरा होता है। आप कलमकार है, सबके सुख दुख पर लिखते हो। आपसे बात कर अच्छा लगता है। मैंने कहाये आपका बड़प्पन है। बोलेयार क्या जमाना आ गया है। बोलने की कोई सेंस ही नहीं है। थोड़ी देर पहले एक आदमी यहां से गुजर रहा था। छोटा सा एक बच्चा दूसरे से बोलादेख काटड़ा जाण लाग रहया। भले मानस उसके ढीलडोल को देख मोटा आदमी कह देते। पेटू, हाथी क्या नाम कम थे जो काटड़ा और नया नाम निकाल दिया। मैंने कहा जी कोई बात नहीं, बच्चे हैं। हंसीमजाक उनकी तो माफ होती है।

अब वो अपना ओरिजनल रूप धारण कर चुके थे। बोलेठीक है ये बच्चे थे।माफ किए। पर ये बड़े जिनपर सबकी नजर रहती है वो ऐसी गलती करें तो क्या सीख मिलेगी आने वाली पीढ़ी को। नाम सदा पहचान देने के लिए होते हैं। पहचान खोने के लिए थोड़ी। लालबालपाल के बारे में पूछो सभी लाला लाजपत राय, बाल गंगाधर तिलक, विपिन चन्द्र पाल को सब जान जाएंगे। नेता जी माने सुभाष चन्द्र बोस, गुरुदेव माने रविन्द्र नाथ टैगोर, शास्त्री जी से लाल बहादुर शास्त्री, महात्मा से महात्मा गांधी की पहचान सभी को है। स्वर कोकिला से लता मंगेश्कर, सुर सम्राट से मोहमद रफी, याहू से शम्मी कपूर, ड्रीम गर्ल से हेमा मालिनी, पाजी से धर्मेंद्र, बिग बी से अमिताभ बच्चन जाने जाते है। उड़नपरी से पीटी उषा, लिटिल मास्टर से सुनील गावस्कर, मास्टर ब्लास्टर से सचिन तेंदुलकर, हरियाणा हरिकेन से कपिल देव अलग से ही पहचाने जाते हैं। दादा, माही,जड्डू, गब्बर,युवी भी बुरे नाम नहीं है।

अब तो स्तर और भी नीचे चला गया है।पप्पू, फेंकू, खुजलीवाल नाम अपने आप में ब्रांड बन चुके हैं। बेबी बाबू, स्वीटूजानू, छोटा पैकेटबड़ा पैकेट के तो क्या कहने। मैं हंसने लगा तो फिर बोल पड़े। बोले अभी तो हरामखोर, नॉटी गर्ल, आईटम ही नाम आगे आये हैं। इनके जन्मदाता इनके अर्थ को ही नई परिभाषा का रूप दे रहे हैं। अभी तो देखना गोश्त चॉकलेट तो मच्छी लॉलीपॉप का शब्द रूप धारण कर लेगी। कुत्ताकमीना मतलब बहुत प्यारा हो जाएगा। गधे जैसा मतलब समझदार, बन्दर चंचल व्यक्तित्व हो जाएगा। बिल्ली मतलब ज्यादा सयानी,हाथी पर्यावरण प्रेमी को कहा जायेगा। सियार यारों का यार तो लोमड़ रणनीतिज्ञ कहलाएगा। खास बात निक्कमा काम का नहीं से बदलकर बेकार के काम न करने वाला कहलवायेगा। और यदि यूँ ही इनके शब्दों के अर्थ बदलने का प्रयोग जारी रहा तो पूरा शब्दकोश बदल जायेगा। वो लगातार बोले जा रहे थे। मुझमें भी उन्हें बीच में रोकने की हिम्मत नहीं थी। इसी दौरान उनके मोबाइल की घण्टी बज गई। फोन के दूसरी तरफ से उनकी अर्धांगनी का मधुर गूंजाकहां मर गए। ये चाय ठंडी हो जाएगी तब आओगे क्या। फिर इसे ही सुबड़सुबड़ कर के पीना। मुझे और भी काम हैं। कोई तुम्हें झेलने वाला मिल गया होगा।वागेश्वर जी बोलेथोड़ा सांस तो लो। बीपी हाई हो जाएगा। पूरे दिन फिर सर पे कफ़न बांधी रहना। बस अभी आया। यहां पार्क में ही बैठा हूँ। कोई अंतरिक्ष में सैर करने नहीं गया था।यह कहकर फोन काट दिया। हंसकर बोलेभाई,हाइकमान का मैसेज आ गया है, तुरंत रिपोर्ट करनी होगी। अन्यथा वारंट जारी हो जाएंगे। ये कहकर वो निकल गए। मैं भी उनके कथन को मन ही मन स्वीकारते हुए घर की राह चल पड़ा। घर पहुंचा तो स्वागत में ही नया शब्द सुनने को मिला। सुई लगाके आये या लगवाके। मैंने कहामतलब। जवाब मिला मतलब ज्ञान बांट के आये हो या कोई आपसे बड़ा ज्ञानी मिल गया था, जो इतनी देर लगा दी। जवाब सुन मैं भी हंस पड़ा। शब्दकोश तो पक्का ही बदलकर रहेगा। इसे कोई नहीं बचा सकता। पत्नी मेरे शब्द बाण से हतप्रभ रह गई। मैंने उसे सारी बात बताई तो वो भी मुस्करा दी।

सुशील कुमार
www.womenexpress.in

दिव्य विभूतियों की भक्ति प्रेरणा

रामकथा से संबंधित अनेक दिव्य विभूतियां नेपथ्य में रही। उनका भक्ति भाव अद्भुत था,लेकिन यह प्रत्यक्ष रूप में कभी सामने नहीं आया। लक्ष्मण जी की पत्नी उर्मिला और गोस्वामी तुलसीदास की पत्नी रत्नावली ऐसी ही विभूतियां थी। लेकिन दिव्य रामकथा के प्रसंग में ये दोनों ही महान तपस्वनी थी। उर्मिला के वचनों के बाद लक्षण जी निश्चिंत भाव से प्रभु राम की सेवा में रह सके। रत्नावली के वचनों ने तुलसीदास को रामकथा का अभिनव भक्त और रचनाकार बना दिया। गोस्वामी तुलसीदास की महिमा शब्दों में व्यक्त नहीं कि जा सकती। विलक्षण भक्त और महान कवि के रूप में वह सदैव अमर रहेंगे। उनकी रचना भारत ही नहीं विश्व के पचासों देशों में सम्मान के साथ पढ़ी जाती है। उसपर आधारित रामलीला भी विश्व में प्रचलित है। यहां तक कि इंडोनेशिया जैसे मुस्लिम देशों में भी राम लीला व्यापक रूप से प्रचलित है। ब्रिटिश काल में हजारों भरतीय गिरमिटिया मजदूर बनकर अनेक देशों में गए थे। वह अपने साथ रामचरित मानस की चोटी पुस्तक धरोहर के रूप में ले गए थे। इसी का प्रताप रहा जिससे आज भी वहां भारतीय संस्कृति व्यापक रूप से जीवंत है। लेकिन जब भी गोस्वामी तुलसीदास की चर्चा होगी, उनकी पत्नी रत्नावली का भी स्मरण किया जाएगा। यह रत्नावली ही थीं, जिनके एक वचन ने एक सामान्य व्यक्ति को तुलसी दास बना दिया। गोस्वामी जी ने स्वयं कैकेई के प्रसंग का विलक्षण उल्लेख किया है। प्रभु राम लंका विजय के बाद अयोध्या पँहुचे थे। वह सबसे पहले कैकेई के पास गए। उनके चरण स्पर्श किये, कहा कि माता यदि तुम न होती, तो राम को कौन जानता। वह तो

केवल अयोध्या के एक राजा बन कर रह जाते। लेकिन कैकेई के वरदान मांगने के कारण प्रभु राम, माता सीता और लक्ष्मण चौदह वर्ष के लिए वनवास गए। यही तो प्रभु के अवतार का उद्देश्य था, जिसे कैकेई ने ही संभव बनाया।सूर्यकांत त्रिपाठी निराला ने भी रत्नावली का भव्यता और तेजश्वनी के रूप में चित्रण किया है। उन्होंने लिखा कि जब रत्नावली ने तुलसीदास को प्रभु के प्रति समर्पण की सलाह दी, तब वह कोई सामान्य महिला के रूप में नहीं थी। तब वह तपस्वनी थी। गोस्वामी जी ने रत्नावली के कथन का उल्लेख भी किया है।

लाज न लागत आपको, दौरे आयहु साथ।
धिक धिक ऐसे प्रेम को कहाँ कहहुं मे नाथ।।
अस्थि चर्ममय देह मम,
तामे ऐसी प्रीती।
तैसी जो श्रीराम में, होत न तो भव भीती।

निराला जी ने भी उस दृश्य का भव्य चित्रण किया है

बिखरी छूटी शफरी अलकें,
निष्पात नयन नीरज पलकें,

भावातुर पृथु उर की छलकें
उपशमिता,निःसम्बल केवल ध्यान मग्न,जागी योगिनी अरूपलग्न वह खड़ी शीर्ण प्रियभावमग्न निरुपमिता। अचपल ध्वनि की चमकी चपला,बल की महिमा बोली अबला,जागी जल पर कमला, अमला वह नहीं और कुछ हाड़, चामङ्गजागा, जागा संस्कार प्रबल,रे गया काम तत्क्षण वह जल,देखा, वामा वह न थी, अनल प्रतिमा वह; इस ओर ज्ञान, उस ओर ज्ञान,हो गया भस्म वह प्रथम भान शारदा नीलवसना,,। आवेश में उसके केश खुल गए थे, आँखों से जैसे ज्वाला निकल रही थी,अपनी ही अग्नि में जैसे उसने अपने रूप को भस्म कर दिया था। तुलसी ने उसकी अरूपता देखी और सहम गए = ऐसा सौंदर्य उन्होंने पहले कभी नहीं देखा था। उसके शब्द उसकी अन्तरात्मा में पैठ गए और वह चलने को तैयार हो गए। रत्नावली को उस समय बोध हुआ कि यह बिछोह सदा के लिए होगा। उसके नेत्रों में आँसू भर आए, लेकिन तुलसीदास के लिए लौटना असम्भव था। वह उसे समझा बुझाकर चल दिये। और यह विजय भारतीय संस्कृति की विजय थी।

डॉ दिलीप अग्निहोत्री
www.womenexpress.in

मां कालरात्रि की उपासना से दूर होंगे संकट

संसार में धर्म की रक्षा तथा दैत्यों के विनाश के लिए ऋषिमुनियों ने जब जब ईश्वर से प्रार्थना की तबतब उस ईश्वर ने किसी शक्ति को धरा के कल्याण के लिए दैवीय शक्ति को उत्पन्न किया। ऐसे ही परम शक्ति माँ आदिशक्ति दुर्गा भवानी की उत्पत्ति ईश्वरीय इच्छा से हुई जिसमें अनेक देवी देवताओं की शक्ति समाहित है। माँ दुर्गा की सांतवी मूर्ति देवी माँ कालरात्रि की उत्पत्ति नवरात्रि के सातवें दिन होती है जो इस संसार के मानव का कल्याण करती है।

शारदीय नवरात्रि के सातवें दिन महासप्तमी होती है। इस दिन मां दुर्गा के सातवें स्वरूप कालरात्रि की पूजा का विधान है। मां दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती है। मां कालरात्रि को यंत्र, मंत्र और तंत्र की देवी कहा जाता है। इनका रंग काला है और ये तीन नेत्रधारी हैं। मां कालरात्रि के गले में विद्युत् की अद्भुत माला है। इनके हाथों में खड्ग और कांटा है और गधा इनका वाहन है। मां कालरात्रि को शुभंकरी भी कहते हैं। शक्ति का यह रूप शत्रु और दुष्टों का संहार करने वाला है। पौराणिक मान्यता है कि मां कालरात्रि ही वह देवी हैं जिन्होंने मधु कैटभ जैसे असुर का वध किया था। कहते हैं कि महासप्तमी के दिने विधि विधान से कालरात्रि की पूजा करने पर मां अपने भक्तों की सभी मनोकामनाएं पूर्ण करती हैं। मान्यताओं के अनुसार, मां कालरात्रि साधक के शत्रुओं का विनाश करने वाली हैं और हर परेशानी से भक्तों की रक्षा करती हैं। तंत्र साधकों के लिए मां कालरात्रि की पूजा विशेष फल देने वाली होती है। यही वजह है कि तांत्रिक आधी रात में मां कालरात्रि की विशेष पूजा करते हैं।

ऐसा भी कहा जाता है कि मां कालरात्रि की पूजा करने वाले भक्तों को किसी भूत, प्रेत या बुरी शक्ति का भय नहीं सताता। ये ग्रहबाधाओं को भी दूर करने वाली हैं। इस दिन साधक का मन सहस्त्रार चक्र में होता है। मां के इस स्वरूप को अपने हृदय में अवस्थित कर साधक को एकनिष्ठ भाव से उनकी अराधना करनी चाहिए। माँ काल रात्रि प्रत्येक भक्त का कल्याण करने वाली है। माँ के विषय में पुराणों में कई कथानक मिलते हैं। जिसमें सबसे प्रमाणिक दुर्गा सप्तशती है, जो दुर्गा के नवरूपों की उत्पत्ति के विषय को बड़े ही सार गर्भित रूप से जानकारी देती है। इसके अतिरिक्त भागवत तथा अन्य पुराणों में भी माँ की कथा व महिमा के अंश प्राप्त होते है। काल रात्रि को काली का ही रूप माना जाता है।

बाल मुकुन्द ओझा
वरिष्ठ लेखक एवं पत्रकार
मालवीय नगर, जयपुर ।
www.womenexpress.in

माता स्कन्द

सुख ,शांती प्रदान करती
माँ शेरावाली।
अत्याचारों को संहार कर माता रानी,
भक्त जनो के करती हमेशा रखवाली।।
नौ दिन में नवरुप बदल
कर अम्बे माँ,
पाचवाँ दिन कहलाती माता स्कन्द।
महिमा अजब निराली माँ आपकी,
रूप देखकर माँ की फीका
सूर्य, चंद।।
माँ की नौ दिन ज्योती
जले जिस घर में,
सभी संकटो को मिटा
कर दूर कर देती।
माता की नित्य पूजा,
अर्चना करने से,
भक्तो के सुख, शांति
संपन्नकर देती।।

हे! जग जननी दुःखो को हरणी,
कर जोड़ प्रणाम करूँ स्कन्द माता।
पंचप रूप धारण किया माँ दुर्गा जी,
भक्त जनो से माता की गहरी नाता।।
थाल सजा कर माता रानी
के दरवार में,
नारियल, अगरबत्ती, रोली
और चंदन।
लाल चुनरिया चढ़ा कर
पूजा अर्चना
माँ अम्बे के चरणों मे
मेरा चरण वंदन।।
दुःख हरणी जग की कल्याण कारी,

देबीदीन चन्दवँशी
अनूपपुर, मध्य प्रदेश ।
www.womenexpress.in

हे जगदम्बे मां

हे जगदंबे सुनो विनती मां
हाथ जोड़ करे हम प्रार्थना
अपनी सारे भक्तजनों को
प्यार भरा आशीष देना ।।
शक्ति हो तुम जगजननी मां
भक्ति हम तेरी करें सदा मैया
कष्ट हरो अब महामारी का
देखो कोरोना मां फैल रहा।।

चारों ओर अंधेरा है मैया
संकट के बादल छाए है,
तेरी कृपा का सूरज निकले
हम कष्टों से मुक्ति चाहते हैं।।
अहंकार का नाश हो मैया
काम क्रोध मोह दूर रहे ,
बनदुर्गा तुम आ जाओ मां
तेरे बालक तुझे बुलाते हैं।।

हम बालक नादान है मैया
यह अर्जी तुमसे लगाते हैं
कृपा रहे हम पर मां तेरी
हम तेरी शरण में आते हैं।।
रोग शोक और महामारी
दूर हमारी तुम करना मां
हे काल रात्रि जगदम्बा
आ जाओ तुम्हें बुलाते मां ।।

कोई रूठे या ना रूठे
मैया ना हमसे रूठना
हाथ तेरा सर पर हो मैया
जग जननी मां तुम्हें मानते है।।
एक ही रूप है शक्ति का
तुम्हें नौ रूपों में बुलाते हैं
भक्तों का उद्धार करो मैया
चरणों में शीश नवाते है।।

प्रतिभा दुबे
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

जय अम्बेजी...

कोई बजाए तालियां ।
अम्बेजी की ...
कोई मेवा भोग लगाए
कोई चने चिरोंजियां ,
कोई चंदन लेप लगाए
कोई खुशबू तीलियां ।
अम्बेजी की ...
तेरी भक्ति में प्रीत लगालें
और बने हमजोलियां ,
सुर की गंगा बहे जहां पर
और मीठीसी लोरियां ।
अम्बेजी की....

अम्बेजी की आरती
उतारें सब गांव में ,
कोई पीपल छांव में
कोई आंचल छांव में ।
अम्बेजी की ...
कोई फूंके शंख तो
कोई बजाए घंटियां ,
मैया के दरबार में

कार्तिकेय त्रिपाठी
इन्दौर ,(मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

सिंहवाहिनी दुर्गा

तुम्हारे घरसंसार पर ,
दरिद्रा कभी जो मंडराए,
अपनी कार्यकुशलता से,
गृह को धनधान्य से भर दो।
तुम अन्नपूर्णा देवी दुर्गा हो ,
सबकी सबल बनो ,तुम डिगो नहीं ।

पवित्रता की कसौटी पर जब ,
हरपल समाज तुमको परखे,
मत बनो फ़िर से सीताअहल्या,
न अब कोई अग्निपरीक्षा दो ,
तुम शक्तिस्वरूपा दुर्गा हो ,
संघर्ष करो , तुम थको नहीं ।
तुम्हारे सपने मारने की ,
गर किसी की साजिश हो,
तुम्हें रोक सकने वाली,
हर लक्ष्मणरेखा पार करो ,
तुम सिंहवाहिनी दुर्गा हो ,
प्रतिवाद करो, तुम डरो नहीं।

कलुषितमन का कोई दानव ,
गर तुम पर घात लगाए बैठा हो,
हाथों में लेकर शस्त्र तुम ,
अब असुरनिकंदन रूप धरो ,
तुम महिषासुरमर्दिनी दुर्गा हो ,
संघार करो , तुम थमो नहीं ।

दिव्यधामसे इस जग में ,
अज्ञान के बादल जब छाए,
धारण कर हाथों में वेद,
इस तमस को दूर करो ,
तुम वीणापाणी दुर्गा हो ,
निरंतर बढो, तुम रुको नहीं ।

मोनिका राज
मुरलीगंज, मधेपुरा, बिहार।
www.womenexpress.in

जय माता दी

अन्नपूर्णा मां ,सरस्वती मां,
अज्ञानता के अंधकार से हमें
निकारो मां।
माता आपके रूप अनेक और
अनेकों नाम
आप मोक्ष ममता की मूरत जैसे
चारों धाम
दुर्गा लक्ष्मी मां , कंकाली मां ,
समृद्धि का चोला देकर हमे
सवारो मां।।
बहुत अनेतिक कार्य सभी, है
अनेक संघर्ष
विपत्ति में साथ देकर करना
हमारा उत्कर्ष
भद्रकाली मां,कपालिनी मां,
संकट की विपदा में तुम हमें
निखारो मां।।

आप पधारो मां प्रणाम स्वीकार हो मां
जीवन की बाधाओं से हमें
उबरो मां।।
शक्ति आपकी भक्ति
भी,आपका ही सहारा
श्रृद्धा सुमन अर्पण करना,है
संकल्प हमारा
विरसिनी मां,शैल पुत्री मां,
सबल मनोबल देकर सारे कष्ट
निवारो मां।
ज्योत जली ज्ञान की मैया,
गली में हर द्वार
कोई ना भूखा रहे यहां पर देना
अन्न अपार

प्रणाली श्रीवास्तव
शहडोल, मध्य प्रदेश ।
www.womenexpress.in

मां दुर्गा के नौ रूप

नवदुर्गा के स्वरुप में,माँ का
करतें ध्यान।
प्रसन्न हो मात हमें,देती है वरदान।।
प्रथम रूप शैलपुत्री,कर विराजे त्रिशूल।
कृपा सदा माँ रखना,हम चरणों
की धूल।।
दुसरा ब्रह्माचारिणी,तप से हो प्रसन्न।
उर विचलित न हो पाए,बताए
कथा सार।।
तृतीय चंद्रघंटा, होती सिंह सवार।
शोभायमान हो रही ,माँ के
कर तलवार।।
चतुर्थ स्वरुप कुष्मांडा, पूजा करें विधान।
यश कीर्ति बुद्धि वैभव,हमको
देती दान।।
पंचम रुप स्कंदमाता,जन का
करें कल्याण।
मैया संकटनाशिनी ,भय से
देती त्राण।।
षष्ठ दिवस कात्यायनी,रहती
सिंह सवार।
चहूँ ओर हो रही है, जग में जय जयकार।।
कालरात्रि मात सप्तम, कृपा रखें अपार।
जो करता आराधना,मिट जाते
हैं पाप।।
अष्टम दिवस कन्या भोज,करें
गौरी सम्मान।
महागौरी के चरणों, चढ़ाएं भोग पान।।
नवम दिवस सिद्धिदात्री,
सर्वगुणों की खान।
भय बाधा को दूर कर,सिद्ध
करें सब काज।।

सुमन राठौड़
झाझड ।

नवरात्रि हाइकु

करें आरती।
सुबह चली जगदम्बा मंदिर
भक्तों की भीड़।

हर तरफ देवी गीत गूंजते
नवरात्रि में।
भक्तों को टोली भजन कर रही
नवरात्रि में।

देवी मंदिर गूँज रहे हैं श्लोक
भक्ति भाव से।
मेले लगते मंदिर प्रांगण में
नवरात्रि में।

लगा रहे हैं माता के जयकारे
जोश से सारे।
भजते रहो माता को हरदम
होगा कल्याण।

शेरावाली को सब करे नमन
नवरात्री में।
असुर मार करे जग जननी
जग कल्याण।
माँ के मंदिर चलो सब मिल के

महेंद्र कुमार वर्मा
पुणे [महाराष्ट्र] ।
www.womenexpress.in

वृध्दाश्रम मे मां

भूख मे तड़पत है मां घर की
मंदिर मे मालपुआ चढ़वाऐ।।

आज समाज की देखो ये व्यथा
मंदिर मे है शीश झुकाऐ।।

देखो कपड़े मां का मैले कुचेले
फटे पुराने तन पे समाऐ।
मंदिर मे जाके तुम ओ मानव
मां को तुम आज नवीन चुनर ओढ़ाऐ।।

आज समाज की देखो ये व्यथा
मंदिर मे है शीश झुकाऐ।।

निर्दयी, निर्लज्ज, निरमोही तुम कैसे
कलयुगी आज पुत्र कहलाऐ।
मां का ऐनक टूटा पढ़ा कहे
पैसे नही हैं
मंदिर मे माता को श्रृंगार चढ़ाऐ।।

आज समाज की देखो ये व्यथा
मंदिर मे है शीश झुकाऐ।।

देखो आज कैसा असभ्य समाज है
बेटा ही बना हर ओर पिशाच है।।
दूजों की बेटियों को हर करे शिकार
कैसा दुष्ट ये बेटियों का संहार है।।

आज समाज की देखो ये व्यथा
मंदिर मे है शीश झुकाऐ।।
कहतें हैं वेद बेटी, मां,बहन माता का रुप
माता के रूप पे ही हर पल वार है।।
आज फिर क्यों पिशाची दानव मानव
माता का करे क्यों यू सतकार है।।

आज समाज की देखो ये व्यथा
मंदिर मे है शीश झुकाऐ।।

घर मे मां भूखी है सोच तेरा
फर्ज़ है फर्ज़ निभाना।।
मां खुश होगी ढर की तेरी
तभी माता का तू आशिष पाना।।
आज समाज की देखो ये व्यथा
मंदिर मे है शीश झुकाऐ।।

जन्म दिया जिस मां ने तुमको
उसकी हम आज व्यथा सुनाऐ
पीड़ा देते नित नित उसको
जो तुम्हरे घर मे समाऐ।।

आज समाज की देखो ये व्यथा
मंदिर मे है शीश झुकाऐ।।

घर की मां को घर ना दिये तुम
वृध्दावस्था मे वृध्दाश्रम दिखाऐ
बाहर से लाऐ मां की तुम मूरत
उसे मंदिर मे सजाऐ।।

आज समाज की देखो ये व्यथा
मंदिर मे है शीश झुकाऐ।।
घर मे मां को ना भोजन दिया
मंदिर मे वक्त पे दीप जलाऐ

वीना आडवाणी
नागपुर, महाराष्ट्र ।
www.womenexpress.in

महिषासुरमर्दिनी

विष्णु और महेश के शक्ति
पुंज का मेल हुआ जब,
ज्वाला सी प्रगट हुईं
महिषासुरमर्दिनी माता तब,

सभी देवताओं में अपने अस्त्र
शस्त्र अर्पित दिए,
माता से विनती की महिसासुर
से मुक्ति दिलाएँ,

माँ सिंह पे सवार होकर चल
पड़ीं युद्ध के लिए,
माँ ने दण्ड से सभी असुरों के
सिर काट गिराए,

महिसासुर का किया
अंत,महिषासुरमर्दिनी कहाई,
माँ की हुंकार मात्र से
धूम्रविलोचन कण कण में बदला,
रक्तबीज और शुम्भनिशुम्भ
जैसे दैत्यों अंत किया,

माँ ने ये वरदान दिया,जब जब
पाप बढ़ेगा जग में,
जब जब दुर्गा आएँगी, पापियों
का विनाश करने,

माँ ही दुर्गा,माँ ही काली,भक्तों
की करती रखवाली,
विंध्याचल के ऊंचे शिखरों में
माँ का है निवास सदा,

माँ के सुंदर मुख मंडल में
ममता का सागर दिखता,
हर विपदा से मुक्ति मिले जो
कोई माँ का जप करता।

नीलम द्विवेदी
रायपुर, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

सुंदरता की मुस्कान

सागर की लहरों की
गाने में हवा बड़ी खूबसूरती
से उड़ती है
उस सुंदरता की हँसी में
आकाश बादलों में रंग रहा है
इस कदर ...
प्रकृति बनाने का गुण
भोग न कर पाने से आदमी
पीड़ित होता है
वह पीड़ा बिना अर्थ के नहीं है
आज के जीवन की अंतरंगता में
मनुष्य के लिए प्रकृति का
आनंद लेना असंभव हो गया है ...।
हालांकि क्या?
सुंदरता की मुस्कान में
स्वाभाविक रूप से प्राकृतिक
सुंदर है उतना ही, वास्तव में सच

ओटेरी सेल्वा कुमार

दरवाजे पर दस्तक

केद यादें
रह रहकर हमें रुलाती है
जब याद अपनों की आती है
दरवाजे पर दस्तक
भले ही हवाओं ने दी हो
बावले मन को पग पग
दोडा जाती है
विदाई और यादों की
राजदार नहीं होती है आँखे
क्योकि ये दुःख दर्द की
वेदना को पचा नहीं पाती
ये आँखे बिना कहे बता जाती
इनके रिश्तों को
आंसू बन.

मन में दुःख की बदली
घुमड़ जाती
यादें आँखों से आँसू बन
बरस जाती
विदाई को जेसे आँखों को
रुलाने का प्रमाण पत्र मिला हो
घर आँगन की तस्वीरों में

संजय वर्मा
धार (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

काश..! एक बार तुम मेरी खामोशी सुन लेते

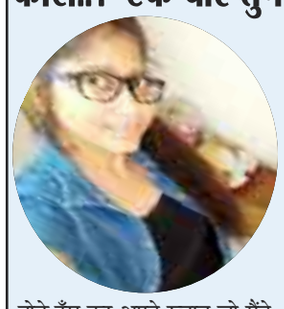

तुम जाओ वहीँ
पर जाने से पहले, मुझे किस
रास्ते छोड़ा, उसका पता बता देते
काश..! एक बार तुम मेरी
तन्हाई चुन लेते..!

नही तुमसे तुम्हारा वक़्त चाहा
न खुदा से कभी तुमको ही
माँगा
आरजू एक तेरी खुशी की, जो
करनी चाही थी साँझा
मुस्कुरा कर एक बार तुम मेरे
होंठों पर अपनी हँसी रख देते
काश..! एक बार तुम सिर्फ मेरे
लिये हँस लेते..!

कितनी उल्फत है तुम्हारे लिये
क्यो जलते हैं तुम्हारें हसरत के दिये
क्यो रोती आँखे देख हँसती तुम्हें
क्यो हर शब्द निःशब्द हो जाते
इन सब की वजह तुम खुद
बुन लेते
काश..! एक बार जो तुम मेरी
खामोशी सुन लेते..!

तोड़े हँस कर अपने ख्वाब जो मैंने
तुम उन्हें अपने पलको पर बुन लेते
काश...! एक बार तुम मेरी
खामोशी सुन लेते..!

कितना झूठ कितनी सच्चाई,
क्या कब किसके हिस्से में आई
इसका फैसला तुम खुद कर लेते.!
खोलें दरवाजे झूठ के तो मुझे
उस झूठ में जीने देते.!
काश...! एक बार तुम मेरा दर्द
समझ लेते..!

नही चाहत, तोड़ो चाँद तारे तुम
मेरे लिये
नही हसरत करो कोई वादा,
संग साथ रहने के लिये
मन्ज़िल तुम्हारी जिस राह है

पूनम बागड़िया, पुनीत
नई दिल्ली ।
www.womenexpress.in

है कौन जो सुने पुकार

मां बहन बेटी अब
घर में हो गई कैद
यह आजादी पर हमला है
ध्यान रहे नारी अब सबला है ।

घर की बातें अब
हो गई सरेआम
भाई भाई का दुश्मन हो गया
दुश्मन हो गया अब दोस्त

मन की व्यथा कहां कहें
दिल खूब रुदन करता है
देख दुनियादारी का रंग
मेरा रंग उड़ता है।

है कौन जो सुने पुकार
मन शोर करे बेशुमार है
कौन सुने अब फ़रियाद
जब दुश्मन हो गए खुद यार

लालच ने सब को घेरा है
हर तरफ अंधेरा ही अंधेरा है
इंसानियत चीख रही है
बेईमानों के सिर सहरा है

नीरज सिंह
टनकपुर (चंपावत)।
www.womenexpress.in

कैसी है यह सहानुभूति

दी अपनी मति !
नशे की मुस्कुराहट में , दिखा
रहा है सहानुभूति !!
चंद पैसो की लालच में , खो
रहा है अपनी मति !
इंसानियत को बेच कर , दिखा
रहा है सहानुभूति !!
हवाओं के रुख में , इंसान ने
फ़ेर दी अपनी मति !
अब दीर्घकाल के लिए, दिखा
रहा है सहानुभूति !!
सत्यता की राहों से , भटका
रहा है अपनी मति !
उजाले की आशाओं में, दिखा
रहा है सहानुभूति !!
काल्पनिक मुखौटा से , दिखा
रहा है अपनी मति !
इंसानियत की आड़ में , कैसी
है यह सहानुभूति !!

आडम्बर का रूप लिए , चल
रहा है ऐसी गति !
वास्तविकता से हटकर , इंसान
की सहानुभूति !!
क्षण भर मिठी बोली से , भूल
गया हैं अपनी मति !
इंसान को परखें बिना , दिखा
रहा हैं सहानुभूति !!
देख रंग बिरंगे व्यंजनों को ,
बहा दी अपनी मति !
पकवानों के चक्कर में, दिखा
रहा है सहानुभूति !!
महंगी वाली शराब पीकर , बेच

कुमार जितेन्द्र
बाड़मेर, राजस्थान ।
www.womenexpress.in

मुट्ठी भर आसमाँ

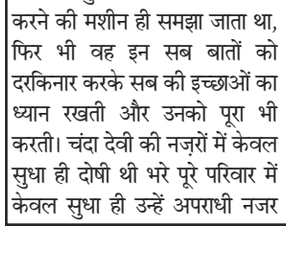

आती थी और हर छोटी बड़ी गलती
का दोष वह उसके ऊपर मड़ती रहती
थी। समय के साथ साथ ये चीजें
घटने के बजाय बढ़ती जा रही थी।
घर में बड़ी बहू होने के बावजूद घर
के छोटे उस पर आधिपत्य जमाने का
प्रयास करते क्योंकि उन्हें उनकी मां
चंदा देवी का पूर्ण सहयोग था। सुधा
के पति और ससुर सब समझते थे
परंतु गृह क्लेश के भय से वे अपना
मुंह अधिकतर बंद ही रखते। सुधा
का हृदय टूट चुका था और मन का
दर्द अब धीरेधीरे शरीर पर आ चुका
था। वह बीमार रहने लगी थी। परंतु
चंदा देवी ना जाने किस मिट्टी की
बनी थी। अपने बच्चों के लिए
उनकी आंखें नम हो जाती थी पर
सुधा के हृदय की पीड़ा उन्हें नजर
नहीं आती थी। सुधा के प्रति उनका
व्यवहार सदा शत्रुवत ही बना रहता।
आज तो हद ही हो गई। उन्होंने उसे
कहीं चले जाने को कह दिया। सुधा
खड़ी खड़ी सोच रही थी कि कहां
जाए वो.... क्या ये उसका अपना घर
नहीं है? उसने अपनी जिंदगी के
अनमोल वर्ष दिए इस घर को और
सुधा ने क्या मांगा ऐसा बस अपने
सपनों की उड़ान भरने के लिए मुट्ठी
भर आसमाँ.....कब मिलेगा.... उसे
उसका सिर्फ मुट्ठी भर आसमाँ....

औरत ही औरत की दुश्मन होती
है ये कहावत अभी तक केवल सुधा
ने सुनी ही थी,पर आज वह उसको
महसूस कर रही थी उसके पैरों तले
जमीन खिसक चुकी थी। जब उसे
यह पता चला था कि जिस घर को
वह अपने सपनों का संसार समझकर
सजा रही है, उसमें खुशियां भरने की
कोशिश कर रही है, असल में उसका
है ही नहीं। चंदा देवी, सुधा की सास
हमेशा उस पर आधिपत्य जमाए रहतीं
और सुधा को कभी भी उसके अपने
घर जैसा महसूस नहीं होने देती।
सुधा ने पुरजोर कोशिश की पर
हमेशा सुधा उनकी आंखों की
किरकिरी ही बनी रही। बिन मां बाप
की बच्ची सुधा जिसकी आंखों में
सबसे प्यार और थोड़ा सा सम्मान
पाने की चाहत थी पर अफ़सोस
उसके ससुराल में उसे केवल काम
करने की मशीन ही समझा जाता था,
फिर भी वह इन सब बातों को
दरकिनार करके सब की इच्छाओं का
ध्यान रखती और उनको पूरा भी
करती। चंदा देवी की नज़रों में केवल
सुधा ही दोषी थी भरे पूरे परिवार में
केवल सुधा ही उन्हें अपराधी नजर

शालिनी शर्मा
इटावा, उत्तर प्रदेश।
www.womenexpress.in

रुका नहीं हूं

थका हूं निश्चित, रुका नहीं हूं।
किसी के आगे, झुका नहीं हूं।
कमी लाख है, मुझमें लेकिन,
नज़र से खुद की, गिरा नहीं हूं।
बहुत हैं दुश्मन,जग में मेरे,
उनसे कभी तो ,डरा नहीं हूं।
माना मंजिल, दूर है फिर भी,
लक्ष्य से किंचित, हटा नहीं हूं।
की है मैंने ढेर गलतियां,
आदमी हूं मैं,खुदा नहीं हूं।

बिनोद बेगाना
जमशेदपुर, झारखंड ।

दिल ने तड़प कर पुकारा तेरा नाम

खूवाबों में तो आज भी आते हो तुम,
टूटने ना दिया सिलसिला
अपनी मुहब्बत का॥
क्या करना अब उस मंजिल
को हासिल करके,
साथ ही छोड़ गया जो मेरा
साथी था मंजिल का।
हासिल तो कर लेंगे हम सब
खुशियां इस ज़माने की,
रहेगा एक ग़म दिल में जिंदा
तुझसे अधूरी मुहब्बत का॥

जब कभी दिल को समझाऊ तू
अकेला है,
अब नहीं कोई नहीं राहगीर तेरी
मंजिल का ।
दिल ने तड़प कर पुकारा तेरा नाम,
आँखों से आँसू छलका शायद
तेरी मुहब्बत का॥
हम तो समझे थे आसानी से
भूला देंगे तुझे,
सुन कर किस्सा तेरी बेवफाई का।
बहुत कोशिश की इस दिल को
समझाने की
पर यह दिल तो दीवाना है तेरे
मुहब्बत का॥
कैसे मान लेते हम तुमको बेवफ़ा,
जब निभाया तो हर वादा तुमने
दोस्ती का।

मुक्ता शर्मा
मोहाली ।

बहन का अभिमान होता है भाई

रुठी हुई बहना को मनाता है भाई!
गलती पर मुझ को डांटता है भाई
मुझ से सुख दुःख बांटता है भाई!

सभी उलझन को सुलझाता है भाई
छोटेछोटे बच्चों सा इठलाता है भाई!

अपनी जिम्मेदारियां निभाता है भाई
मातापिता सा प्यार जताता है भाई!

बहन का अभिमान होता है भाई
बहन के संग हंसता रोता है भाई!
लड़ झगड़कर मुंह फुलाता है भाई

श्वेतल बेथारिया
अमरावती, महाराष्ट्र!
www.womenexpress.in

सिराज को नई गेंद देने का फैसला कारगर रहा: विराट

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)
अबू धाबी, 22 अक्टूबर । कोलकाता नाईट राइडर्स के खिलाफ मिली शानदार जीत से गदगद रॉयल चैलेंजर्स के कप्तान विराट कोहली ने कहा है कि तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को नयी देने का फैसला कारगर रहा।

विराट ने बुधवार को आठ विकेट से मिली जीत के बाद कहा कि भले ही लोगों को बेंगलुरु की टीम में विश्वास न हो लेकिन उन्हें और सभी खिलाड़ियों को टीम पर पूरा भरोसा हैं। विराट ने कहा, 'ईमानदारी से कहूं तो हमने सिराज को नयी गेंद देने का फैसला गेंदबाजी करने से ठीक पहले किया लेकिन यह फैसला कारगर रहा। मैच की शुरुआत से पहले मैं वाशिंगटन सुन्दर से गेंदबाजी शुरू कराने की सोच रहा था। जब हमने पिच देखी तो वो शुष्क लग रही थी।

टॉस के दौरान भी मैंने कहा था कि हम टॉस हारकर खुश हैं क्योंकि पहले बल्लेबाजी के मुकाबले लाइट्स में इस पिच पर बल्लेबाजी करना आसान है।'

उन्होंने कहा, 'हमारे पास वाशिंगटन और क्रिस मोरिस के साथ पारी की शुरुआत कराने का विकल्प था लेकिन इस बार हमने सोचा था कि मोरिस के साथ क्यों न सिराज नयी गेंद से गेंदबाजी करे। मैंने स्पष्ट रूप से उन चीजों के बारे में सोचा था जो हम मैदान पर लागू कर सकते थे। टीम प्रबंधन योजना के साथ काम कर रहा है।' सिराज ने मैच के अपने पहले दो ओवरों में तीन विकेट लिए और प्लेयर ऑफ द मैच बने। कप्तान ने कहा, 'हमारे पास मैदान में दो योजनाएं होती हैं और टीम के खिलाड़ी उसे लागू कर रहे हैं इसलिए हमारा प्रदर्शन अच्छा हो रहा है।

मुझे नहीं लगता है कि बहुत लोगों को बेंगलुरु की टीम पर भरोसा हैं लेकिन मुझे और ड्रेसिंग रूम में सभी खिलाड़ियों को है और वही मायने रखता है। हमारे पास कौशल है। आपके पास दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हो सकते हैं लेकिन अगर आपके पास विश्वास नहीं है तो आपके पास मैदान पर परिणाम नहीं होंगे।' उन्होंने गेंदबाजों की प्रशंसा करते हुए कहा, 'मोरिस नयी जिम्मेदारी को अच्छे से संभाल रहे हैं। उन्हें नेतृत्व करना अच्छा लगता है।

राजद्रोह केस में मुंबई पुलिस ने कंगना और बहन रंगोली को भेजा समन

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)
मुंबई, 22 अक्टूबर । बांद्रा पुलिस ने राजद्रोह मामले में बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत और उनकी बहन रंगोली चंदेल को समन भेजा है। दोनों बहनों को सोमवार और मंगलवार को क्रमशः पुलिस स्टेशन बुलाया गया है।

एक वकील की ओर से दायर की गई शिकायत पर बांद्रा कोर्ट के मजिस्ट्रेट के आदेश पर यह मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद अभिनेत्री ने ट्वीट कर महाराष्ट्र सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि बहुत याद आती है कंगना, कोई बात नहीं जल्दी आ जाऊंगी। समन भेजे जाने को लेकर पुलिस अधिकारी ने बताया कि अपनी टिप्पणियों के जरिये समुदायों के बीच कथित तौर पर वैमनस्य को बढ़ावा देने को लेकर उन दोनों (कंगना और

रंगोली) के खिलाफ दर्ज मामले के सिलसिले में बयान दर्ज किए जाने हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अदालत के निर्देशों पर बांद्रा पुलिस ने रनौत और उनकी बहन (रंगोली) के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 153 ए (धर्म, नस्ल आदि के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच वैमनस्य को बढ़ावा देना), 295ए और 124ए (राजद्रोह) तथा 34 के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई थी। उन्होंने बताया कि हमने रनौत और उनकी बहन को नोटिस जारी कर उन्हें उनके खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के सिलसिले में पुलिस के समक्ष पेश होने को कहा है। दोनों बहनों को सोमवार और मंगलवार को बारी बारी से बुलाया गया है।

बता दें कि 17 अक्टूबर 2020 को बांद्रा मेट्रोपोलेटिन मजिस्ट्रेट की अदालत ने पुलिस को बॉलीवुड के कास्टिंग निर्देशक एवं 'फिटनेस ट्रेनर' मुनव्वर अली सैयद द्वारा दायर की गई शिकायत की जांच करने का आदेश दिया था। शिकायत में रनौत और उनकी बहन के ट्वीट तथा अन्य बयानों का जिक्र किया गया था। बता दें कि बांद्रा कोर्ट ने कास्टिंग डायरेक्टर साहिल अशरफ सैय्यद की शिकायत के बाद हाल ही में कंगना और उनकी बहन के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने के आदेश दिए थे।

नवदुर्गा- सप्तम देवी मां कालरात्रि

एकवेणी जपाकर्णपूरा नग्ना खरास्थिता।
लम्बोष्ठी कर्णिकाकर्णी
तैलाभ्यक्तशरीरिणी॥
वामपादोल्लस ल्लोहलताकण्टक
भूषणा। वर्धन्मूर्धध्वजा कृष्णा
कालरात्रिर्भयंकरी॥

माँ दुर्गा की सातवीं शक्ति कालरात्रि के नाम से जानी जाती हैं। नवरात्रि के सातवें दिन माँ कालरात्रि की उपासना की जाती है। इस दिन साधक का मन सहस्रार चक्र में स्थित रहता है। इसके लिए ब्रह्मांड की समस्त सिद्धियों का द्वार खुलने लगता है। देवी कालात्रि को व्यापक रूप से माता देवी काली, महाकाली, भद्रकाली, भैरवी, मृत्यि, रुद्रानी, चामुंडा, चंडी और दुर्गा के कई विनाशकारी रूपों में से एक माना जाता है। रौद्री और धुमोरना देवी भी इनको कहा जाता है ।

सांसारिक स्वरूप में यह कालिका का अवतार यानी काले रंग रूप की अपनी विशाल केश राशि को फैलाए हुए चार भुजाओं वाली देवी है। यह वर्ण और वेश में अर्द्धनारीश्वर शिव की ताण्डव मुद्रा में नजर आती है । इसकी आंखों से अग्नि की वर्षा होती रहती है । एक हाथ से शत्रुओं की गर्दन पकड़कर दूसरे हाथ में खड़क तलवार से युद्ध स्थल में उनका नाश करने वाली मां कालरात्रि का रूप भयंकर है इनकी सवारी गर्दभ यानी गधा है जो समस्त जीव जन्तुओं में सबसे अधिक परिश्रमी और निर्भय होकर अपनी अधिष्ठात्री देवी कालरात्रि को लेकर इस संसार में विचरण करताहै । इन्हे कराली भयंकरी कृष्णा और काली माता का स्वरूप भी प्रदान है लेकिन भक्तों पर उनकी असीम कृपा रहती है और उन्हें वह हर तरफ से रक्षा ही प्रदान करती है। ये सदैव शुभ फल देने वाली मानी जाती है। इसलिए इन्हें शुभंकरी भी कहा जाता है।

मां कालरात्रि दुष्टों का विनाश और ग्रह बाधाओं को दूर करने वाली हैं। इनके उपासकों को अग्निभय, जलभय, जंतुभय, शत्रुभय, रात्रिभय आदि कभी नहीं होते। इनकी कृपा से वह सर्वथा भयमुक्त हो जाता है।

माना जाता है कि देवी के इस रूप में सभी राक्षस,भूत, प्रेत, पिसाच और नकारात्मक ऊर्जाओं का नाश होता है, जो उनके आगमन से पलायन करते हैं

सर्वसाधारण के लिए यह मंत्र
या देवी सर्वभूतेषु माँ कालरात्रि रूपेण संस्थिता। नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः।।

अर्थ – हे माँ! सर्वत्र विराजमान और कालरात्रि के रूप में प्रसिद्ध अम्बे, आपको मेरा बारबार प्रणाम है। या मैं आपको बारंबार प्रणाम करता /करती हूँ। हे माँ, मुझे पाप से मुक्ति प्रदान करिये।

जय माता दी

मधुलिका राय
गाज़ीपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

जल्द शादी के बंधन में बंधेगी सिंगर नेहा कक्कड़

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)
मुंबई, 22 अक्टूबर । प्रसिद्ध सिंगर नेहा कक्कड़ और रोहनप्रीत सिंह ने हाल ही में अपने रिलेशनशिप पर मुहर लगाई थी, जिसके बाद से दोनों की जल्द शादी की खबरे सोशल मीडिया पर लगातार आ रही थी। दोनों जल्द ही शादी के बंधन में बंध सकते हैं।

हालांकि शादी की तारीख अभी सामने नहीं आई है। दरअसल नेहा कक्कड़ ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें साझा की है, जिसमें वह पंजाबी सिंगर रोहनप्रीत सिंह संग नजर आ रही हैं।

इन तस्वीरों में नेहा के हाथ में मेहंदी लगी है, वहीं रोहनप्रीत ने अपने हाथों में एक बोर्ड पकड़ा हुआ जिस पर लिखा है'विल यू मैरी मी'। इन तस्वीरों को फैंस के साथ साझा करते हुए नेहा ने लिखा'यह उन दिनों की तस्वीरें है जब उन्होंने मुझे प्रपोज किया था।' इसके साथ ही नेहा ने रोहनप्रीत को टैग करते हुए लिखा'जिंदगी तुम्हारे साथ बहुत खूबसूरत है।' इसके साथ ही नेहा ने हैशटैग नेहूप्रीत और नेहा द व्याह भी लगाया है। वहीं रोहनप्रीत ने नेहा द्वारा शेयर की गई इन खूबसूरत तस्वीरों को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए एक प्यारा सा नोट लिखा है। रोहनप्रीत ने लिखा'अरे मेरा प्यार सबसे पहले, मैं आपको बताना चाहता हूं कि.. जिस दिन से मैं आपसे मिला था, मेरी मुस्कान के साथ मेरा संबंध और मजबूत हो गया है। जिस दिन हमारा रोका हुआ, उस दिन मुझे महसूस हुआ कि मेरा सबसे हसीन ख्वाब पूरा हो गया और मैं चाहता हूं कि हमारा हर एक पल इतनी ही खुशियों से भरा हो..टचवुड! साणु करे कि दी वी नजर न लगे। मैं वादा करता हूं कि मैं तुम्हारे हर दर्द का ख्याल रखूंगा और उसके बदले मैं तुम्हे दुनिया की सारी खुशियां दूंगा!

इसके साथ ही रोहनप्रीत ने भी हैशटैग नेहूप्रीत और नेहा द व्याह भी लगाया है। सोशल मीडिया पर दोनों की इस क्यूट तस्वीर को काफी पसंद किया जा रहा है। इसके साथ रोहनप्रीत ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक छोटा सा वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें नेहा के साथ उनके भाई टोनी कक्कड़ और बहन सोनू कक्कड़ एक फ्लाइट में बैठे हुए है।

ख़ूयाल तुम्हारा क्यों है

तेरे कुचे में सर पर मेरे,
पत्थरों की बारिश है,
दिल आशना है रह रह के,
तुझको पुकारे क्यों है,

ज़िन्दगी के चेहरे से,
हट चुका है नक़ाब,
ज़माना फ़िर भी मुझको,
नाम से तेरे पुकारे क्यों है,
लोग भूल ही जाते हैं,।

नींद तो बस मेरी ,
ख़्वाब तुम्हारा क्यों है।
मेरी फिक्र नहीं ,
ख़याल तुम्हारा क्यों है।
वक़्त के साथ सब ही,
बदल गया लेकिन,
दिल कम्बख्त मेरा,
आज भी तुम्हारा क्यों है,

तुम्हारी तरह मुश्ताक़
मेरे लबों पर हर वक़्त,
ज़िक्र तुम्हारा क्यों है,

डॉ. मुश्ताक़ अहमद शाह
सहज़, मध्यप्रदेश ।
www.womenexpress.in

यही कामना करती हूँ

इस नवरात्रि यही कामना
यही दुआ माँ दुर्गासे एक करती हूँ।
कोई माँ ना रूठे ,हर ख़ुशी हर लम्हा
हर माँ का ख़ुशी ख़ुशी बीते।
मोहताज न हो हँसी की वो,
ग़म से उसका कभी ना कोई
नाता हो। नज़ारे वो दिखाना उसे
जो उनकी नज़रों को भाता हो।।
ऐसी उनको एक सौग़ात मिले,
हर माँ क़ो उसके अपनो का
सच्चा साथ मिले।।
अपनो का निस्वार्थ प्यार मिले।

दिल से जुड़े हर रिश्ते में उसके
हर रिश्ते को भरपूर मानसम्मान मिले।
यही कामना यही इबादत
इस नवरात्रि में करती हूँ।
हर को बस थोड़ा प्यार मिले
हर माँ क़ो बस सम्मान मिले।।

सुनीता अग्रवाल
राँची, झारखंड ।

कहीं धूप कहीं छाया...!

अवतरित धरा पर मानुष,
टटोलता चैन की चाह।
सुख तो सारे बट चुका,
कैसे हो प्रफुल्लता की राह।
घरद्वार टूट गया जब,
हिस्से में बाँटा जाता हो।
एक कनिक की दाना तब,
बंटवारा हिस्से में आता हो।
अब सुख चैन को ढूंढे कहाँ,
जहाँ रिश्ते भी बाँटे जाते हो।
देख हृदय की पीड़ा दुःखती,
कलेजा फट से जाते हो।
तिनका तिनका संजोया,
घर की नींव जो डाला हो।
सुख भी हिस्से से चले जाते,
दुःख का जब बंटवारा हो।
स्वयं सुख की चाहत में,
न अपनो की परवाह किया।
जलसा देख शामिल थे जो,

दुःख में पल्ला झाड़ दिया।
कसता था जब ताना बाना,
सुखदुःख की जंजीर में।
कौन था अपना कौन पराया,
दुनिया के इस भीड़ में।
धूप छाँव एक शाख जो,
दुःख सुख रूप सामान।
धूप की ताप तेज जो,
छाया खोजें इंसान।
यादों की धुंधले दर्पण में,
बीते हर बात की छाया है।
सुखदुःख की फेर में,
कुछ खोया है कुछ पाया है।
पलक बन्द होते ही क्यो,
आँखों को आभास अँधेरा।
पल अजीब अनमोल है,
मिला सौभाग्य सुनहरा।
सिलसिला चलता रहेगा,
कारनामो के है ये दौर में।
बिखेर यादे बिसराना,
जीवन अविरल ठौर में।
दुःख निर्विकार घूमता सदा,
लुटिया फिर क्या गौर।
सुख वैभव मन हर्षित,
सिर पर बाँधे मौर।

दिब्यानन्द पटेल
कोरबा, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

दुर्दशा किसे कहते हैं?

भूख से बिलबिला रहे हैं !
जिन्हें उनके मां बाप ,
मांग कर लाई गई ,
सूखी बासी रोटियां खिला रहे हैं !
जिंदगी गुजर रही है
रोज कुछ इसी तरह !
सड़क किनारे, खुली जगह ?
ये भी देखते हैं भविष्य का सपना !
धरती की गोद में सोते हैं ,
आसमान की ओर ताकते हैं !
सूरज को देखकर खुश होते हैं !
सोचते हैं, पूरा संसार है अपना !
और, यह हमारे लिए ही है बना ?
देश में कोई भी सरकार हो ,
कोई फर्क नहीं पड़ता !
हमारी गरीबी हमसे न हो कभी जुदा !
जिसे ,कोई हमसे छीन नहीं सकता !
कोई धनकुबेर कोई सरकार ,
कोई भगवान या कोई खुदा ???

सड़क किनारे /पेड़ के नीचे ,
चिथड़े बिछाकर ,
आसमान की ओर ताकते हैं !
घूम घूमकर ,भीख मांग कर ,
खाते पीते ,जमीन पर ,सो जाते हैं !
जवान बेटियाँ ,सिहर उठती हैं ,
कोई सीटी बजाकर ,गुजर जाता है !!
सामने खड़ी अट्टालिकाएं ,
कर रही हैं अट्टहास !
गरीबी का ,उड़ा कर मजाक ?
अकड़ कर ,खड़ी हैं ,
धनकुबेरों पर मेहरबान !
निष्ठुर बड़ी हैं ! छोटे छोटे बच्चे ,

पद्ममुख पंडा
रायगढ़, छत्तीसगढ़ ।
www.womenexpress.in

श्रम का सूरज उगाएंगे हम

श्रम का सूरज उगाएंगे हम
गीत खुशियों के गाएंगे हम।।

कर्म ही देवता हो जहाँ
ऐसी दुनिया बसाएंगें हम।।

पारस हाथों में ही होता है
माटी सोना बनाएंगे हम।।

भाग्य की छोड़ बैसाखियाँ
कर्म पथ पग बढ़ाएंगे हम।।

शिवम सिंह
कानपुर ।

मैं कलमकार हूं...

अपनी सच्ची ताकत लिखती हूं।
किसी भी कीमत पर मेरी
ये,कलम नहीं है बिक सकती
इस कलम धार से समय की
धारा को भी बदल मैं सकती हूं।

अपनी इस दुनिया से लड़ती हूं।
कभी शब्दों से ही फूल
तो,अंगारे बरसाकर कभी कभी
लोगों के हक़ की खातिर
मैं,उनकी आवाज भी बनती हूं।

मैं कलमकार हूं...कलम से
अपनी बस सच्चाई लिखती हूं।
मैं खूबी नहीं कमजोरी को भी
लिखने की रखती ताकत
मैं बेबाकी से झूठ को हरदम
बेपर्दा भी करती हूं।

मैं कलमकार हूं...कलम से
अपनी नया सृजन नित करती हूं।
मन के भावों को मोती सा,
शब्दों का रूप नया देकर
कोरे कागज़ पर कितने ही,नव
गीत गजल में लिखती हूं।
मैं कलमकार हूं...क़लम को

मैं कलमकार हूं...कलम से
अपनी जोश नया एक भरती हूं।
शब्दों के जरिए लोगों का,
बरसों से सोया ज़मीर जगा
जन जन में नई एक क्रांति
का,आगाज़ सदा ही करती हूं।

मैं कलमकार हूं...कलम से
अपनी नव इतिहास भी रचती हूं।
मैं वीर सपूतों के बलिदानों की
गौरव गाथाएं लिख
इतिहास के स्वर्णिम पृष्ठों
पर,नित अजर अमर भी करती हूं।
मैं कलमकार हूं...कलम से

मैं कलमकार हूं...कलम से
अपनी आस यही एक रखती हूं।
ना बिकने की,ना छपने की
कोई रखती मन में चाह कभी।
फिर आए एक बदलाव
नया,बस इतनी चाह मैं रखती हूं।

मैं कलमकार हूं... क़लम से
अपनी सच्चाई को लिखती हूं।
मैं कलमकार हूं... क़लम को
ही बस अपनी ताक़त लिखती हूं।

पवन सोलंकी
सुमेरपुर, पाली, राजस्थान।
www.womenexpress.in

मेरे मौन को मेरी भाषा समझ लेना...

मेरे मौन को मेरी भाषा
समझ लेना ।।
बहुत कुछ कहना चाहती हूँ,
मेरे एहसासों को समझ लेना,
कई बातों से तेरी दुख होता
है फिर भी ,
मुस्कुराहट होठों पर ले आती हूँ ।।
कह नहीं पाती तुमको कुछ भी
यह जानते हुए भी कि तुम मेरे हो
क्यों नहीं समझ जाते तुम फिर भी
मुस्कुराहट होठों पर ले आती हूँ ।।

तुम्हारे साथ चलने की ख्वाहिश में ,
अपने बहुत से सपने पीछे छोड़
आई हूँ ,
समझते हुए भी कि तुम पूरा नहीं
करोगे फिर भी
मुस्कुराहट होठों पर ले आती हूँ ।।
मेरी कहीं बहुत सी बातें ,
तुम्हें बुरी लग जाती हैं ,
ना जाने क्यों समझती नहीं
मै फिर भी,
मुस्कुराहट होठों पर ले आती हूँ ।।
मेरी मुस्कान को मेरा दर्द
समझ लेना ,
मेरी बातों से मेरा मर्म समझ लेना ,
प्यार होता है मुझे तुम्हे
देख फिर भी
मुस्कुराहट होठों पर ले आती हूँ ।।

सारिका जागृति
ग्वालियर (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

प्रेम की कलम, कलाम

रचना हिन्दुस्तानी थी।
रची और रचाई थी।

देशभक्त छंदों से बनी थी।
हर देश भक्त ने पढ़ी थी।

याद की नही याद हो गई थी।
राष्ट्रप्रेमी दिलों में छा गई थी।

कलाम नही
प्रेम की कलम थी।
हिन्दुस्तानी दिलों पर चली थी।

न हिन्दू न मुस्लिम थी।
देश भक्ति की मशाल थी।
कलाम नही प्रेम की कलम थी।।

अमिट सी स्याही थी।
राष्ट्र प्रेम से बनी थी।
न मिटी ना मिटाई थी।

सुखदेव टैलर, निम्बी जोधाँ
नागौर, राजस्थान।
www.womenexpress.in

यादगार लम्हें

हर दिन अपने साथ यादगार
लम्हें लाता है।।
कुछ लम्हें हम तस्वीरो मे कैद
कर लेते है,
कुछ लम्हें जिन्हें हम कभी ना
भूलते है,,
कुछ लम्हें हम हर किसी से
शेयर करना चाहते है,
कुछ यादगार लम्हें हम कभी ना
भूला पाते है।।

हम क्या सोचते और क्या हो
जाता है,
और आगे क्या होगा ये कौन
जानता है,,
पर कहते है कि वक्त अच्छा हो
या बुरा,
हमेशा कुछ यादगार लम्हें छोड़
जाता है ।।

हर दिन हम एक नई सोच के
साथ शुरूआत करना चाहते है,
हर आज को हम कल से
बेहतर बनाना चाहते है,,
हमारा हर एक दिन एक नई
ऊर्जा लेकर आता है,

कुछ यादगार लम्हें हमारे अपनो
के साथ होते है,
कुछ लम्हें जो अनजानो को
समझने का मौका देते है,,
कुछ लम्हें जो जिन्दगी मे नया
मोड़ लाते है,
धवन हमेशा अच्छे लम्हों को
ही लोग सँभालते है।।

अनिल धवन
सिरसा ।
www.womenexpress.in

हार नहीं मानी हैं मैनें

चलते चलते शिथिल हुई हूँ,
सुस्ती थोड़ी सानी है मैनें।
कुछ करने की ठानी है मैनें,
हार नहीं मानी है मैंने।।
लड़खडाए हैं कदम और
धरा पर गिरी जरूर हूँ।
फिर उठने की ठानी हैं मैनें,
हार नहीं मानी हैं मैंने।।
चल पड़ी हूँ डगर नई,
मंजिल की तलाश में।
एकएक कदम हौसला लिए,
संग धैर्य की आस में।।
जीवन के कुछ रंग फीके,

पाने चटक और तीखे।
साथ हैं कुछ अपने भी,
अपनों की दूरी पास में।।
परख रही जीवंत मानवता,
कुछ नीयत पहचानी है मैंने।
कुछ करने की ठानी हैं मैने,
हार नहीं मानी है मैनें।।
मिली मुझे चरणों की धूल,
साथ हमसफर नन्हें फूल।
कुछ शूल राहों में मिले ,
बदले नहीं मैंने उसूल, ।।
डटकर अड़ी हूँ पथ पर अपने,
भावी सजाएँ कुछ सपने।
थोड़ा अंधी मुकबधिर बन,
छोड़ देती हूँ बातें फिजूल।।
जितनी चादर पाँव पसारें
उम्मीदें कम ही तानी हैं मैनें।
कुछ करने की ठानी हैं मैने,
हार नहीं मानी है मैंने।।

रेखा कापसे
होशंगाबाद (मध्य प्रदेश)।
www.womenexpress.in

जनता सेवा अपना काम

हम नहि चाहे कोई नाम
जनता सेवा अपना काम

अपराधी को होगी जेल
नहीं चलेगा गंदा खेल
दूर करेंगे गुंडा राज
होगा ऐसा अपना राज

नहीं मचा है खाली शोर
होगी खुशहाली चहुंओर
जब आये अपनी सरकार

राशन भी देंगे भरपूर
आयेगा भारत में नूर
मुझे नहीं कुर्सी से प्यार
जन सेवा को हम तैयार

आते नेता जब है द्वार
बातों में करते विस्तार
मुझे जिताओ अबकी बार
बाकी सब तो है बेकार

बातें करते मीठी चार
करते अपना खूब प्रचार
कर लो मुझ पर तुम विश्वास
सबको देंगे हम आवास
होगा अबकी खूब विकास
हमसे रखो लगाकर आस

नितिन त्रिगुणायत
शाहजहांपुर, उत्तर प्रदेश ।
www.womenexpress.in

यादें पापा की

हर एक बात ,
बड़े प्रेम से रखते थे सिर
पर मेरे हाथ।
पापा नाजों से आपने था पाला ,
संस्कारों से हमें सम्भाला था।
प्रेम और अपनत्व की छांव से,
अच्छेबुरे का ज्ञान दे डाला था ।
आपकी दी हुई शिक्षा का,
आज भी रखती हूँ हरदम मान।
मेरे आदर्श, मेरा स्वाभिमान
हो आप,
मेरी हर एक जीत में आपका
ही गुणगान।
इश्वर से मांगू बस यही वरदान मैं,
हर जन्म में बनूं बस
आपकी ही संतान ।
हदय की वेदना को और
ना लिख पाऊंगी ,
अब देती हूँ शब्दों को
यहीं मैं विराम ।

माँ यदि वृक्ष है ,तो घनी
छांव हैं पापा,
जिनकी छांव में सुरक्षित घर द्वार है ।
हर किसी की इच्छा पूरी करते ,
ईश्वर के रूप में वरदान हैं पापा ।
यूं तो हर किसी के लिऐ ,
माता पिता सभी के होते हैं खास ।
पर मेरे लिऐ औरों से थोड़े
ज्यादा हैं ,
क्यों कि आकाश में तारों में है
उनका वास ।
पापा जब भी याद आती है आपकी,
अश्रु नयनों से स्वतः ही बह जाते हैं।
याद आती है बचपन की

रश्मि वत्स
मेरठ (उत्तर प्रदेश)।
www.womenexpress.in

एक नजर

भारत में साइबर सुरक्षा अब शीर्ष कॉरपोरेट प्राथमिकता: अध्ययन

बेंगलुरू । कोरोना महामारी के मद्देनजर 'घर से काम' में तेजी आयी है। हालांकि इसके साथ ही साइबर सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां भी काफी बढ़ गयी हैं। इसके चलते भारत में अब साइबर सुरक्षा सर्वोच्च कॉरपोरट प्राथमिकता बन गयी है। एक अध्ययन में यह कहा गया है। सिस्को के हालिया अध्ययन 'फ्यूचर ऑफ सिक्योर रिमोट वर्क भारत के 73 प्रतिशत संगठनों को कोविड19 महामारी की शुरुआत के बाद से साइबर हमलों अथवा चेतावनी में 25 प्रतिशत या इससे अधिक तेजी देखने को मिल रही है। इस अध्ययन में यह भी पता चला है कि अधिकांश भारतीय कंपनियां कार्यबल को कार्यालय से इतर काम करने की सुविधा प्रदान करने के लिये तैयार नहीं थी। मद्देनजर घर से काम में सहजता के लिये साइबर सुरक्षा के उपायों को अपनाया है।

भाजपा का संकल्प पत्र जारी, कोरोना का मुफ्त टीका और 19 लाख नए रोजगार का वादा

तीन लाख शिक्षकों की नियुक्ति, महिलाओं के लिये सूक्ष्म वित्तपोषण की नयी योजना लाने का वायदा

(विशेष संवाददाता)

पटना, 22 अक्टूबर । बिहार चुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को संकल्प पत्र आत्मनिर्भर बिहार का रोडमैप 202025'जारी कर दिया जिसमें तीन लाख शिक्षकों की नियुक्ति करने सहित शिक्षा, चिकित्सा एवं अन्य क्षेत्रों में 19 लाख नये रोजगार देने, कोरोना वायरस का निःशुल्क टीका लगाने, महिलाओं के लिये सूक्ष्म वित्तपोषण की नयी योजना लाने और बिहार को सूचना प्रौद्योगिकी का केंद्र बनाने सहित 11 संकल्प व्यक्त किये गए हैं।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने भाजपा का यह संकल्पपत्र जारी किया जिसे आत्मनिर्भर बिहार का रोडमैप 2020 25'का नाम दिया गया है। इसके तहत पांच सूत्र, एक लक्ष्य, 11 संकल्प रखे गये हैं। इसके साथ ही पार्टी ने भाजपा है, तो भरोसा है'का नारा भी दिया है। इस दौरान भाजपा महासचिव भूपेंद्र यादव, केंद्रीय मंत्री अश्विनी चौबे, नित्यानंद राय, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय जायसवाल सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद थे। सीतारमण ने संवाददाताओं से कहा कि बिहार एक ऐसा राज्य है जहां सभी नागरिक राजनीतिक रूप से संवेदनशील और अच्छी तरह से सूचित हैं और वे उन वादों को जानते और समझते हैं जिन्हें पार्टी करती है। उन्होंने कहा, हमने भरोसे को आधार मानकर संकल्प पत्र तैयार किया है। हमारे हर संकल्प पत्र में वादे को पूरा करने की प्रतिबद्धता होती है। इसलिये जब कभी हमारे घोषणापत्र के बारे में पूछा जाता है तब हम उन्हें विश्वास के साथ जवाब दे सकते हैं कि हमने जो वादा किया था, उसे पूरा करते हैं।'' वित्त मंत्री ने कहा कि जब तक

कोरोना वायरस का टीका नहीं आता है, तब तक मास्क ही टीका है, लेकिन जैसे ही टीका आ जायेगा तो भारत में उसका उत्पादन बड़े स्तर पर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि जब टीका तैयार हो जायेगा तब हर बिहारवासी को कोरोना वायरस का टीका निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। भाजपा की वरिष्ठ नेता ने कहा कि जब हम विकास की बात करते हैं तब 1990 से 2005 के 15 साल के शासनकाल और 2005 से 2020 के शासनकाल की तुलना करें तो स्थिति स्पष्ट होगी। उन्होंने कहा कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग)सरकार के पिछले 15 वर्षों के शासन में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) तीन प्रतिशत से बढ़कर 11.3 प्रतिशत हो गया है। बिहार का बजट 2005 के 23 हजार करोड़ रूपये से बढ़कर दो लाख करोड़ रूपये हो गया है, कृषि विकास दर दो प्रतिशत से बढ़कर 8.5 प्रतिशत हो गयी, बिजली उत्पादन 22 प्रतिशत से बढ़कर अब 100 प्रतिशत हो गया और प्रति व्यक्ति आय में भी काफी वृद्धि दर्ज की गई।

सीतारमण ने कहा कि 2005 से पहले के औद्योगिक उत्पादन का सतत आंकड़ा नहीं मिला है क्योंकि पूर्व की सरकार की प्राथमिकता औद्योगिक विकास नहीं था। राजग सरकार के दौरान प्रदेश की औद्योगिक विकास दर 17 प्रतिशत हो गयी है। उन्होंने कहा, ऐसा इसलिये हुआ क्योंकि राजग ने सुशासन पर ध्यान दिया, जनता की भलाई के लिये काम किया जबकि पूर्व के (2005 से पहले) 15 साल के जंगल राज के दौरान ऐसा नहीं हुआ।'' उन्होंने कहा, मैं राज्य के सभी लोगों से राजग को वोट देने और इन्हें जिताने की अपील करती हूं।

नीतीश कुमार अगले पांच साल तक बिहार के मुख्यमंत्री बने रहेंगे। उनके शासन में बिहार भारत का एक प्रगतिशील और विकसित राज्य बन जाएगा। बिहार का विकास भारत के विकास का इंजन बनेगा।'' भाजपा के संकल्प पत्र में कहा गया है कि आने वाले एक वर्ष में राज्य के सभी प्रकार के विद्यालय, उच्च शिक्षा के विश्वविद्यालयों तथा संस्थानों में तीन लाख नए शिक्षकों की नियुक्ति करेंगे। इसमें 10 हजार चिकित्सों सहित कुल एक लाख लोगों को स्वास्थ्य विभाग में नौकरी के अवसर देने, बिहार में मेडिकल, इंजीनियड्क्षरग सहित तकनीकी शिक्षा को ड्क्षहदी भाषा में उपलब्ध कराने का संकल्प व्यक्त किया गया है।

भाजपा ने कहा है कि कोरोना वायरस का टीका तैयार होने पर हर बिहारवासी को कोरोना का निःशुल्क उपलब्ध कराया जाएगा। पार्टी ने कहा है कि राजग सरकार ने बिहार में 10 लाख समूहों के माध्यम से 1.20 करोड़ महिलाओं के जीवन में रोशनी पहुंचायी है। अब स्वयं सहायता समूहों व माइक्रो फाइनेंस संस्थाओं के माध्यम से 50 हजार करोड़ की सूक्ष्म कर्ज की व्यवस्था कराकर एक करोड़ महिलाओं को स्वावलंबी बनाएंगें।

गंगा नदी के तटीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण अभियान के लिए बड़ी पहल

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

कानपुर। गंगा बैराज के समीप कानपुर जनपद में पर्यावरण संरक्षण यातायात सुरक्षा एवं कोरोना जन जागरूकता अभियान के अंतर्गत ग्लोबल ग्रीन्स, नव्या संस्था एवं स्टेट रिसोर्स ग्रुप मीना मंच द्वारा एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य गंगा नदी के तटीय क्षेत्रों में वृक्षारोपण अभियान को बढ़ावा देना यातायात पुलिस अधीक्षक की पत्नी पूनम ने पूजा अर्चना कर तुलसी का पौधा रोपित किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पुलिस अधीक्षक यातायात कानपुर नगर बसंत लाल थे। उन्होंने वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया है तत्पश्चात कार्यक्रम में संस्था के पदाधिकारियों यातायात विभाग के पदाधिकारियों गांव वासियों शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम में भागीदारी की गई। स्टेट रिसोर्स ग्रुप मीना मंच की प्रमुख पदाधिकारी अर्चना सिंह ने सभी का स्वागत किया एवं नव्या संस्था की

अध्यक्ष डॉ स्वाति सक्सेना ने कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की। यातायात अधीक्षक बसंत लाल ने सभी को यातायात सुरक्षा संबंधित प्रमुख बातें बताएं वही करोना आपदा से बचाव के उपाय भी बताएं। पर्यावरणविद एवं ग्लोबल ग्रीन्स के अध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव ने कोरोना आपदा काल में पर्यावरण एवं स्वास्थ्य पर विशेष बल देने की बात कही इसके लिए वृक्षारोपण एक प्रमुख आधार है। कार्यक्रम में डॉ अलका अस्थाना, प्रमोद अस्थाना, अलका जैन, आयुष सिंह, धीरज निगम, आरके सक्सेना, बीना, घनश्याम, अरविंद श्रीवास्तव, नेहा, प्रिया शर्मा, शिखा खरे, प्रदीप कुमार, रवि यादव के साथसाथ पिंड लिखो यार फिर बात होगी ।

महाराष्ट्र में निजी सुरक्षाकर्मियों को लोकल ट्रेन में यात्रा की अनुमति

मुंबई । महाराष्ट्र में निजी क्षेत्र से जुड़े सुरक्षाकर्मियों को लोकल ट्रेन में यात्रा की अनुमति प्रदान कर दी गई है। इस संदर्भ में महाराष्ट्र के आपदा प्रबंधन, राहत एवं पुनर्वास विभाग ने मध्य और पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधकों को पत्र लिखा था। पत्र में कहा गया था कि उचित पहचान पत्र तथा ड्रेस पहने निजी क्षेत्र के सुरक्षाकर्मियों को तत्काल प्रभाव से लोकल ट्रेन में यात्रा की सुविधा उपलब्ध कराई जाये। उल्लेखनीय है कि निजी सुरक्षा क्षेत्र की प्रतिनिधि संस्था सिक्यूरिटी एसोसिएशन ऑफ इंडिया के अध्यक्ष गुरुचरण सिंह चैहान और सीनियर वाईस चेयरमैन डॉ. बी.आर. कुमार ने मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे, गृहमंत्री अनिल देशमुख सहित अन्य संबंधित अधिकारियों से प्राइवेट सिक्यूरिटी गार्ड को लोकल ट्रेन में यात्रा की अनुमति देने की मांग की थी। केंद्र सरकार ने भी निजी क्षेत्र के सुरक्षाकर्मियों की सेवाओं को अति आवश्यक सेवाओं को सूची में शामिल किया था।

एनडीआरएफ ने भूकम्प आपदा पर मॉक ड्रिल और कोरोना महामारी पर चलाया अभियान

(वूमेन एक्सप्रेस ब्युरो)

पटना । 9वीं बटालियन एनडीआरएफ ने पटना जिले के आनन्दपुर (बिहटा) में स्थित केन्द्रीय प्रशिक्षण संस्थान गृह रक्षा वहिनीं परिसर में भूकम्प सुरक्षा पर एक मॉक ड्रिल का आयोजन किया। इस मॉक ड्रिल में एनडीआरएफ के साथ गृह रक्षा वहिनीं के लगभग 250 कार्मिकों और प्रशिक्षुओं ने बढ चढकर हिस्सा लिया तथा इसे सफल बनाया।

मॉक ड्रिल के दौरान भूकम्प आपदा में कोरोना महामारी को ध्यान में रखते हुए खोज बचाव तकनीक का अभ्यास किया गया। इस मॉक ड्रिल के आयोजन से पहले एनडीआरएफ के कार्मिकों ने बिहार गृह रक्षा वहिनीं के कार्मिकों व प्रशिक्षुओं को खोज व बचाव तथा अस्पतालपूर्व चिकित्सा तकनीक पर प्रशिक्षण दिया। 9वीं बटालियन

एनडीआरएफ टीम का नेतृत्व जय प्रकाश प्रसाद, सहायक कमान्डेंट ने किया। एनडीआरएफ टीम इस दौरान उच्ची इमारत से आपदा में फँसे पीड़ितों को सुरक्षित निकालने का अभ्यास किया। इस अभ्यास के दौरान कोरोना वायरस संक्रमण से बचाव के पहलूओं का भी पूरा ध्यान रखा गया।

9वीं बटालियन एनडीआरएफ के कमान्डेंट विजय सिन्हा ने बताया कि इस मॉक ड्रिल का उद्देश्य गृह रक्षा वहिनीं के कार्मिकों का आपदा रेस्पांस के क्षेत्र में कार्यक्षमता को बढाना है ताकि वास्तविक आपदा में जानमाल के नुकसान को रोकने में अपना महत्वपूर्ण भूमिका निभा सके। उन्होंने आगे बताया कि गुरुवार को कोरोना वायरस महामारी विषय पर भी एनडीआरएफ बचावकर्मियों द्वारा बिहार राज्य के सारण जिलान्तर्गत मढौरा प्रखण्ड, सुपौल जिलान्तर्गत राघोपुर प्रखण्ड में, पटना सिटी स्थित नारायणी बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में तथा झारखण्ड राज्य के राजधानी राँची में जनजागरूकता अभियान चलाया गया तथा उपस्थित लोगों तथा छात्राओं को कोरोना से बचाव का शपथ दिलाया गया। लोगों को घर से बाहर निकलते वक्त मास्क का इस्तेमाल करने, व्यक्तिगत दूरी का पालन करने और हाथों की लगातार सफाई करने के बारे में बताया गया।

पेंशन भेदभाव को दूर करने के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

नई दिल्ली। गृह मंत्रालय और रक्षा मंत्रालय के अधीन आने वाले सशस्त्र बलों के जवानों के पेंशन लाभ में विसंगतियों और भेदभाव को दूर करने के लिए एक याचिका उच्चतम न्यायालय में दायर की गयी है। भारतीय जनता पार्टी नेता एवं पेशे से वकील अजय अग्रवाल ने 'हमारा देश, हमारे जवान ट्रस्ट' की तरफ से यह याचिका दायर की है। याचिका में कहा गया है, ''केंद्र सरकार गृह मंत्रालय के तहत आने वाले और एक जनवरी 2004 के बाद सेवा में आने वाले सशस्त्र बल के कर्मियों के लिए हाइब्रिड पेंशन योजना लागू कर रही है, जो पुरानी और नयी पेंशन योजना का मिश्रण है, लेकिन यह नयी अंशदायी पेंशन योजना केंद्र सरकार के सशस्त्र बलों पर लागू नहीं होती है। गृह मंत्रालय के तहत आने वाले सशस्त्र बलों के लिए छह अगस्त, 2004 को स्पष्टीकरण जारी किया गया था कि ये सभी गृह मंत्रालय के तहत 'केंद्र' के सशस्त्र बल हैं। इनमें सशस्त्र सीमा बल, आईटीबीपी, सीमा सुरक्षा बल, असम राइफल्स, सीआरपीएफ, सीआईएसएफ तथा एनएसजी शामिल हैं।

शिक्षक संकुल बैठक सम्पन्न

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । पयागपुर विकास क्षेत्र पयागपुर के संविलियन विद्यालय झाला तरहर में शिक्षक संकुल लालपुर के समस्त शिक्षकों की बैठक सम्पन्न हुई बैठक का संचालन एआरपी राजेश कुमार मिश्र एवं पवन कुमार शुक्ल ने किया, समीक्षा बैठक में ई पाठशाला, टीवी रेडियो के तहत शैक्षणिक कार्यक्रम प्रसारण ,प्रेरणा लक्ष्य, तालिका, सूची , तीनो मॉडुएल आधार शिला, ध्यानाकर्षण, शिक्षण संग्रह, सैट2 परिणाम वितरण, दीक्षा ऐप, रीड एलांग ऐप, पाठ्योजना आदि विन्दुओं पर विस्तृत समीक्षा की गई, इस समीक्षा बैठक को शिक्षक संकुल राजेन्द्र शर्मा, कल्याणी शर्मा, दीना नाथ दीक्षित, अनीस अग्निहोत्री, श्रद्धा वर्मा, ने भी सम्बोधित किया द्य बैठक में महेंद्र प्रताप सिंह ,राघवेन्द्र सिंह,सरिता, सुनीता करामत अली, रूचि शुक्ल, सुमन, मीनाक्षी, जय, ज्योत्सना, राकेश, गायत्री ,रमेश मिश्र आदि शिक्षक शिक्षा मित्र, अनुदेशक मौजूद रहे।

प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता का भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया स्वागत

(अमित पाठक/वूमेन एक्सप्रेस)

बहराइच । भारतीय जनता पार्टी उत्तर प्रदेश के नवनियुक्त प्रदेश महामंत्री अनूप गुप्ता के प्रथम आगमन पर भारतीय जनता युवा मोर्चा बहराइच द्वारा घाघरा घाट से लेकर बहराइच शहर की सीमा तक भव्य स्वागत किया । अंगवस्त्र भेंट कर स्वागत किया। उसके पहले घाघरा घाट पर कार्यकर्ता सौरभ पाण्डेय ने, जरवल कस्बा में युवा मोर्चा के जिला मंत्री सौरभ कसौधन व अन्य साथियों के द्वारा भव्य स्वागत किया गया, उपरांत कैसरगंज फखरपुर में श्याम जी त्रिपाठी मंडल अध्यक्ष युवा मोर्चा फखरपुर के नेतृत्व में माला व मुकुट पहनाकर नवनियुक्त महामंत्री का जोरदार अभिनंदन कार्यक्रम संपन्न किया गया इस अवसर पर युवा मोर्चा के अन्य कार्यकर्ता भी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। भारतीय जनता पार्टी जिला कार्यालय पर जिलाध्यक्ष भाजपा श्याम करन टेकडीवाल की अध्यक्षता में आयोजित स्वागत समारोह में युवा मोर्चा द्वारा एक बड़ी माला व स्मृति चिन्ह भेंट कर अभिनंदन किया गया, टिकोरा मोड़ पर जिला अध्यक्ष के साथ जिला प्रतिनिधि अखंड प्रताप सिंह गोलू व युवा मोर्चा टीम के अन्य पदाधिकारी

महामंत्री अखिलेश यादव गोले, अरुणेंद्र सिंह अंकित,जिला उपाध्यक्ष परमार्थ सेन चौधरी, आनंद मिश्रा, आनंद पांडे, मानवेंद्र प्रताप सिंह ,सुमित खन्ना, भरत लाल पांडे, जन्मेजय सिंह जिला मंत्री सूरज कुमार गोंड, ज्ञानेन्द्र धर शर्मा, अमित शर्मा,शुभम पाठक, जिला मीडिया प्रभारी सतीश सिंह, कार्यालय प्रभारी नितिन रूपानी, कोषाध्यक्ष महेश त्रिपाठी, जिला कार्य समिति सदस्य सुनील वर्मा बादशाह, लखबीर सिंह,अरविंद सिंह, मंडल अध्यक्ष चितौरा मनीष दुबे, तेजवापुर सजल श्रीवास्तव, सुधाकर सिंह रैकवार, हिमांशु सिंह शिवम,गौरव मिश्रा, रजत शर्मा, सुदीप मिश्रा आई टी संयोजक सौरभ मिश्रा,प्रमोद पाण्डेय ,सहित सैकड़ों की संख्या में युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैंक में जमा या लोन के लेन-देन में भी भागीदारी सर्वांगीण विकास के लिए जरुरी

(संजय जोशी/वूमेन एक्सप्रेस)

बेंगलूरु। माहेश्वरी सौहार्द को ऑपरेटिव लिमिटेड के शेयर धारकों की चतुर्थ वार्षिक साधारण सभा बेंगलूरु के माहेश्वरी भवन में रखी गयी। बतौर अतिथि एमएससीसीएल के शेयर धारक व बजाज रामजीवन चैरिटेबल ट्रस्ट के कार्यकारी निदेशक, एमडी सुनील बजाज, प्रख्यात बिजनेस कोच सुश्री रोहिणी मूंदड़ा, उपाध्यक्ष नंदकिशोर मालू, निर्देशक मंडल के सुरेश कुमार लखोटिया, चंद्रप्रकाश मालपानी, महेशचंद रांदर, ओमप्रकाश मंत्री, रमेशचंद लाहौटी, श्रीराम चांडक, विष्णुकांत जाजू, श्रीमती निर्मला कांकानी, लक्ष्मीनारायण डागा एमएससीसीएल कमेटी के सदस्य गोपाल राठी, शरद हेड़ा, स्थानीय माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष निर्मल कुमार तापडिया ने दीप रोशन कर भगवान गणेश का पूजन किया। अतिथियों ने शेयरधारकों को संबोधित करते हुए कहा कि 4 वर्षों के अल्प समय में 1000 लाख की कार्य पूंजी के साथ इस वित्तीय वर्ष में करीब 34 लाख की कुल आमदनी की है जो पिछले वित्त वर्ष 2018 2019 से दुगनी है। एमएससीसीएल का गठन सदस्यों के द्वारा सदस्यों के लिए किया गया है। इसके उत्तरोत्तर विकास में सभी का पूर्ण सहयोग अपेक्षित है। सदस्यों का केवल शेयर लेना ही पूर्णता नहीं होनी चाहिए। इसमें सेविंग, जमा या लोन के लेनदेन में भी भागीदारी होने से ही इसका सर्वांगीण विकास होगा।

बाबा रामदेव भी हुए भदोही की हाथ से बनी कालीनों के मुरीद

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। हो जो भी हकीकत तो यही है कि बुनकरों की हाड़तोड़ मेहनत से महीनों में तैयार होने वाली कालीनों पर जब किसी की नजर पड़ती है तो बरबस ही मुख से निकलता है वाह क्या हाथों की जादुगरी है। शायद यही वजह भी है कि भारत ही नहीं सात समुंदर पार भी भदोही की कालीनों का जलवा इस मशीनी युग में भी बरकरार है। तो ऐसे में भला योग गुरु बाबा रामदेव की आंखे भदोही की कालीनों से कैसे विदक सकती थी। ग्लोबल ओवरसीज, गोपीगंज भदोही के कर्ताधर्ता ब्रजेश गुप्ता ने जब स्वामी बाबा रामदेव को कालीन भेट की तो उनकी आंखे खुली की खुली रह गयी, बोले यह है बुनकरों की मेहनत का स्वदेशी फल। इसके बाद तो बाबा रामदेव ने न सिर्फ योग शिविर में भदोही की कालीन पर बैठकर योग किया, बल्कि लोगों को बताया कि हमारा देश किस तरह स्वावलंबी है। देश की अर्थव्यवस्था को बढ़ाने में एक प्रमुख कड़ी है। स्वामी रामदेव आज किसी परिचय के मोहताज नहीं हैं। भारत ही नहीं, दुनिया भर में योग की पताका फहराने वाले योगगुरु रामदेव सुबह में टीवी चैनल

पर योग सिखलाते दिखेंगे तो दोपहर में चैनल पर किसी राष्ट्रीय मसले पर राय देते नजर आयेंगे। और तो और हो सकता है वे शाम को किसी खेल या मनोरंजन की खबर पर चुटकी लेते भी दिख जायें। कुल मिला कर देखा जाये तो उनका कद किसी एक परिचय तक सीमित नहीं रह गया है। उन्हें एक सेलेब्रिटी का दर्जा हासिल हो गया है और एक तरह से वे देश में सबकी पसंद बन चुके हैं। स्वामी रामदेव को योग के साथसाथ अध्यात्म, आयुर्वेद, राजनीति और व्यापार में विशेष रुचि है। बाबा रामदेव एक ऐसे गुरु है जिन्होंने आधुनिकता के दौर में भारत के लोगों को स्वदेशी चीजें उपयोग करने के लिए प्रेरित किया है। यही वजह है कि बुनकरों के हाड़तोड़ मेहनत से बनी नक्काशीदार कालीनों को भी वे इसी नजरिएं से देखते है। बता दें, भदोही, मिर्जापुर, दिल्ली, जयपुर, पानीपत, कश्मीर, आगरा सहित देश अन्य प्रांतों में निर्मित होने वाले भारतीय गलीचे अब भी दुनिया के बाजारों में खूब पसंद किए जा रहे हैं। आकर्षक व टिकाउपन तो है ही रंगबिरंगी व बलबूटेदार डिजाइनों के बीच भारत के सांस्कृतिक विरासत, धरोहर व चित्रकारी की झलक के साथसाथ बुनकर की हाड़तोड़ मेहनत का हुनर भी दिखता है।

उत्तर रेलवे 15 नवम्बर को संसद कैंटीन की बागडोर आईटीडीसी को सौंपेगा

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर । उत्तर रेलवे संसद कैंटीन की बागडोर 15 नवम्बर को आईटीडीसी को सौंप देगा। रेलवे 52 वर्षों से सांसदों को भोजन को उपलब्ध करा रहा है और अब कैंटीन को भारत पर्यटन विकास निगम को सौंपे जाने से यह सिलसिला थम जायेगा। लोकसभा सचिवालय के एक पत्र के माध्यम से उत्तर रेलवे से उस समय तक संसद परिसर से जाने को कहा गया है। रेलवे 1968 से कैंटीन में भोजन उपलब्ध करा रहा था। पत्र में कहा गया है, सक्षम प्राधिकारी चाहता है कि संसद भवन एस्टेट में खानपान इकाइयों का संचालन आईटीडीसी द्वारा 15 नवम्बर, 2020 तक अपने हाथों में ले लिया जाए।'' उत्तर रेलवे इसी के अनुसार लोकसभा सचिवालय द्वारा उपलब्ध कराये गये इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स, कंप्यूटर, ड्क्षप्रटर इत्यादि आईटीडीसी को सौंप सकता है और फर्नीचर, उपकरण गैजेट्स आदि आईटीडीसी को सौंपने के लिए सीपीडब्ल्यूडी को दे दें।'' आईटीडीसी के अधिकारियों ने कहा कि उन्हें भोजन की गुणवत्ता'' पर विशेष ध्यान रखने का निर्देश दिया गया है।

आईआईटी का शैक्षिक वातावरण भारत को ज्ञान शक्ति के रूप में उभारने में मदद करेगा: डॉ. निशंक

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल ''निशंक'' ने कहा है कि आईआईटी संस्थानों की सफलता के पीछे कई कारण हैं उनमें से सबसे अधिक महत्वपूर्ण उसका अनुकूल एवं संतुलित शैक्षिक वातावरण है और इन संस्थानों की यही प्रणाली भारत को ज्ञान शक्ति के रूप में उभारने में मदद करेगी। डॉ. निशंक ने गुरुवार को एक ऑनलाइन कार्यक्रम के माध्यम से आईआईटी रोपड़ के नए परिसर का उद्घाटन करते हुए कहा कि देश भर के आईआईटी संस्थान अपने प्रयासों द्वारा देश को सुदृढ़ बनाने में यथोचित योगदान दे रहे हैं। सभी आईआईटी संस्थानों की सफलता के पीछे कई कारण हैं उनमें से सबसे अधिक महत्वपूर्ण कारण है उसका अनुकूल एवं संतुलित शैक्षिक वातावरण और इन संस्थानों की यही प्रणाली भारत को ज्ञान शक्ति के रूप में उभारने में मदद करेगी। उन्होनें कहा कि आईआईटी संस्थानों को और अधिक सशक्त करने हेतु स्वायत्तता से कार्य करना होगा। उन्होनें कहा, 'यह संस्थान हमेशा से इस बात के लिए प्रयासरत रहा है कि यहाँ विश्व स्तरीय संकाय की नियुक्ति की जाए, अनुसंधान आधारित सहभागिता

निर्माण किया जाए तथा अनुसंधान एवं विकास हेतु परिसर में समग्र वातावरण निर्मित कर वर्तमान पीढ़ी के आकांक्षाओं को समझा जाए। कोरोना संकट काल में डीआईवाई मास्क के निर्माण से लेकर यूवीजीई प्रौद्योगिकी आधारित यूव्हीसेफ जो दुबई आईपीएल में खिलाडियों के कक्ष कों विसंक्रमित करने के लिए इस्तेमाल होता है, बनाया गया जिनसे कोरोना से जंग में इस संस्थान ने अपना योगदान दिया है। संकट के दिनों में अपना महत्वपूर्ण योगदान देकर और उसे समाज के प्रति समर्पित कर 'ज्ञान के प्रति योगदान, समाज के प्रति योगदान, राष्ट्र के प्रति योगदान' आईआईटी रोपड़ ने शिक्षा मंत्रालय के लक्ष्य का पूर्ण रुप से अनुसरण किया है। 'डॉ. निशंक ने कहा कि अगर हमें ज्ञान की सर्वोच्च शक्ति बनना है तो विशेषतः वैज्ञानिक एवं प्रौद्योगिकीय ज्ञान की आकृष्टता के साथ देश के प्रत्येक क्षेत्र को व्याप्त होना होगा। भारतवर्ष को ज्ञान समाज के रुप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया में हम आईआईटी संस्थानों को भागीदार के साथ सहयोग की अपेक्षा करते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री संजय धोत्रे, उच्च शिक्षा सचिव अमित खरे, आईआईटी रोपड़ के निदेशक प्रो सरित कुमार दास, सभी डीन, सभी विभागों के प्रमुख, मुख्य वार्डन, रजिस्ट्रार एवं शिक्षक भी ऑनलाइन माध्यम से जुड़े थे।

नैनी (प्रयागराज) कार्यालय
नैनी स्टेशन के सामने
प्रभारी:
सुजीत चौरसिया
Mo- 9451251066

वूमेन एक्सप्रेस
स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुनील पाण्डेय ने आदित्य ग्राफिक्स INC, प्रताप भवन, 5 बहादुर शाह जफर मार्ग, नई दिल्ली–1 से मुद्रित व ई–4/168, गली नंबर–6, सागर मार्केट, साढे 4 पुस्ता, सोनिया विहार दिल्ली–94 से प्रकाशित किया।
RNI.DELHIN / 2013/ 48606
मो.– 07042999974
टेली– 09013 518 518
www.womenexpress.in
thewomenexpress@gmail.com

एक नजर

सोपोर में मुठभेड़ से पहले दो आतंकियों ने किया समर्पण

सोपोर । सोपोर जिले के तुज्जर इलाके में गुरूवार दोपहर को अल.बदर में हाल ही में शामिल हुए दो युवकों ने मुठभेड़ शुरू होने से पहले ही सुरक्षाबलों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। सुरक्षाबलों को सोपोर जिले के तुज्जर इलाके में आतकियों के छिपे होने की सूचना मिली। सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर आतंकियों को आत्मसमर्पण करने को कहा लेकिन वह नहीं माने। इस दौरान दोनों आतंकियों की पहचान जाहिर होने पर उनके परिजनों को मुठभेड़ स्थल पर लाया गया। मुठभेड़ स्थल पर पहुंचे आतंकियों के परिजनों ने परिवार का हवाला देते हुए उन्हें आतंकवाद की राह छोड़ मुख्यधारा में शामिल होने की गुहार लगाई। आतंकियों के परिजनों ने कहा कि आज अगर उन्हें कुछ हो जाता है तो उनके साथ उनका परिवार भी खत्म हो जाएगा। परिजनों ने कहा कि आतंकवादी संगठन केवल अपने स्वार्थ के लिए उन्हें इस राह पर चलने को मजबूर कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कश्मीर घाटी में अभी तक जितने भी युवक आतंकवाद की राह में मारे गए हैं उनके परिजन खुश नहीं है। आईजीपी कश्मीर विजय कुमार ने कहा कि आतंकियों के परिजनों की गुहार पर आतंकी संगठन अल बदर में शामिल हुए दोनों युवक आत्मसमर्पण करने को तैयार हो गए। दोनों युवकों ने अपने हथियार जमीन पर छोड़कर पुलिस और सेना के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

डॉक्टर रेड्डीज लैबोरेटरी पर साइबर अटैक, सभी सयंत्र और डेटा केंद्र बंद

मुंबई/हैदराबाद । डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज ने गुरुवार को कहा कि उसने एक साइबर हमले के बाद सभी डेटा केंद्रों और अपने संयत्रों की सेवाओं को बंद कर दिया है। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीआईओ) मुकेश राठी ने कहा कि 'हम 24 घंटे के भीतर सभी सेवाओं के शुरू हो जाने का अनुमान कर रहे हैं। हालांकि, राठी ने परिचालन पर असर होने की बात से इनकार करते हुए कहा कि इस घटना के कारण हमारे परिचालन पर ज्यादा असर होने की आशंका नहीं है।

साइबर अटैक और प्लांट बंद होने की खबर आने के बाद डॉक्टर रेड्डी लैब के शेयरों में बड़ी गिरावट आई है। दोपहर 1 बजे के करीब डॉक्टर रेड्डीज के शेयर 1.17 फीसदी गिरकर 4985.30 रुपये पर आ गए थे। आज सुबह जब खबर आई तो 10.30 बजे कंपनी के शेयर 2.94 फीसदी गिरकर 4,898.45 रुपये पर आ गए थे। डॉक्टर रेड्डीज के इंडिया, ब्राजील, रूस, यूके और अमेरिका के प्लांट पर साइबर अटैक हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह अटैक अमेरिकी समय के हिसाब से शाम 4 बजे से 5 बजे के बीच हुआ। उल्लेखनीय है कि डॉक्टर रेड्डीज के लैब पर साइबर अटैक का यह मामले ऐसे वक्त में आया है। वैक्सीन के दूसरे चरण के ट्रायल के लिए डीजीसीए की अनुमति मिल गई है।

प्याज की कीमतों पर निगरानी के लिए कलेक्टरों को निर्देश

रायपुर । छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य में प्याज की खुदरा कीमते 80 रूपए किलो पहुंच जाने के बाद सभी जिला कलेक्टरों को उनके जिले में प्याज की उपलब्धता तथा खुदरा बाजार मूल्य की निगरानी एवं पर्यवेक्षण के लिए विस्तृत दिशा निर्देश जारी किए हैं। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग द्वारा जारी निर्देशों में कलेक्टरों से कहा गया है कि प्याज के थोक एवं खुदरा व्यापारियों की तत्काल बैठक लेकर जिले में प्याज की उपलब्धता एवं मांग का आंकलन कर आवश्यकता अनुसार प्याज की आपूर्ति सुनिश्चित की जाए।

जिला स्तर पर प्याज की दैनिक आवक एवं खपत की नियमित समीक्षा की जाए। अन्य राज्यों से प्याज के आयात, परिवहन एवं भंडारण संबंधी कोई समस्या हो तो इसका तत्काल निराकरण किया जाए।

विभाग ने कलेक्टरों से कहा हैं कि थोक व्यापारियों के विक्रय स्थल पर प्रतिदिन प्याज का उपलब्ध स्टॉक एवं थोक विक्रय मूल्य की जानकारी अनिवार्य रूप से प्रदर्शित कराई जाए। जिले में उपलब्ध प्याज के थोक एवं खुदरा बाजार भाव का प्रचारप्रसार किया जाए,जिससेआम लोगों को इस संबंध में जानकारी उपलब्ध हो सके और खुदरा व्यापारी अनावश्यक अधिक मूल्य पर प्याज का विक्रय न कर सकें।

हिमाचल प्रदेश में आधुनिक बनेंगे बीजेपी जिला कार्यालय, छह जिलों में शिलान्यास

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने दिल्ली से किया शिलान्यास

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने आज हिमाचल प्रदेश के छह भाजपा जिला कार्यालयों का शिलान्यास किया।

इसमें पालमपुर, धर्मशाला, नूरपुर, देहरा, सुंदरनगर और कुल्लू जिला शामिल है। भाजपा के कार्यालयों में सभी आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। इन सभी जिला कार्यालयों का निर्माण समयबद्ध तरीके से संपन्न हो, इसमें गुणवत्ता से कोई समझौता न हो और यह सभी आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त हो। अब तक देशभर के 719 जिला कार्यालयों में से 432 कार्यालयों का निर्माण हो चुका है।

73 कार्यालय उद्घाटन के लिए तैयार हैं और 196 निर्माणाधीन हैं जो जल्द से जल्द पूरे हो जायेंगे।

इस मौके पर बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी हिमाचल प्रदेश के प्रभारी थे, उस समय हमारा कार्यालय दो फ्लैट से चला करता था, तब उन्होंने कहा था कि यह व्यवस्था ज्यादा दिन नहीं चल सकती है इसलिए कार्यालय बनाना चाहिए। उन्होंने कहा था कि पार्टी घरों से नहीं चलती, नहीं तो पार्टी परिवार की हो जाती है।

इसके बाद जब नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने, तब राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह की प्रेरणा से देश के हर जिले में पार्टी का कार्यालय बनाने का कार्य शुरू हुआ। सबसे पहले एक जिला कार्यालय का उद्घाटन तत्कालीन राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने किया था तो दूसरे कार्यालय का राजनाथ सिंह ने। उन्होंने पार्टी का आह्वान करते हुए कहा कि इन सभी जिला कार्यालयों का निर्माण समयबद्ध तरीके से संपन्न हो, इसमें गुणवत्ता से कोई समझौता न

हो और यह सभी आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से युक्त हो। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के लिए कार्यालय केवल ऑफिस नहीं होता बल्कि यह पार्टी कार्यकर्ताओं को संस्कारित करने का केंद्र होता है। किसी भी पार्टी को सुचारू रूप से चलाने के लिए पांच क की आवश्यकता होती है कार्यकर्ता, कार्यक्रम, कार्यकारिणी, कोष और इसे संचालित करने के लिए कार्यालय।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी सेवा ही संगठन के रूप में प्रतिष्ठित हुई। लॉकडाउन के दौरान जहां सभी पार्टियों ने अपने आप को लॉकडाउन कर लिया था, वहीं भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता मानवता की सेवा में जीजान से लगे रहे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किस तरह से पार्टी ने लॉकडाउन के दौरान मानवता की सेवा की, इस पर भारतीय जनता पार्टी संयुक्त राष्ट्र संघ की नौ आधिकारिक भाषाओं में ईबुक लॉन्च करने जा रही है। राज्य स्तर पर भी जल्द से जल्द ईबुक जारी होनी चाहिए।

संपर्क अभियान के तहत हिमाचल प्रदेश ने काफी सराहनीय कार्य किया। चार वर्चुअल रैली से लगभग 40 लाख से अधिक लोग जुड़े, इसी तरह संपर्क अभियान में प्रदेश के 66 मंडल कवर किये गए जिसमें 34 हजार से अधिक लोगों ने भाग लिया। महिला मोर्चा की वर्चुअल रैलियों से लगभग 59 लाख लोग जुड़े और इसी तरह अन्य स्तर पर भी लगभग 111 वर्चुअल रैलियाँ की गई जिसमें 13 हजार से अधिक लोग इससे जुड़े।

हिमाचल में भाजपा संगठन मजबूत, जमीन तक पहुंची पार्टी

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि हिमाचल प्रदेश में संगठन की दृष्टि से भी अच्छा कार्य हुआ है। लगभग 2000 विस्तारको पार्टी की मजबूती के लिए काम कर रहे हैं। हर बूथ पर 20 यूथ, 15 किसान प्रहरी और 10 महिलाओं की तैनाती की जा रही है। हिमाचल प्रदेश देश में संगठन के लिए उदाहरण बन कर उभर रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने इसके लिए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष सुरेश कश्यप और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन राणा को बधाई भी दी।

हिमाचल प्रदेश के फल उत्पादकों को काफी लाभ होगा

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि सुधार विधेयकों के माध्यम से पहली बार किसानों को आजादी दी है। अब वे अपने उत्पादों को देश के किसी भी हिस्से में उचित मूल्य पर बेच सकते हैं। इससे हिमाचल प्रदेश के फल उत्पादकों को काफी लाभ होगा। आत्मनिर्भर अभियान के तहत मोदी सरकार ने जहां एग्रीकल्चर इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए एक लाख करोड़ रुपये का आवंटन किया है, वहीं लघु, सूक्ष्म एवं माध्यम उद्योगों के लिए तीन लाख करोड़ की व्यवस्था की गई है। हिमाचल प्रदेश के किसानों और उद्यमियों को इसका अधिक से अधिक लाभ मिले, इसके लिए पार्टी और सरकार को आगे बढ़ कर काम करना चाहिए। आत्मनिर्भर भारत अभियान के तहत चंबा के रुपाल, कुल्लू के शॉल, लाहौल स्पीति और शिमला की टोपी, स्टोन कार्निंग और हिमाचल प्रदेश की खानपान की संस्कृति की ब्रांडिंग होगी।

हाईकोर्ट ने पुलिस को मस्जिद से कुछ दूरी पर बैरीकेड लगाने के निर्देश दिए

(विशेष संवाददाता)

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर । दिल्ली उच न्यायालय ने पुलिस को निर्देश दिया है कि दक्षिण पश्चिम दिल्ली स्थित 130 वर्ष पुरानी, बसंत नगर मस्जिद के प्रवेश द्वार से कम से कम दस मीटर की दूरी पर बैरीकेड लगाए जाएं ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की बाधा नहीं आए। न्यायमूर्ति प्रतिभा एम. ड्क्षसह ने मस्जिद प्रशासन से भी कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि बाहर की दुकानों पर भीड़ इकट्ठा नहीं हो जिससे सड़क पर चलने वाले लोगों को बाधा आए। यह सड़क वसंत विहार से गुडगांव की तरफ जाती है। दिल्ली कैंट में राव तुला राम मार्ग पर स्थित मस्जिद के सचिव की याचिका पर यह आदेश पारित किया गया। याचिका में कहा गया कि पिछले वर्ष नवम्बर से प्रवेश द्वार पर बैरीकेड लगा दिए गए हैं और वहां तीन सिपाही तैनात कर दिए गए हैं जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा होती है। याचिका में दिल्ली पुलिस को वर्तमान स्थान से बैरीकेड हटाने और इसे मस्जिद के द्वार से कुछ मीटर आगे या पीछे करने का निर्देश देने का

आग्रह किया गया । पुलिस ने उच न्यायालय में दावा किया कि बैरीकेड से मस्जिद का द्वार बाधित नहीं होता और पाया गया कि वसंत विहार से गुडगांव जाने वाले यातायात में जांच नहीं हो पाती है और मस्जिद पृथक स्थान पर स्थित है। इसने कहा कि इसी के मुताबिक बैरीकेड लगाया गया और मस्जिद के द्वार से करीब दस मीटर की दूरी पर एक चौकी भी बनायी गयी। रिकॉर्ड और फोटोग्राफ देखने के बाद उच न्यायालय ने कहा कि पुलिस के बयान और दिल्ली वक्फ बोर्ड द्वारा पेश गूगल अर्थ चित्र में कुछ भिन्नता है। उच न्यायालय ने कहा कि पुलिस को सुनिश्चित करना चाहिए कि बैरीकेड मस्जिद के प्रवेश द्वार से कम से कम दस मीटर की दूरी पर सड़क पर लगाया जाना चाहिए ताकि वहां श्रद्धालुओं को कोई बाधा महसूस नहीं हो। अनधिकृत निर्माण या अतिक्रमण के बारे में पुलिस के आरोपों पर अदालत ने कहा कि अधिकारी कानून के मुताबिक कार्रवाई कर सकते हैं। उच न्यायालय ने कहा, मस्जिद प्रशासन सुनिश्चित करेगा कि मस्जिद इलाके में कोई अनधिकृत निर्माण या अतिक्रमण नहीं होगा ।

श्रम कानूनों में सुधार के लिए स्मृति ईरानी ने उद्यमियों से मांगा सुझाव

(सुरेश गांधी/वूमेन एक्सप्रेस)

वाराणसी। कालीन उद्योग में लागू श्रम कानून कों लचीला बनाएं जाने की मांग को देखते हुए कपड़ा एवं महिला, बाल विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने निर्यातकों से सुझाव मांगा है। वे गुरुवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए निर्यातक संगठनों से बात कर रही थी। उन्होंने कहा कि कोरोनाकाल में उद्यमियों की समस्याओं को देखते हुए श्रम कानूनों में सुधार के लिए यूपी सरकार लगातार प्रयासरत है। कालीन उद्यमियों को इससे संबंधित कोई समस्या हो तो वे अपना सुझाव दें, वह यूपी सरकार से इसे और लचीला बनाने के लिए वार्ता तो करेंगी ही श्रम मंत्रालय को भी पत्र लिखेंगी।

उन्होंने कहा कि केंद्रीय सरकार ने अपने राज्य में निवेश को आकर्षित करने के लिए श्रमिक, कर्मचारियों और नियोक्ताओं के हित को ध्यान में रखते हुए कुछ श्रम कानूनों में बदलाव का अधिकार दिया है। उम्मीद है कि राज्य सरकार इस पर कार्रवाई करेंगी। लेकिन माननीय मंत्री ने परिषद से श्रम कानूनों पर अपने प्रश्न भेजने का अनुरोध किया और उनका मंत्रालय

उत्तर के लिए श्रम मंत्रालय को भेजेगा। उन्होंने कहा कि लॉकडाउन के बीच उत्तर प्रदेश सरकार ने आर्थिक गतिविधियों को पुनर्जीवित करने के नाम पर तीन साल के लिए विभिन्न श्रम कानूनों से राज्य के उद्योगों को छूट देने के लिए पहले से ही एक अध्यादेश की मंजूरी दी है। चूंकि भारत के संविधान के तहत श्रम समवर्ती सूची (कन्करेंट लिस्ट) का विषय है, इसलिए राज्य को कानून बनाने से पहले केंद्र की मंजूरी लेनी पड़ती है। इसलिए आप भी अपने सुझाव दें। ताकि तीन श्रम कानूनों और एक अन्य अधिनियम के एक प्रावधान को छोड़कर बाकी अन्य श्रम कानूनों से कारखानों, व्यवसायों, प्रतिष्ठानों और उद्योगों को तीन साल तक के लिए छूट दी जा सके। उन्होंने उद्यमियों से कहा कि औद्योगिक और आर्थिक गतिविधियों को गति देने और मौजूदा उद्योग को पटरी पर लाने के अलावा अधिक निवेश के अवसर पैदा करने की जरूरत है। इस मौके पर सीईपीसी के चेयरमैन सिद्धनाथ सिंह ने हस्तनिर्मित कालीन उद्योग की विशेष प्रकृति को देखते हुए सरकार से कारखाना अधिनियम से छूट की मांग की हैं। इसके अलावा पीएफ और ईएसआई कानूनों से भी निजात की मांग की है। सिंह ने सरकार द्वारा घोषित कर्मचारी भविष्य निधि योजना सुधारों का विस्तार करने का भी अनुरोध किया। 2016 में अगले 2 वर्षों के लिए कम से कम। वीडियों कांफ्रेसिंग में श्रम मंत्रालय के संयुक्त सचिव राकेश कुमार ने श्रम संहिता के माध्यम से व्यवसाय के माहौल को सुगम बनाने पर एक प्रस्तुति दी ।

एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल 'नाग' का आखिरी ट्रायल पूरा

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर (वेबवार्ता)। मिसाइलों के लगातार परीक्षणों के क्रम में गुरुवार को सुबह सुबह भारत ने पोखरण में एंटी टैंक गाइडेड मिसाइल 'नाग' की तीसरी पीढ़ी का आखिरी ट्रायल एक वारहेड के साथ पूरा करके एक और कामयाबी हासिल की। भारत ने करीब एक महीने में अलगअलग तरीके की आधा दर्जन से अधिक ऐसी ही स्वदेशी मिसाइलों का सफल परीक्षण किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने इस स्वदेशी मिसाइल का परीक्षण पोखरण में आज सुबह 06.45 बजे किया। यह एंटी टैंक मिसाइल दुश्मन के टैंक समेत अन्य सैन्य वाहनों को सेकेंडों में समाप्त कर सकती है। इससे पहले भी अलगअलग तरीके की नाग मिसाइलों के परीक्षण 2017, 2018 और 2019 में किये जा चुके हैं। हर बार इसमें कुछ नया जोड़ा जाता रहा है।पूरी तरह से देसी नाग मिसाइल वजन में काफी हल्की, मीडियम और छोटी रेंज की है जो फाइटर जेट, वॉर शिप समेत अन्य कई संसाधनों के साथ काम करती है। आज एक वारहेड के साथ नाग मिसाइल की तीसरी पीढ़ी का आखिरी परीक्षण किया गया है। इसमें अचूक निशाना लगाने की क्षमता है और दुश्मन के टैंक को नेस्तानाबूद कर सकती है। यह आधुनिक मिसाइल बड़े टैंक्स को किसी भी मौसम में निशाना बना सकती है। कई खूबियों के अलावा इसमें इंफ्रारेड भी है जो लॉन्च से पहले टारगेट को लॉक करता है। इसके बाद नाग अचानक ऊपर उठती है और फिर तेजी से टारगेट के एंगल पर मुड़कर उसकी ओर चल देती है। लक्ष्य भेदने की इसकी क्षमता काफी सटीक है। ये वजन में काफी हल्की होती है लेकिन इसके बावजूद दुश्मन के टैंक समेत अन्य सैन्य वाहनों को सेकेंडों में समाप्त कर सकती है। यह उन पांच मिसाइल प्रणालियों में से एक है जो भारत के रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन द्वारा एकीकृत निर्देशित मिसाइल विकास कार्यक्रम के तहत विकसित की गई है। इसका विकास 300 करोड़ की लागत से किया गया है। इसकी मारक क्षमता 4 किमी. तक है। इसका पहला सफल परीक्षण नवम्बर 1990 में किया गया था।

अब समय आ गया है, जातिवादी राजनीति को आईना दिखाने का: सीएम योगी

(विशेष संवाददाता)

बुलंदशहर, 22 अक्टूबर । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर हमला बोलते हुए कहा कि अब जातिवादी राजनीति को आईना दिखाने का समय आ गया है। मतदाताओं को अब विकास एवं राष्ट्रवाद के मुद्दे पर बोट देना होगा ताकि प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो सके।

योगी ने गुरूवार को यहां नुमाइश मैदान में बुलंदशहर सदर विधानसभा सीट से हो रहे उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी उषा सिरोही के समर्थन में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के विकास और महिलाओं की सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार के मुद्दे पर किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि जातिवादी राजनीति को आईना दिखाने का समय आ गया है। मतदाताओं को अब विकास एवं राष्ट्रवाद के मुद्दे पर बोट देना होगा ताकि प्रदेश का चहुंमुखी विकास हो सके। उन्होंने कहा कि वर्ष1914 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की राजनीति की धुरी को बदलने का काम किया। उन्होंने कहा कि चाहे समाजवादी पार्टी हो अथवा कांग्रेश या कोई अन्य दल सभी जातिवाद और भ्रष्टाचार की राजनीति करते हैं। इन दोनों की सहानुभूति देश

में दंगा कराने वालों के साथ है। योगी ने कहा कि पांच वर्ष के शासनकाल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबका साथ सबका विकास की भावना से काम किया। गांव हो या शहर शौचालय बनवाए। निर्धन लोगों को निशुल्क मकान दिए। किसानों को सम्मान निधि और गरीबों को गैस का कनेक्शन दिया। स्वास्थ्य योजना के तहत आयुष्मान भारत जैसी बीमा बीमा योजना शुरू की। जिसके तहत कार्ड धारक को पांच लाख रूपये तक की स्वास्थ्य सेवाएं निशुल्क मिलती हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार भी गांव किसान मजदूर छात्र युवाओं व्यापारियों के खेत में काम कर रही है।

कांधला और कैराना की याद दिलाते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में बुलंदशहर की हालत इतनी बदतर थी मां बहनों की इज्जत तक सुरक्षित नहीं थी।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में जब वे भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में चुनाव प्रचार करने के लिए बोलने आये थे तो उन्होंने मां बहनों की इज्जत की सुरक्षा का वादा किया था जिसे पूरा किया। सत्ता के संरक्षण में जो संपत्तियों पर अवैध कब्जे हो रहे थे उनको रोकने और गुंडा अराजक तत्वों के विरुद्ध कठोरतम कार्रवाई करने का भरोसा दिया था।

पाकिस्तान ने एलओसी पर 3800 से ज्यादा बार संघर्षविराम का उल्लंघन किया

नयी दिल्ली, 22 अक्टूबर । विदेश मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि पाकिस्तानी सैनिकों ने इस साल जम्मू कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर बिना किसी उकसावे के 3800 से ज्यादा बार संघर्ष विराम का उल्लंघन किया और ड्रोन के जरिए हथियारों, मादक पदार्थों की तस्करी को बढ़ावा दिया। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने लगातार बिना किसी उकसावे के गोलीबारी कर संघर्षविराम समझौते का उल्लंघन किया और असैन्य इलाकों को भी निशाना बनाया। इसके साथ ही उसने एलओसी पार से आतंकियों को घुसपैठ कराने का भी प्रयास किया। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में कहा, यह दोनों पक्षों के बीच 2003 के संघर्षविराम सहमति का सरासर उल्लंघन है । इस साल अब तक पाकिस्तानी बलों ने बिना किसी उकसावे के 3800 से ज्यादा बार संघर्षविराम का उल्लंघन किया।'' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि एलओसी के पास के इलाके में ड्रोन के जरिए हथियार और गोलाबारूद भी गिराने के प्रयास किए गए। उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने ड्रोन के जरिए अंतरराष्ट्रीय सीमा से हथियारों और मादक पदार्थ की तस्करी के भी प्रयास किए। '' श्रीवास्तव ने कहा कि डीजीएमओ (सैन्य संचालन महानिदेशक) स्तरीय वार्ता में पाकिस्तान के समक्ष लगातार यह मुद्दा उठाया जाता है। आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) द्वारा पाकिस्तान को काली सूची में डाले जाने की संभावना के बारे में पूछे जाने पर श्रीवास्तव ने कहा कि वैश्विक आतंकरोधी नियामक ने ऐसी कार्रवाई के लिए मानक प्रक्रिया निर्धारित की है। उन्होंने कहा, ऐसा समझा जाता है कि पाकिस्तान ने एफएटीएफ द्वारा बताए गए 27 बिंदुओं में से केवल 21 पर कदम उठाया है। छह महत्वपूर्ण मुद्दों का अब तक समाधान नहीं किया गया है।'' श्रीवास्तव ने कहा, सबको पता है कि पाकिस्तान आतंकी संगठनों और आतंकियों को सुरक्षित पनाहगाह मुहैया कराता है और मसूद अजहर, दाऊद इब्राहिम, जाकिर उर रहमान लखवी आदि जैसे कई आतंकियों के खिलाफ अब तक कार्रवाई नहीं की गयी है।

दिल्ली के किसानों ने पीएम मोदी को भेंट की पगड़ी, कृषि बिलों को बताया सही

भाजपा मुख्यालय में सरकार का धन्यवाद ज्ञापित करने के लिए कार्यक्रम आयोजित

(विशेष संवाददाता)

नई दिल्ली, 22 अक्टूबर । केंद्र सरकार द्वारा पास किए गए कृषि बिलों के समर्थन में दिल्ली और आसपास के किसान आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पगड़ी भेंट की। साथ ही किसानों की तकदीर बदलने वाला बिल करार दिया।

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय मुख्यालय में आयोजित समारोह में किसानों ने मोदी सरकार का जमकर गुणगान किया। इस मौके पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा ने प्रधानमंत्री के लिए भेंट किए गए उपहार को स्वीकार किया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के किसानों के हर हित सुरक्षित हैं और मोदी सरकार की हर योजनाओं में देश के गाँव, गरीब और किसानों के ही हित समावेशित हैं। किसान प्रतिनिधियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष को प्रधानमंत्री के लिए लाई गई पगड़ी, हल और शॉल भेंट कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार व्यक्त किया।

इस मौके पर भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने किसानों को सलाह भी दी कि वह लोगों के बहकावे में ना आएं। विपक्षी पार्टियों ने किसानों के नाम पर दशकों से झूठ बोला है, अब जब भाजपा उनकी तस्वीर बदलने जा रही है तो उन्हें दर्द हो रहा है। उन्होंने कहा कि किसान हमारे अन्नदाता हैं और भारत का मस्तक गर्व से उंचा करने में सदैव महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आजादी के समय भारत खाद्यान्न के

मामले में आत्मनिर्भर नहीं था लेकिन, हरित क्रांति के साथ जब देश के किसान जुड़े तो हमने अपनी आवश्यकता तो पूरी की ही, अब दुनिया के दूसरे देशों को भी खाद्यान्न की आपूर्ति कर रहे हैं। जबजब देश को आवश्यकता महसूस हुई है, किसानों ने आगे बढ़ कर इसमें भाग लिया और देश की आर्थिक स्थिति को मजबूती प्रदान की। भारत की आत्मा गाँवों और किसानों में बसती हैं लेकिन कांग्रेस की सरकारों ने किसानों के हित में नीतियाँ बनाने में काफी उदासीनता बरती। किसानों के नाम पर कांग्रेस और उसकी सहयोगी पार्टियों द्वारा राजनीति की गई, बड़ी बड़ी बातें की गई लेकिन किसानों की स्थिति में परिवर्तन लाने वाला कोई बड़ा काम नहीं हुआ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा कि किसानों के नेता तो बहुत बने लेकिन किसानों की स्थिति में व्यापक बदलाव लाने का काम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने किया। जिस दिन से नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री बने, उन्होंने किसानों की भलाई, उनके कल्याण एवं उनके उत्थान के लिए योजनाओं को एक के बाद एक करके लागू करना शुरू किया। पद संभालते ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि केंद्र की उनकी भारतीय जनता पार्टी सरकार देश के गाँव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित और वंचितों की सरकार होगी।

पहले कांग्रेस पार्टी चुनाव आते ही कर्ज माफी का वादा कर वोट बैंक की राजनीति करने लगती थी, लेकिन कांग्रेस ने यूपीए सरकार के 10 वर्षों में केवल एक बार किसानों का कर्ज माफ किया वह भी महज 55 हजार करोड़ रुपये के लगभग। इसमें भी घोटाले की ख़बरें आई और सभी किसानों को इसका लाभ भी नहीं मिला।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसकी जगह किसानों के सशक्तिकरण के उद्देश्य से देश के हर किसानों को प्रति वर्ष 6,000 रुपये की आर्थिक सहायता देने की योजना शुरू की ताकि किसान सम्मान के साथ खेती कर सकें। इसके तहत एक वर्ष में 92,000 करोड़ रुपये सीधे किसानों के एकाउंट में डाले गए।

इस मौके पर भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राज कुमार चाहर, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव अरुण कुमार सिंह, दुष्यंत गौतम एवं राष्ट्रीय महामंत्री तरुण चुघ, दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता, दिल्ली विधानसभा में प्रतिपक्ष के नेता रामबीर सिंह बिधूड़ी, सांसद रमेश बिधूड़ी, सांसद प्रवेश वर्मा और किसानों के प्रतिनिधि नारायण सिंह, अमर सिंह, सिब्बल सिंह सहित कई किसान प्रतिनिधि और बड़ी संख्या में किसान उपस्थित थे।